



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]  
No. 22]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 3, 1989/ज्येष्ठ 13, 1911  
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 3, 1989/JAISTHA 13, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक आदेश और अधिसूचनाएँ  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (other than  
the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)<sup>1</sup>

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1989

(आयकर)

का.घा. 1262.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन.डी.आर. "कलकत्ता ज़ोरोस्ट्रियन कम्युनिटीज रिजिजियस एंड चैरिटी फंड्स, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1988-89 तथा 1989-90 के लिए, उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 8335/का.सं. 197/40/89-आ.कर(नि-1)]

दलीप सिंह, वि.का. अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 12th April, 1989

(INCOME-TAX)

S.O. 1262.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23-C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Calcutta Zoroastrian Community's Religious and Charity Funds, Calcutta" for the purposes of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8335/F. No. 197/40/89-IT(A1)]

DALIP SINGH, Officer on Special Duty

1310 GI/89—1

(1569)

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 11 मई, 1989

का.घा. 1263.—बैंकारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 के साथ पठित धारा 56 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबन्ध गोवा स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लि. पर इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने से लेकर 30 जून, 1991 तक लागू नहीं होंगे।

[सं. एफ. 6-2/89-ए.सी.]

प्रवीण कुमार तेजयार्थ, अधीक्षक सचिव

(Department of Economic Affairs)

Banking Division)

New Delhi, the 11th May, 1989

S.O. 1263.—In exercise of powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Goa State Cooperative Bank Ltd. from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 30th June, 1991.

[F. No. 6/2/89-AC]

P. K. TEJYAN, Under Secy.

## वारिण्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 मई, 1989

नई दिल्ली, 13 मई, 1989

का.प्रा. 1264.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स दिल्ली टेस्ट हाउस, इण्डियन एस्टेट, पी.टी. करनाल रोड, दिल्ली-110033, को उससे अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क के निरीक्षण के लिए इस अनुसूची के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अधिभरण के रूप में मान्यता देती है और अधिभरण मैग्नीज तथा अयस्क के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के उप नियम (4) के अन्तर्गत निर्यात निरीक्षण परिषद्/अधिभरण द्वारा अपनाई गई निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए इस संबंध में दिल्ली में नामित किसी भी अधिकारी को प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा।

## अनुसूची

1. फेरोमैंगनीज के धातु मल सहित फेरोमैंगनीज
2. निस्तप्त बोक्साइट सहित बाक्साइट
3. मैग्नीज डायक्साइड
4. कायनाइट
5. सिलिमनाइट
6. संकेन्द्रित जिंक सहित कच्चा जिंक
7. परिदग्ध और निस्तप्त मैग्नेसाइट सहित मैग्नेसाइट
8. बैरिटिस
9. लाल आक्साइड
10. पीला गैरिक
11. स्टेटिटी
12. स्पतीय (फेल्डस्पार)

[फाइल सं. 5(12) 88-ई आई एंड ई पी]

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 13th May, 1989

S.O. 1264.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year from the date of publication of this notification M/s. Delhi Test House Sohna Industrial Estate G. T. Karnal Road, Delhi-110033 as an agency for the inspection of the Minerals and Ores specified in schedule annexed hereto prior to export at Delhi subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Minerals and Ores (Inspection) Rules, 1965.

## SCHEDULE

1. Ferromanganese, including ferromanganese slag.
2. Bauxite, including calcined bauxite.
3. Manganese dioxide.
4. Kyanite
5. Sillimanite
6. Zinc Ores, including zinc concentrates.
7. Magnesite, including dead burnt and calcined magnesite.
8. Barytes.
9. Red Oxide.
10. Yellow Ochre.
11. Steatite.
12. Feldspar.

[File No. 5(12)/88-EI&amp;EP]

का.प्रा. 1265.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इन्स्पेक्शन सर्वे एण्ड सर्विलेस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, 26-डी/27, पार्क लेन, कलकत्ता-700016 को इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट द्रव्य के निर्यात के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अधिभरण के रूप में मान्यता देती है और अधिभरण ठहरे हुए लोहे के मैनहोल के ढक्कनों तथा फ्रेमों के निर्यात के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अधिभरण के रूप में मान्यता देती है और अधिभरण ठहरे हुए लोहे के मैनहोल के ढक्कनों तथा फ्रेमों के निर्यात (निरीक्षण) नियम 1971 के नियम 4 के उप नियम (4) के अन्तर्गत निर्यात निरीक्षण परिषद्/अधिभरण द्वारा अपनाई गई निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए इस संबंध में कलकत्ता में नामित किसी भी अधिकारी को निरीक्षण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा।

[फाइल सं. 5(1)/88-ई आई एंड ई पी]

New Delhi, the 20th May, 1989

S.O. 1265.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year from the date of publication of this notification M/s. Inspection Survey and Surveillance (India) Pvt. Ltd., 26-D/27, Park Lane Calcutta-700016, as an agency for inspection of the Cast Iron Manhole Covers and Frames prior to export at Calcutta subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officer nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Cast Iron Manhole Covers and Frames (Inspection) Rules, 1971.

[File No. 5(1)/88-EI&amp;EP]

का.प्रा. 1266.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (स्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इन्स्पेक्शन सर्वे एण्ड सर्विलेस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, 26-डी/27, पार्क लेन, कलकत्ता-700016 को इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट अकार्बनिक रंग द्रव्य के निर्यात के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अधिभरण के रूप में मान्यता देती है और अधिभरण अकार्बनिक रंग द्रव्य के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1966 के नियम 4 के उप नियम (4) के अन्तर्गत निर्यात निरीक्षण परिषद्/अधिभरण द्वारा अपनाई गई निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए इस संबंध में कलकत्ता में नामित किसी भी अधिकारी को निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा।

## अनुसूची

1. जिंक आक्साइड
2. लाल सीसा
3. सफेद सीसा

[फाइल सं. 5(11) 88-ई आई एंड ई पी]

S.O. 1266.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year from the date of publication of this notification M/s. Inspection Survey and Surveillance (India) Pvt. Ltd., 26-D/27, Park Lane, Calcutta-700016, as an agency for inspection of the Inorganic Pigments specified in Schedule annexed hereto prior to export at Calcutta subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officer nominated by the Export

Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the Certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Inorganic Pigments (Inspection) Rule, 1966.

### SCHEDULE

1. Zinc Oxide.
2. Red Lead.
3. White Lead.

[File No. 5(11)/88-El&EP]

का.आ. 1267.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इन्स्पेक्शन सर्वे एण्ड सर्वेयर्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, 26/27, एरबालू चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-600001 को इससे उपाबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-1 तथा 2) का निर्यात अनुसूची-I तथा अनुसूची-II में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अधिकार के रूप में मान्यता देती है और अधिकार खनिज तथा अयस्क ग्रुप-I तथा II के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के उप नियम (4) के अन्तर्गत निर्यात निरीक्षण पर्यटन/अधिकार द्वारा अपनाई गई निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए इस संबंध में मद्रास में नामित किसी भी अधिकारी को निरीक्षण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा।

#### अनुसूची-I

1. मैग्नीज डायक्साइड सहित मैग्नीज अयस्क
2. कच्चा लोहा
3. फ़ैरीमैग्नीज के धातुमल सहित, फ़ैरीमैग्नीज
4. निस्फुल बाक्साईड सहित बोक्साईड

#### अनुसूची-II

1. मैग्नीज डायक्साइड
2. क्रोम संकेन्द्रित सहित कच्चा क्रोम
3. कायनाईट
4. सिलीमेनाईट
5. जिक संकेन्द्रित सहित कच्चा जिक
6. निस्फुल तथा परिदग्ध मैग्नेसाईट सहित मैग्नेसाईट
7. बेरार्डिट्स
8. लाल ग्राम्साईड
9. पीला मैरीक
10. सेल्युडो
11. स्पनीय (फ़ेल्डस्पार)

[फाइल सं. 5(II)/88-ई आई एंड ई पी]  
ए.के. चौधरी, निदेशक

S.O. 1267.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of one year from the date of publication of this notification M/s. Inspection Survey and Surveillance (India) Pvt. Ltd., 26/27, Errabalu Chetty Street Madras-600001 as an agency for inspection of Minerals and Ores (Group-I and II) as specified in Schedule I and Schedule-II annexed hereto prior to export at Madras subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officer nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Minerals and Ores (Group-I and Group-II (Inspection) Rules, 1965.

### SCHEDULE I

1. Manganese Ore, excluding manganese dioxide.
2. Iron Ore.
3. Ferromanganese, including ferromanganese slag.
4. Bauxite, including calcined bauxite.

### SCHEDULE II

1. Manganese Dioxide.
2. Chrome Ore, including chrome concentrates.
3. Kyanite.
4. Silimanite.
5. Zinc Ores, including zinc concentrates.
6. Magnesite, including dead-burnt and calcined magnesite.
7. Barytes.
8. Red Oxide.
9. Yellow Ochre.
10. Sialite.
11. Feldspar.

[File No. 5(1)/88/El&EP]  
E A. K. CHAUDHURI, Director

### पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संभालय

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1989

का.आ. 1268 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में बाकसू से हरियाणा राज्य में बड़ौली (करनाल) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाईन इण्डियन प्रायल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वशातः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, इण्डियन प्रायल कार्पोरेशन लिमिटेड, पाइप लाइन्स, 270, मुभाष नगर रोहतक को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

[सं. प्रो-31015/6/88-प्रो.पार.-I]

अनुसूची					
तहसील : बहादुरगढ़	जिला : रोहतक	राज्य : हरियाणा			
नाम गाँव	हदबस्त नं.	खसरा नं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर आर. वर्गमीटर		
1	2	3	4	5	6
छारा	17	16	00	13	91
		17	00	13	92
		5993			
		18	00	01	26

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
छारा—(जारी)	17	5984				छारा—(जारी)	17	1741	00	12	65
		18	00	13	91			1766	00	02	53
		6719						1767	00	08	85
		19	00	08	85			1768	00	03	79
		6720						1769	00	12	84
		19	00	02	53			1984	00	02	53
		20	00	13	91			2115	00	26	56
		30	00	13	91			2125	00	32	88
		36	00	15	18			2135	00	13	92
		37	00	11	38			2136	00	07	59
		46	00	02	53			2139	00	08	85
		47/1	00	01	27			2140	00	10	12
		106	00	01	26			2186	00	29	09
		107	00	21	50			2190	00	01	27
		109	00	05	06			2194	00	08	85
		110	00	01	26			2196	00	13	91
		111	00	08	86			2198	00	25	29
		112	00	02	53			2200	00	01	26
		119	00	01	26			2213	00	10	97
		125	00	10	12			2214	00	03	80
		126	00	03	79			2215	00	16	44
		127	00	11	38			2224	00	01	26
		128	00	00	00			2241	00	08	85
		132	00	06	32			2246	00	03	79
		153	00	01	27			2247	00	13	91
		6726						2248	00	08	86
		138	00	10	12			2251	00	09	83
		137	00	10	12			2252	00	11	38
		139	00	12	65			2266	00	02	53
		140	00	01	26			2267	00	15	18
		1419	00	27	82			2268	00	10	12
		1584	00	22	76	भगवपुर	14	(3)			
		1595	00	06	32			19	00	02	53
		1596	00	06	32			20/1	00	07	08
		1598	00	15	18			21/1	00	04	55
		1617	00	11	38			21/2	00	05	82
		1618	00	10	12			(8)			
		1619	00	11	38			16	00	03	54
		1620	00	03	79			25	00	08	85
		1625	00	01	26			(9)			
		1627	00	13	91			1	00	11	38
		1631/2	00	08	85			10	00	11	38
		6712						11	00	11	38
		1632	00	10	12			20	00	08	09
		1634	00	17	70			21	00	02	03
		1689	00	05	06			(15)			
		1690	00	06	32			5/1	00	09	86
		1691	00	01	27			5/2	00	01	01
		1695	00	03	79			6	00	11	38
		1698	00	02	53			15/1	00	10	37
		1699	00	06	32			15/2	00	01	01
		1700	00	24	03			16	00	10	12
		1706	00	10	12			17	00	00	75
		1708	00	03	35			24/2	00	05	82
		1709	00	10	12			25	00	04	55

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
अगरपुर	14	(21)					14	(84)	00	01	01
		4/1	00	06	55			(86)	00	00	51
		4/2	00	02	28			(89)	00	00	51
		5	00	00	76			(95)	00	01	77
		7	00	10	37			(96)	00	01	26
		14	00	11	39			(98)	00	01	26
		17	00	11	38			(103)	00	01	01
		23	00	01	01			(106)	00	04	56
		24	00	10	62			(118)	00	01	01
		(26)						(125)	00	01	01
		3	00	06	83			(128)	00	00	51
		4	00	04	55			(138)	00	00	51
		7	00	00	00			(147)	00	01	01
		8	00	11	38	कुलताना	16	172	00	05	06
		13/1	00	02	00			174	00	16	44
		(26)						1738/			
		13/2	00	08	60			175	00	02	53
		18	00	11	38			186	00	20	23
		23	00	09	86			1777/			
		(34)						187	00	03	79
		2/2	00	04	05			288	00	13	91
		3	00	07	08			1887/			
		8	00	01	01			289	00	15	18
		9	00	10	37			1615/			
		12	00	11	38			290	00	10	12
		19/1	00	10	88			1616/			
		22	00	11	38			290	00	05	06
		(38)						1522/			
		1/1	00	00	25			292	00	02	53
		9/1	00	11	38			1523/			
		9/1	00	01	77			292	00	05	06
		9/2	00	04	05			293	00	05	06
		10	00	04	30			1618/			
		11	00	10	62			294	00	05	06
		12	00	00	76			1536/			
		20	00	11	38			295	00	10	12
		21	00	10	62			296	00	02	52
		(48)						297	00	13	91
		6	00	01	01			304	00	21	50
		15	00	07	08			305	00	06	32
		16	00	11	38			306	00	03	53
		25	00	10	88			320	00	16	44
		(49)						337	00	13	91
		1/1	00	11	38			338	00	00	00
		10	00	06	83			339	00	18	97
		11	00	04	05			389	00	12	64
		(52)						390	00	02	53
		5	00	11	38			407	00	12	65
		6	00	10	62			408	00	03	79
		14	00	02	78			551	00	02	53
		15	00	08	35			1087	00	07	59
		16	00	02	53			1088	00	00	00
		17	00	08	60			1089	00	07	59
		24	00	11	38			1094	00	06	32
		(60)						1095	00	15	18
		4	00	05	31			1098	00	03	79
								1099	00	06	32

1	2	3	4	5	6
कुलताना		1100	00	01	27
		1102	00	17	70
		1105	00	15	18
		1112	00	12	65
		1115	00	11	38
		1175	00	10	12
		1176	00	10	12
		1178	00	01	26
		1253	00	01	26
		1254	00	10	12
		1255	00	07	59
		1273	00	01	26
		1175	00	02	53
		1276	00	06	32
		1277	00	05	06
		1280	00	03	79
		1281	00	03	79
		1282	00	06	32
		1319	00	01	26
		1744/			
		1320	00	12	65
		1745/			
		1320/2	00	01	27
		1321	00	06	32
		1324	00	15	18
		1386	00	03	79
		1388	00	07	59
		1391	00	08	85
		1392	00	24	03
		1393	00	13	91
		1396	00	08	85
		1402	00	12	65
		1403	00	10	13
		1404	00	03	79
		1405	00	02	53
		1406	00	01	26
		1407	00	05	06
		1413	00	10	12
		1414	00	10	12
		1415	00	02	53
		4121	00	26	56
		1422/1	00	06	32
		1422/2	00	05	06
		1423	00	13	91
		1424	00	01	27
		1447	00	01	26

[सं जी-31015/6/88-जी आर-1]

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 11th April, 1989

S.O. 1268.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Chaksu in the State of Rajasthan to Baholli (Karnal) in the State of Haryana, Pipeline should be laid by India Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline(s) it is necessary to acquire the right of user the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline(s) under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines, 270, Subhash Nagar, Rohtak.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner

## SCHEDULE

Tehsil : Bahadurgarh	Distt : Rohtak	State : Haryana			
Name of Village	No.	Khasra	Area		
	Hadbast	No.	Hec- tare	Ac- Arc	Centi Arc
1	2	3	4	5	6
Chhara	17	16	00	13	91
		17	00	13	92
		5983	00	01	26
		18			
		5984	00	13	91
		18			
		6719	00	08	85
		19			
		6720			
		19	00	02	53
		29	00	13	91
		30	00	13	91
		36	00	15	18
		37	00	11	38
		46	00	02	53
		47/1	00	01	27
		106	00	01	26
		107	00	21	50
		109	00	05	06
		110	00	01	26
		111	00	08	86
		112	00	02	53
		119	00	01	26
		125	00	10	12
		126	00	03	79
		127	00	11	38
		128	00	00	00
		132	00	06	32
		133	00	01	27
		6726			
		137	00	10	12
		138	00	10	12
		139	00	12	65
		140	00	01	26
		1449	00	27	82
		1594	00	22	76
		1595	00	06	32
		1596	00	06	32

1	2	3	4	5	6	1	2	2	4	5	6
Chhara	17	1598	00	15	18		14	21	00	07	03
		1617	00	11	38			(15)			
		1618	00	10	12			5/1	00	09	36
		1619	00	11	38			5/2	00	01	01
		1620	00	03	79			6	00	11	38
		1625	00	01	26			15/1	00	10	37
		1627	00	13	91			15/2	00	01	01
		1631/2	00	08	85			16	00	10	12
		6712/						17	00	00	76
		1632	00	10	12			24/2	00	05	82
		1634	00	17	70			25	00	04	55
		1689	00	05	06			(21)			
		1690	00	06	32			4/1	00	06	58
		1691	00	01	27			4/2	00	02	28
		1695	00	03	79			5	00	00	76
		1698	00	02	53			7	00	10	37
		1699	00	06	32			14	00	11	39
		1700	00	24	03			17	00	11	38
		1706	00	10	12			23	00	01	01
		1708	00	08	85			24	00	10	62
		1709	00	10	12			(26)			
		1741	00	12	65			3	00	06	83
		1766	00	02	53			4	00	04	55
		1767	00	08	85			7	00	00	00
		1768	00	03	79			8	00	11	38
		1769	00	12	64			13/1	00	02	78
		1984	00	02	53	14		(26)			
		2118	00	26	56			13/2	00	08	60
		2128	00	32	88			18	00	11	38
		2135	00	13	92			23	00	09	86
		2136	00	07	59			(34)			
		2139	00	08	85			2/2	00	04	05
		2140	00	10	12			3	00	07	08
		2186	00	29	09			8	00	01	01
		2190	00	01	27			9	00	10	37
		2194	00	08	85			12	00	11	38
		2196	00	13	91			19/1	00	10	88
		2198	00	25	29			22	00	11	38
		2200	00	01	26			(38)			
		2213	00	18	97			1/1	00	00	25
		2214	00	03	80			2/1	00	11	38
		2215	00	16	44	10		9/1	00	01	77
		2224	00	01	26			9/2	00	04	05
		2241	00	08	85			10	00	04	30
		2246	00	03	79			11	00	10	62
		2247	00	13	91			12	00	00	77
		2248	00	08	86			20	00	11	38
		2251	00	08	85			21	00	10	62
		2252	00	11	38			(48)			
		2266	00	02	53			6	00	01	01
		2267	00	15	18			15	00	07	08
		2268	00	10	12			16	00	11	38
								25	00	10	88
								(48)			
								1/1	00	11	38
								10	00	06	83
								11	00	04	05
Agarpur	14	(3)						(52)			
		19	00	02	53			5	00	11	38
		20/1	00	07	08			6	00	10	62
		21/1	00	04	55			14	00	02	78
		21/2	00	05	82			15	00	08	35
		(8)						16	00	02	53
		16	00	03	54			17	00	08	60
		25	00	08	85			24	00	11	38
		(9)						(60)			
		1	00	11	38			4	00	05	31
		10	00	11	38			(84)	00	01	01
		11	0	11	38			(86)	00	00	51
		20	00	08	06			(89)	00	00	51

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Agarpur	14	(95)	00	01	77	Kultana	16	1277	00	05	06
		(96)	00	01	26			1280	00	03	79
		(98)	00	01	26			1281	00	03	79
		(103)	00	01	01			1282	00	06	32
		(106)	00	04	56			1319	00	01	26
		(118)	00	01	01			1744/			
		(125)	00	01	01			1320	00	12	65
		(128)	00	00	51			1745/			
		(138)	00	00	51			1302/2	00	00	27
		(147)	00	01	01			1321	00	01	32
Kultana	16	172	00	05	06			1324	00	15	18
		174	00	16	44			1386	00	03	79
		1738/						1388	00	07	59
		175	00	02	53			1391	00	08	85
		186	00	20	23			1392	00	24	03
		1777/						1393	00	13	91
		187	00	03	79			1396	00	08	85
		288	00	13	91			1402	00	12	65
		1887/						1403	00	10	13
		289	00	15	18			1404	00	03	79
		1615/						1405	00	02	53
		290	00	10	12			1406	00	01	26
		1616/						1407	00	05	06
		290	00	05	06			1413	00	10	12
		1522/						1414	00	10	12
		292	00	02	53			1415	00	02	53
		5123/						1421	00	26	56
		292	00	05	06			1422/1	00	06	32
		293	00	05	06			1422/2	00	05	06
		1618/						1423	00	13	91
		294	00	05	06			1424	00	01	27
		1536/						1447	00	01	26
		295	00	10	12						
		296	00	02	52						
		297	00	13	91						
		304	00	21	50						
		305	00	06	32						
		306	00	02	53						
		320	00	16	44						
		337	00	13	91						
		338	00	00	00						
		339	00	18	97						
		389	00	12	64						
		390	00	02	53						
		407	00	12	65						
		408	00	03	79						
		551	00	02	53						
		1087	00	07	59						
		1088	00	00	00						
		1089	00	07	59						
		1094	00	06	32						
		1095	00	15	18						
		1098	00	03	79						
		1099	00	06	32						
		1100	00	01	27						
		1102	00	17	30						
		1105	00	15	18						
		1112	00	12	65						
		1115	00	11	38						
		1175	00	10	12						
		1176	00	10	12						
		1178	00	01	26						
		1253	00	01	26						
		1254	00	10	12						
		1255	00	07	59						
		1273	00	01	26						
		1275	00	02	5332						
		1276	00	06							

[No. O. 31015/6/88-ORI]

## शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1989

का.भा. 1289.—भारत सरकार के राजपत्र भाग-II, खण्ड-3, उपखण्ड (II) दिनांक 31 दिसम्बर, 1988 के पृष्ठ संख्या 4801 से 4870 पर का.भा. 3755 से 3764 के अन्तर्गत प्रकाशित भारत सरकार पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या प्रो.—31015/3/88 से प्रो.—31015/6/88 प्रो. प्रार. I दिनांक 15 दिसम्बर, 1988 के अधीन प्रकाशित अनुसूची में निम्नांकित उल्लेखित अनुक्रमणिका के अनुसार पढ़े जावें।

तहसील—ग्रामेर; जिला—जयपुर; राज्य—राजस्थान

क्र.सं. गजट का लाईन नं. कालम गलती सुधार रिमार्क  
पृष्ठ नं. नं. जो ऐसे पढ़े  
छपी है

1	2	3	4	5	6	7
1.	4801	II 38		बालस	बालसु	
2.	"	II 39		क	के	
3.	4802	II 48	2	494/51	494/5/1	
4.	"	II 49	2	494/52	494/5/2	
5.	4804	I 21	4	84	04	
6.	"	II 17	4	88	09	
7.	"	II 28	4	59	09	
8.	"	II 48	2	590	599	



1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
9.	4804	II/52	4	08	09	53.	4817	II/18	3	05	00
10.	4805	I/1	1	—	लबाना (जारी)	54.	"	II/18	5	36	86
					619	55.	"	II/21	5	84	94
11.	"	I/9	4	18	16	56.	"	II/37	1	—	भाभर 116
12.	"	I/18	1	दीगपुर	दीगपुर	57.	1818	I/1	1	भाभर	भाभर (जारी)
13.	"	I/27	2	58	56	58.	"	I/2	5	86	04
14.	"	I/23	5	85	35	59.	"	I/31	4	01	10
15.	"	II/25	5	80	30	60.	"	II/14	5	98	86
16.	"	I/27	5	88	90	61.	"	II/15	2	928	938
17.	"	I/29	5	85	95	62.	"	II/40	2	2110	2113
18.	"	I/30	5	80	90	63.	"	II/50	5	95	96
19.	"	I/53	5	80	90	64.	4819	I/35	4	03	02
20.	"	II/12	5	00	80	65.	"	II/22	4	02	01
21.	"	II/19	4	08	06	66.	"	II/26	4	01	02
22.	"	II/35	4	08	06	67.	4820	I/1	1	—	भाभर (जारी)
23.	"	II/35	5	80	80						3010
24.	"	II/39	1	—	स्यारी 26	68.	"	I/6	1	—	बड़ौदा 349
25.	"	II/41	5	08	03	69.	"	I/13	2	405	400
26.	"	II/44	2	38	36	70.	"	I/16	2	406	405
27.	"	II/44	4	28	23	71.	"	II/48	2	107	1072
28.	4805	II/53	2	138	136	72.	"	II/49	4	00	06
29.	"	II/53	5	80	90	73.	4821	I/1	1	—	बागाबास
30.	4806	I/1	1	अचरोल	स्यारी						अहीरान
31.	"	I/10	1	रामपुर उर्फ	रामपुरा उर्फ						(जारी)
				बनिया वाला	बनियाला						1086
32.	"	I/12	1	कलवाई	कानवाड़						
33.	"	I/27	2	188/299	178/299						
34.	"	I/36	1	धुकलपुर	जुगलपुरा						
35.	"	I/47	4	38	39						
36.	"	II/1	1	जुगलपुरी	जुगलपुरा						
37.	"	II/19	1	बन्धवाजी	बन्धवाजी						
38.	"	II/28	5	86	85						
39.	4807	I/1	3	0	1						
40.	"	I/24	4	38	08						
41.	"	I/23	5	60	65						
तहसील—जमशारामगढ़; जिला—जयपुर; राज्य—राजस्थान											
42.	4812	I/47	4	08	07						
43.	4813	I/15	5	15	45						
44.	"	I/1	1	—	भानपुर कलां						
					(जारी) 487						
तहसील—जयपुर; जिला—जयपुर; राज्य—राजस्थान											
45.	4814	II/17	4	01	11						
46.	"	II/17	5	45	35						
47.	"	II/36	5	30	50						
48.	4815	3/0	2	3043	2043						
तहसील—विराटनगर; जिला—जयपुर; राज्य—राजस्थान											
49.	4817	II/3	2	943	945						
50.	"	II/15	4	00	09						
51.	"	II/16	3	5	00						
52.	"	II/17	5	02	92						
तहसील—भाहपुरा; जिला—जयपुर; राज्य—राजस्थान											
74.	4826	I/1	1	मोहनपुर	मनोहरपुर						
75.	"	I/20	5	04	00						
76.	"	II/1	1	मोहनपुर	मनोहरपुर						
77.	"	II/36	1	निहारा	निठारा						
78.	4827	I/1	1	निहारा	निठारा						
					(जारी)						
79.	"	II/1	4	08	09						
80.	"	II/1	5	86	36						
81.	"	II/3	4	08	06						
82.	"	II/4	4	08	05						
83.	"	II/5	5	88	90						
84.	"	II/6	5	82	92						
85.	"	II/7	4	03	05						
86.	"	II/7	5	94	04						
87.	"	II/10	4	08	02						
88.	"	II/13	5	95	98						
89.	"	II/14	5	92	02						
90.	"	II/17	2	100	190						
91.	"	II/17	4	08	03						
92.	"	II/17	5	18	12						
93.	"	II/19	4	94	09						
94.	"	II/29	5	84	64						
95.	"	II/30	4	84	04						
96.	"	II/32	4	80	00						
97.	"	II/35	5	18	19						
98.	"	II/37	4	85	05						
99.	"	II/40	4	08	00						
100.	"	II/43	5	88	06						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
101.	4817	II/45	5	88	08	152.	4834	II/18	4	03	13
102.	"	II/48	5	98	96	153.	"	II/8	5	91	96
103.	"	I/49	5	08	06	154.	"	II/20	2	631	638
104.	"	II/53	4	08	00	155.	"	II/23	2	640	643
105.	4828	I/38	4	31	11	156.	"	II/33	2	80	63
106.	"	I/40	5	41	31	157.	"	II/33	4	00	01
107.	"	I/45	5	—	24	158.	"	II/35	4	—	15
108.	"	II/2	5	94	01	159.	4835	I/2	5	90	96
109.	"	II/7	4	82	02	160.	"	I/8	1	01	01
110.	"	II/12	5	86	97	161.	"	I/24	2	432	422
111.	"	II/17	4	18	08	162.	"	I/24	5	06	66
112.	"	II/17	5	15	16	163.	"	I/38	2	रघुनाथपुरा गोर्धनपुरा	
113.	"	II/22	5	98	08					1013	1013
114.	"	II/23	5	39	30	164.	"	I/43	2	1021	1031
115.	"	II/34	4	89	09	165.	"	I/50	5	92	92
116.	"	II/34	5	00	90	166.	"	II/28	2	1538	1539
117.	"	II/35	4	94	04	167.	"	II/32	2	1665	1565
118.	"	II/36	3	5	00	168.	4835	II/53	4	09	06
119.	"	II/36	5	98	90	169.	4836	I/15	2	004	094
120.	"	II/41	5	80	90	170.	"	I/21	1	—	10 कल्याणपुरा
121.	"	II/42	5	89	99	171.	"	I/40	2	436	439
122.	"	II/44	5	08	96	172.	"	I/53	5	99	518
123.	"	II/51	5	48	40	173.	"	II/1	1	शुक्लपुरा 10 कल्याणपुरा	
124.	"	I/11	2	1846	1860	174.	"	II/2	1	—	11 राहेडा
125.	"	I/14	2	1884	1864	175.	"	II/16	1	पुतली राहेडा	
126.	"	I/18	2	1884	1964	176.	"	II/17	1	—	पुतली 5
नहमील—कोटपूतली; जिला—जयपुर; राज्य—राजस्थान						177.	"	II/31	4	09	06
127.	4833	I/7	1	राजाका बंस	साडाकाबास	178.	"	II/51	2	518	516
128.	"	I/7	2	892	692	179.	4837	I/31	5	15	18
129.	"	I/8	2	897	697	180.	"	I/51	1	बामदी	बामदी
130.	"	I/16	2	850	856	181.	"	II/16	2	510	520
131.	"	II/17	1	मावम	पावटा	182.	"	II/14	5	05	09
132.	4834	I/1	1	—	प्राणपुरा (जारी)	183.	"	II/41	5	98	96
					1634	184.	"	II/43	5	93	95
133.	"	I/19	2	1987	96	185.	4838	I/5	5	00	50
134.	"	I/23	5	98	1887	186.	"	I/6	5	39	36
135.	"	I/45	2	768	368	187.	"	I/7	5	95	94
136.	"	I/49	5	6	86	188.	"	I/9	2	377	327
137.	"	I/51	4	18	15	189.	"	I/14	5	79	76
138.	"	II/1	5	—	82	190.	"	I/15	5	94	64
139.	"	II/02	5	00	08	191.	"	I/17	3	08	00
140.	"	II/2	5	09	08	192.	"	I/25	5	79	76
141.	"	II/3	2	19	519	193.	"	I/27	5	39	36
142.	"	II/4	2	22	522	194.	"	I/29	9	409	406
143.	"	II/4	4	8	18	195.	"	I/29	4	03	01
144.	"	II/5	2	—	523	196.	"	I/39	5	93	92
145.	"	II/5	5	80	88	197.	"	I/15	5	92	62
146.	"	II/9	4	0	10	198.	"	II/26	5	94	98
147.	"	II/10	4	02	01	199.	"	II/28	5	99	96
148.	"	II/13	4	80	00	200.	"	II/29	5	99	68
149.	"	II/13	5	98	96	201.	"	II/31	5	89	96
150.	"	II/14	4	45	15	202.	"	II/34	5	79	76
151.	"	II/17	4	00	01	203.	"	II/35	5	99	96
						204.	"	II/40	5	99	98
						205.	"	II/45	5	19	16

1	2	3	4	5	6	तहसील-सांगनेर	जिला-जयपुर	राज्य-राजस्थान			
206.	"	II/45	5	19	16	250.	4854	I/28	4	17	12
206.	4839	I/1	1	--	सांगदेड़ा (जारी)	251.	"	I/31	2	१५७	१३७
					962	252.	"	I/46	2	१६१	६९२
207.	"	I/1	4	09	06	253.	"	I/46	5	88	98
208.	"	I/2	5	99	66	254.	"	II/14	5	90	20
209.	"	I/4	5	79	76	255.	"	II/15	5	20	90
210.	"	I/5	4	09	06	256.	"	II/16	5	00	50
211.	"	I/5	5	83	93	257.	"	II/22	2	399	389
212.	"	I/9	4	022	07	258.	"	II/31	4	07	02
213.	"	I/12	5	99	96	259.	"	II/46	2	295	293
214.	"	I/14	5	1८	12	260.	"	II/47	2	291	297
215.	"	I/27	5	79	78	261.	"	II/47	5	44	08
216.	"	I/38	4	02	01	262.	"	II/48	2	88	298
217.	"	I/42	5	00	90	263.	"	II/48	5	96	52
218.	4840	I/1	1	--	पनियाणा (जारी)	264.	"	II/50	2	301	308
					1६३३	265.	"	II/53	4	15	13
219.	"	I/1६	1	मोरदा	मोरदा	266.	"	II/53	5	61	68
220.	"	II/2	2	579	576	267.	4855	I/12	5	00	50
तहसील--बस्ती,--जिला- जयपुर--राज्य--राजस्थान						268.	"	I/18	5	2	52
221.	4847	II/33	2	166	115	तहसील- बहरोड़ जिल-अलवर राज्य-राजस्थान					
222.	"	II/54	5	86	55	269.	4857	I/43	5	54	44
223.	4848	I/1	1	--	रत्नावता (जारी)	270.	"	I/56	5	18	16
					83	271.	"	II/31	5	2	26
224.	"	I/13	5	00	90	272.	4858	I/34	1	ढलवाड सखुनंद मोमनपुर	तलवाड सरवलंद मोमनपुर
225.	"	I/19	2	534	34	273.	4859	I/36	5	60	00
226.	"	I/47	5	78	75	274.	"	II/37	5	90	96
227.	"	I/52	1	भूरथल	कानरवास	275.	"	II/52	4	09	06
				254	254	276.	4860	I/18	4	09	06
228.	"	I/53	1	--	भूरथल 19	277.	"	II/2	2	631	621
229.	"	II/21	5	85	65	278.	"	II/54	5	30	10
तहसील--चाकसू जिला--जयपुर राज्य--राजस्थान						279.	4861	I/22	5	06	96
230.	4850	I/55	5	19	16	280.	"	I/45	5	02	62
231.	"	II/1	5	58	56	281.	"	I/51	5	52	82
232.	"	II/6	5	83	93	282.	"	II/9	2	338	238
233.	"	II/22	5	80	50	283.	"	II/43	2	344/317	344/517
234.	"	II/24	5	1६	16	284.	4862	I/18	1	ससिडी	ससिडी
235.	"	II/37	5	1६	16	285.	"	I/41	4	03	05
236.	"	II/40	5	६२	52	286.	"	II/1	1	ससिडी	ससिडी
237.	"	II/43	2	1153	1155	287.	"	II/14	2	946	846
238.	"	II/56	5	86	56	288.	"	II/37	2	1974	1074
239.	4851	I/1	1	--	सीलकी डूंगरी (जारी) 50	289.	4863	I/1	1	चोलापचा खुर्द	जोनायचा खुर्द
240.	"	I/25	2	141	144	290.	"	I/14	4	33	03
241.	"	I/41	2	65	85	291.	"	I/15	4	25	23
242.	"	I/9	5	68	66	[संज्ञा 219/5/6/88-ओ आर-1]					
243.	"	II/19	5	89	६०	ERRATUM					
244.	"	II/27	2	84	६८	New Delhi, the 11th April, 1989					
245.	"	II/47	5	1	1६	S.O. 1269.—In the schedule under notification No.					
246.	"	II/53	5	६	85	O-31015/3/88 to O-31016/88 O.R.I. dated 15th Decem-					
247.	"	II/54	5	8	88	ber, 1988 of the Government of India, Ministry of Petroleum					
248.	4852	I/1	5	18	16	published in the Gazette of India Part II, Section 3, sub-se-					
249.	"	I/15	4	60	50						

tion (II) dated 31st December, 1988 at page nos. 4801 to 4870 vide S.O. Nos. 3755 to 4764 may be read as per the following :

[No. O-31015/6/88-OR-I]

Tehsil : Amber		Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
Sl. No.	Page No. of Gazette	Line No.	Col. No.	Wrong entry	To be read as
1	2	3	4	5	6
1.	4807	I/7	1	Amber	Amber
2.		II/59	2	5039	5059
3.		II/53	4	01	10
4.	4808	I/42	5	70	40
5.		I/57	4	06	05
6.		I/61	4	41	14
7.		II/1	2	636	656
8.		II/10	4	01	04
9.		II/33	4	03	05
10.		II/40	4	01	10
11.		II/61	4	09	07
12.	4809	II/52	4	05	04
13.	4810	I/10	5	00	80
14.		I/11	2	525	625
15.		I/11	5	80	30
16.		I/55	1	544	944
17.		II/14	2	1207	1201
18.		II/34	2	1293	1295
19.	4811	I/8 & 9	2	—	178/292
Between					
20.			3	—	0
21.			4	—	08
22.			5	—	00
23.		I/21	2	2/134	2/15
24.		I/39	2	136	156
25.		I/38	2	153	155
26.		I/41	5	00	50
27.		I/42	2	155	160
28.		I/58	1	Chan-dawaji	Chan-dawaji
29.		II/37	2	88	87
Tehsil - Jamwa Ramgarh		Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
30.	4813	II/18	5	40	90
31.		II/21	2	63	163
32.	4814	I/15	3	9	0
Tehsil : Jaipur		Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
33.	4816	I/17	1	Jandoli	Jandoli
34.		I/27	5	5	35
35.		I/28	5	04	05
36.		I/34	5	04	05
37.		I/60	2	47.77	777
38.		II/60	2	220	2200
39.		II/6	4	00	03
40.	4817	I/61	2	249	2249
41.		I/7	2	225	2251
42.		I/7	4	00	05
Tehsil : Viratnagar		Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
43.	4821	I/32	2	516	515
44.	4822	I/1	1	—	Jawan-pura-1127
45.		II/60	4	04	00
46.		II/62	4	00	04
47.	4823	I/1	1	—	Bhabhru-2180

1	2	3	4	5	6
48.	4823	I/2	2	2182	2181
49.	4824	I/1	1	—	Badaoda-426
50.		I/6	1	Antola	Aantola
51.		I/7	4	04	05
52.		I/47	4	01	10
53.	4825	I/1	1	—	Bagawa-sahiran-2040
Tehsil : Shahpura		Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
54.	4829	II/43	5	76	66
55.		II/61	4	3	13
56.	4830	I/1	1	—	Mano-harpur
57.		I/9	2	4365	4363
58.		I/45	2	6460	5460
59.		I/53	2	6587	5487
60.		I/64	4	08	06
61.		II/1	1	Hapohor-pur	Mano-harpur
62.	4831	I/1	1	—	Nethara-669
63.		I/6	4	00	90
64.		I/22	2	1084	1048
65.		I/49	5	56	58
66.		II/5	2	10	01
67.	4831	II/9	5	3	03
68.		II/19	2	90	91
69.		II/20	4	01	00
70.		II/27	4	14	04
71.	4832	I/31	4	03	08
72.		I/63	4	1	04
73.		I/15	4	49	40
74.	4832	II/27	4	02	00
Tehsil : Kotputli		Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
75.	4840	II/47	4	06	28
76.		II/47	5	06	16
77.		II/48	4	28	06
78.		II/48	5	16	06
79.	4841	I/6	5	00	04
80.		II/48	1	03	05
81.	4842	II/17	2	140	149
82.		II/56	2	1153	1053
83.		II/59	2	1961	1061
84.	4843	I/1	1	Path-redi	Govar-dhan-pdra
85.		I/2	2	240	1240
86.	4844	I/24	5	77	72
87.		I/64	5	04	14
88.	4845	I/36	5	40	90
89.	4846	II/61	2	1924	1824
90.	4847	I/1	1	Paryala	Panyala
91.		I/15	1	Horda	Morda
Tehsil : Bassi		Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
92.	4849	I/39	4	20	02
93.		II/27	1	Bala Ki Nagal-32	Kanar-was-32
94.		II/132	5	30	50
95.	4850	I/1	1	—	Burthal-222
Tehsil : Chaksu		Distt : Jaipur		State : Rajasthan	
96.	4852	II/39	5	60	06

1	2	3	4	5	6	7	8
97. 4852		II/57	3	1	00		
98. 4853		II/21	2	178	171		
99. „		II/31	5	80	85		
	Tehsil-Sanganer		Distt-Jaipur		State-Rajasthan		
100. 4856		I/22	2	3			
	Tehsil-Baharod		Distt-Alwar		State-Rajasthan		
101. 4864		II/50	2	441	431		
102. 4865		I/50	2	616	646		
103. 4866		I/1	1	--	Jaguwas-211		
104. „		II/9	4	44	04		
105. „		II/26	5	77	76		
106. „		II/28	2	1126	1326		
107. 4868		I/63	2	138/339	188/339		
108. 4869		I/33	5	83	84		
109. 4870		I/1	1	—	Kunkar-353		
110. „		I/19	2	5/1	572		
111. „		I/34	2	893	892		
112. „		I/44	2	914	924		

[No. O-31015/6/88-OR-I]

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1989

का. घा. 1270.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में जाकसू से हरियाणा राज्य में बहोली (करनाल) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन(ए) इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावत्र अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणव्य एतद्द्वारा धोवित किया है।

बशर्त कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के भीले पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सज्जन अधिकारी, इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड पाइपलाइन्स 230, सुभाष नगर, रोहतक को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति, निर्मांडष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी बिधि व्यवसायी की मति।

[सं. O-31015/6/88ओ. धार. -I]

तहसील-रेवाड़ी		अनुसूची	जिला-महेन्द्रगढ़		राज्य-हरियाणा	
क्र. सं.	नाम गांव	हदबस्त नम्बर	(मुस्तील नं.) किला नं.	क्षेत्रफल	हैक्टेयर	आर वस' मीटर
1.	घोलियाका	58	(8) 6	—	03	29
		7	—	—	03	29
		14	—	—	13	91
		17	—	—	02	78
		18	—	—	10	88
		22	—	—	03	29
		23/1	—	—	01	01
		23/2	—	—	09	11
		(16)	—	—	—	—
		15	—	—	—	76
		18	—	—	11	63
		24	—	—	04	81
		25	—	—	07	84
		(17)	—	—	—	—
		2/1	—	—	02	02
		2/2	—	—	10	88
		9	—	—	05	31
		10	—	—	08	09
		11/1	—	—	10	88

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			11/2	—	01	52				(38)			
			20	—	01	01				3	—	13	15
			(21)							4	—	—	25
			3/3	—	—	—				8	—	6	58
			4	—	12	39				9	—	4	81
			7	—	2	53				12	—	13	15
			8	—	5	56				13	—	—	25
			12	—	2	78				19	—	4	05
			13	—	10	37				20/1	—	9	36
			18	—	—	—				21	—	11	13
			19/1	—	09	11							
			19/2	00	04	30				(65)			
			21	—	07	84							
			22	—	04	81				1	—	1	01
			(29)							(66)			
			5	—	—	76							
			6	—	11	89				5/1	—	4	05
			14	—	4	81				5/2	—	7	08
			15	—	7—	33				6	—	5	56
			17	—	13	15				(250)	—	1	52
			18	—	—	—				(254)	—	1	52
			23	—	11	13				(518)	—	—	51
			24	—	2	53				(550)	—	1	26
			(30)							(553)	—	1	26
			1	—	13	66							
			10	—	01	52				(3)			
			(34)				3. नरगलीगोधा	141		20	—	1	26
			2	—	03	29				(4)			
			3	—	10	62							
			9	—	13	66				16/1	—	5	82
			11	—	08	09				16/2	—	5	56
			12	—	05	31				24	—	1	52
			20	—	09	36				25	—	10	88
			21	—	—	51				(11)			
			(49)	—	02	28				4/1	—	1	26
			(50)	—	01	52				4/2	—	11	13
			(149)	—	—	51				7	—	6	58
			(174)	—	01	01				8	—	6	58
			(11)							13	—	13	15
2. भाडावास	145		21	—	1	52				18	—	3	04
			22/1	—	4	81				19	—	9	86
			22/2	—	5	82				(125)	—	1	52
			(30)							(6)			
			1/1	—	10	88				17	—	5	31
			1/2	—	2	02				18	—	10	12
			2/1	—	—	51				22	—	1	52
			10	—	8	09				23	—	11	38
			23	—	1	52				(12)			
			(31) 6	—	5	06				15	—	—	—
			15	—	10	62				(13)			
			17	—	08	35							
			24	—	11	69							
			26	—	2	78							
			(37)										
			25	—	—	76							

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
										14	--	05	06
		2	--	12	39				(46)	--	01	52	
		3	--	--	25				(108)	--	--	70	
		9	--	8	09		6	डालियाकी	133	(1)			
		10	--	5	82					24	--	02	28
		11	--	13	66					25		08	85
		20	--	--	76					(8)	--	--	--
		(49)	--	1	01					4	--	13	41
										7	--	8	60
5. टोट बालका	139	(18)								8	--	5	82
		19	--	--	25					12	--	--	25
		21	--	6	07					13	--	12	90
		22	--	6	32					18	--	1	77
										19	--	10	88
		(19)								22/1	--	1	52
										22/2	--	1	01
		1	--	13	91					(30)	--	1	26
		10	--	6	58		7.	हुसैनपुर	134	(2)			
		(20)								19	--	3	54
										22/1	--	10	37
		6	--	6	58					22/2	--	3	01
		14	--	--	25					(14)			
		15	--	13	66					15/1	--	05	06
		16	--	02	02					15/2	--	02	78
		17	--	11	13					16	--	12	65
		23	--	01	26					24	--	10	62
		24	--	10	88					25	--	01	26
										(15)			
		(32)								1/2	--	01	01
										2/3	--	03	54
		25	--	02	78					2	--	09	11
										15	--	13	41
		(33)								11	--	05	82
										(18)			
		3	--	13	15					3	--	02	02
		8	--	07	33					4	--	11	13
		9	--	06	32					7	--	00	25
		11	--	--	26					8/1	--	5	31
		12	--	13	15					(18)			
		19/2	--	01	77					8/2	--	07	59
		(33)								13/1	--	04	81
										19	--	02	78
		20	--	11	38					21	--	09	86
		21	--	10	88					(26)			
										5	--	--	51
		(35)								6/1	--	06	58
										6/2	--	08	35
										14/2	--	03	79
		1	--	--	--					15/1	--	09	36
		(36)								17	--	13	41
										23	--	08	09
										24	--	03	54
		5	--	13	41					(27)			
		6	--	5	56					1	--	09	61
		7	--	10	62					10/1	--	--	50

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			(33)										
			2/3	--	--	--				2/2	--	01	01
			3	--	13	15				9/1	--	05	56
			8/1	--	02	02				9/2	--	--	25
			(33)							9/3	--	05	57
			9/1	--	04	53				12	--	11	13
			9/2	--	06	83				19	--	11	38
			11	--	02	28				22	--	06	07
			12	--	10	88				(26)	--	05	56
			19	--	--	--				(42)			
			20	--	13	15				2	--	02	28
			21	--	07	08				3	--	03	29
			(34)							13	--	11	13
			25	--	06	32				18	--	02	53
			(38)							(303/2)	--	02	53
			4	--	--	--				(478)	--	08	85
			5	--	12	40			10. कान माजरा 126	(7)			
			6	--	01	26				19/1	--	01	77
			7	--	10	12				19/2	--	02	02
			13/2	--	--	25				22/2	--	08	09
			13/3	--	01	27				22/3	--	04	05
			17/1	--	--	25				(9)			
			18/1	--	04	81				2/2	--	11	13
			18/2	--	08	09				9/1	--	02	78
			18/3	--	--	25				9/2	--	08	35
			14	--	10	88				12	--	11	13
			22/1	--	02	01				19	--	11	13
			22/2	--	02	53				21	--	06	07
			23	--	07	84				22	--	07	08
			(46)							(15)			
			2	--	13	41				2	--	--	51
			9	--	04	81				10	--	09	61
			10/1	--	08	60				11	--	11	13
			11/1	--	02	28				20	--	11	13
			11/2	--	10	88				21/1	--	03	29
			20/2	--	01	01				21/2	--	03	29
			(47)							21/3	--	04	55
			15	--	--	25				(19)			
			16	--	12	65				1	--	11	13
			(60)	--	18	21				9/1	--	--	25
			(70)	--	01	26				9/3	--	--	76
			(73)	--	02	28				10/1	--	8	35
			(155)	--	02	02				10/2	--	01	52
			(163)	--	01	26				10/3	--	--	50
			(171)	--	01	26				10/4	--	--	25
			(1) 18	--	02	28				11	--	06	83
8. रामपुरा 132			ग-रास्ता	--	01	01				(29)	--	6	58
										(39)	--	01	01
9. कुतुबपुर मोपा 131			(22)						11. पान्थाबास 117	(7)			
			11	--	--	76				24/1	--	06	07
			12	--	--	76				24/2	--	03	04
			19	--	06	07				25	--	04	05
			20	--	03	04				(14) 4	--	11	38
			22	--	11	13				7	--	09	86
			(26)							8/1	--	01	26
			2/1	--	05	56				13	--	07	59



1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
		14	--	04	05					14/2	--	01	01
		17	--	--	51					15/1	--	06	83
		18	--	11	13					15/2	--	01	26
		23	--	11	12					16	--	03	54
		(17)								17	--	07	08
		3	--	10	12					24	--	11	13
		8	--	11	13					25	--	00	25
		13	--	11	13					(28)			
		18	--	10	12					4/1	--	04	30
		23	--	11	13					4/2	--	06	58
		(26)								7	--	11	13
		2	--	--	76					14/1	--	04	30
		3	--	10	62					14/2	--	06	83
		8	--	01	52					17/1	--	02	02
		9	--	--	50					17/2	--	04	55
		12	--	5	56					(42)	--	02	28
		(26)								(45)	--	01	52
		13/1	--	2	28					(208)	--	01	27
		13/2	--	01	26					(215)	--	01	01
		18	--	04	81					(221)	--	--	25
		26	--	08	09		13. फोफल गढ़	119		(21)			
		(40)	--	01	52					24	--	04	30
		(44)	--	03	03					(22)			
		(46)	--	01	77					3	--	09	61
		(186)	--	01	01					4	--	--	51
		(187)	--	01	01					8	--	08	85
		(188)	--	01	02					(44)			
										18	--	--	25
12. मुजपुर	116	(4)								22	--	09	61
		21	--	12	65					(46)			
		(12)								2	--	11	38
		6	--	--	76					9	--	11	13
		15/1	--	--	50					12	--	11	13
		15/2	--	03	04					19	--	11	13
		16/1	--	04	05					22	--	11	13
		16/2	--	03	03					(74)			
		25	--	11	13					1/3	--	01	26
		(13)								2	--	09	11
		1	--	06	07					9	--	06	07
		10	--	11	13					10	--	05	56
		11	--	07	08					11	--	08	60
		20	--	04	04				12/1	12/1	--	02	53
		21	--	--	25					20	--	10	12
		(17)								(201)	--	01	26
		5	--	10	88					18	--	01	77
		6	--	11	13					23	--	03	79
		15	--	06	58					(33)	--	01	01
		16	--	14	16					(65)	--	05	82
		25/1	--	08	35					(75)	--	02	02
		25/2	--	01	77					(81)	--	01	26
		(24)								(1)	--		
		4	--	01	77		16. लसाला	220		16	--	10	12
		5	--	08	34					25	--	11	13
		6/2	--	09	11					(8)			
		7	--	--	51					5	--	11	13
		14/1	--	04	30								

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			6	—	10	88				(39)			
			7	—	—	51				3/2	—	07	33
			14	—	06	07				3/3	—	04	05
			15	—	05	06				8	—	11	38
			17	—	11	13				9	—	—	—
			24	—	11	13				12	—	08	60
			(10)							13	—	07	34
			4	—	10	62				19	—	05	56
			7	—	11	13				20	—	06	07
			12	—	—	25				21	—	04	55
			13	—	14	67				(46)			
			14	—	03	79				4	—	08	60
			18	—	02	78				5	—	03	54
			19	—	13	66				6	—	—	25
			20	—	01	01				7	—	09	61
			21/1	—	—	51				14	—	11	64
			21/2	—	5	56				17	—	11	13
			22	—	03	54				24	—	11	13
			(21)							(56)			
			1	—	11	13				4	—	11	13
			10	—	11	38				7	—	11	13
			11	—	11	38				14	—	11	13
			20	—	7	08				17	—	09	11
			21	—	—	51				15	—	07	08
			(22)							16	—	01	77
			16	—	04	55				(106)	—	01	77
			25	—	10	88				(298)	—	01	01
			(23)										
			5/1	—	04	05	17. बीकानेर	221		(5)			
			5/2	—	05	56				10	—	05	56
			6	—	11	38				11	—	11	13
			14	—	02	78				20	—	11	13
14. भासपुर	114		(220)	—	02	53				21	—	11	12
			(221)	—	12	65				(11)			
			(222)	—	08	85				5	—	03	04
			(223)	—	15	18				6	—	09	10
			(224)	—	17	70				15	—	10	12
			(225)	—	17	70				(12)			
			(226)	—	06	32				1	—	04	05
15. गिन्दीबर	113		(18)							10/1	—	02	28
			16	—	02	32				(268)	—	01	01
			17	—	06	83				(2)			
			24	—	11	38	18. जेबपुर-	224		20	—	07	84
			(22) 4	—	11	38	शिकारपुर			(12)			
			7	—	11	38				16	—	02	53
			13	—	03	04				25	—	09	11
			14	—	08	60				(13)			
			17	—	02	02				1	—	11	13
			18	—	09	36				10	—	11	13
			23/1	—	01	28				11	—	10	62
			23/2	—	10	12				20	—	08	60
			(38)							21/1	—	02	53
			24	—	—	51				(20)			
			25	—	14	42				5	—	11	38
										6	—	11	38

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			15	—	11	13	10. मुस्ताफापुर	256	(3)				
			16	—	11	13			10	—	03	79	
			24/2	—	—	25			11	—	—	—	
			24/3	—	—	51			(4)				
			24/4	—	01	26			6	—	07	59	
			25	—	09	11			15/1	—	03	29	
			(26)						15/2	—	05	82	
			4	—	07	59			16	—	11	12	
			5	—	03	54			25	—	10	11	
			7	—	10	88			(5)				
			14	—	11	13			5	—	11	12	
			17/1	—	01	26			6	—	11	12	
			17/2	—	09	86			14	—	02	53	
			24	—	11	13			15	—	08	60	
			(32)						16	—	02	53	
			3	—	—	25			17	—	08	60	
			4	—	10	12			24/1	—	01	01	
			7/2	—	07	59			24/2	—	09	86	
			8	—	03	54			(16)				
			13	—	07	33			4/1	—	03	54	
			14/2	—	1	01			4/2	—	02	53	
			18	—	11	38			7	—	11	13	
			23	—	11	13			14	—	11	13	
			(36)						17	—	08	60	
			3	—	11	13			18	—	02	53	
			8	—	11	13			23	—	08	09	
			12	—	02	78			24	—	03	04	
			13/1	—	05	56			(19)				
			13/2	—	01	26			3	—	11	13	
			18	—	03	04			8	—	10	12	
			19	—	08	09			13	—	11	13	
			22/1	—	01	01			23	—	11	13	
			22/2	—	08	60			18	—	11	13	
			(42) 3	—	10	12			(34)				
			3/1	—	—	—			2	—	03	04	
			9	—	09	87			3	—	08	09	
			12	—	11	13			8	—	02	53	
			19	—	09	86			9	—	08	60	
			20	—	01	27			12	—	11	13	
			21	—	06	58			19	—	11	13	
			22	—	04	55			22	—	11	13	
			(46)						(39)				
			1/1	—	04	05			2	—	11	13	
			1/2	—	07	08			9	—	10	12	
			2	—	—	—			11/1	—	02	28	
			10/1	—	01	77			11/2	—	03	29	
			10/2	—	03	04			12	—	05	56	
			(62)						19	—	01	5	
			2	—	01	26			20	—	09	61	
			(57)	—	2	78			21	—	05	06	
			(80)	—	03	04			(61)	—	01	78	
			(82)	—	01	26			(223)	—	01	01	
			(244)	—	—	51			(227)	—	01	01	
			(253)	—	—	76							
			(254)	—	—	25							
			(351)	—	—	25							

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
20. ईदगाविलपुर	255	(7)								19/1	—	01	25
		18	—	—	25				19/2	—	—	51	
		19	—	08	60				22/1	—	02	78	
		22	—	11	13				22/2	—	04	81	
		(21) 2	—	10	62				23/1	—	02	77	
		9	—	11	13				23/2	—	01	52	
		12	—	11					(42)				
		19	—	10	87				2	—	10	88	
			—		13				9/1	—	04	30	
		20	—	04	55				3	—	—	25	
		21	—	04	56				9/2	—	06	83	
		22	—	06	58				12/1	—	07	84	
		(22)							12/2	—	03	29	
		1	—	10	12				19	—	11	13	
		2	—	01	26				21	—	—	—	
		10/1	—	10	12				22	—	11	13	
		11/1	—	—	76				(53) 1	—	03	54	
		11/2	—	10	13				2	—	07	56	
		20	—	11	13				9	—	01	26	
		21	—	09	86				10	—	08	09	
		(38)							11	—	08	85	
		1	—	—					20	—	11	13	
		(39)	—	—	74				21	—	07	33	
		5	—	10	12				(60)				
		(67)	—	01	26				1	—	11	13	
		(180)	—	01	01				10	—	11	13	
		(279)	—	01	01				11	—	07	08	
21. रोहगाँव	230	(11)							20	—	01	77	
		25	25	05	31				(61)				
		(12)							15	—	04	05	
		12/1	—	—	76				16/1	—	06	57	
		(14)							16/2	—	01	52	
		5	—	11	13				25	—	11	13	
		6	—	11	13				(70)				
		15	—	10	37				5	—	11	13	
		16	—	11	12				6	—	11	13	
		25	—	10	37				15	—	11	13	
		(23)							16	—	10	37	
		4	—	06	07				17	—	—	76	
		5	—	08	07				24	—	05	56	
		6	—	00	76				25	—	05	56	
		7	—	10	88				(83)				
		14	—	11	13				4	—	10	62	
		17	—	11	13				5	—	—	51	
		24	—	10	37				7	—	10	37	
		(26)							14	—	11	13	
		4	—	11	13				17	—	11	13	
		7	—	10	12				24	—	11	13	
		8	—	01	52				(90)				
		13	—	06	57				3	—	3	04	
		14	—	04	55				4	—	8	09	
		17	—	—	25				7	—	3	04	
		18	—	10	87				8	—	8	09	
		23	—	11	13				13	—	11	13	
		(37)							18	—	11	13	
		13	—	11	13								
		18	—	03	04								

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			23	—	11	13		24. पाल्हावास	236	(53)			
			(100)	—						(15)	—	02	28
			3	—	11	13				18/2	—	11	13
			8	—	10	37				25/1	—	11	13
			9	—	—	51				(63)			
			12	—	06	07				4	—	—	76
			13	—	05	06				5	—	—	—
			18	—	—	76				6	—	05	56
			(107)	—	06	07				7	—	05	56
			(114)	—	—	76				14	—	10	62
			(118)	—	01	52					—	—	51
			(560)	—	01	52				17	—	11	13
			(567)	—	—	76				24	—	11	13
			(593)	—	02	02				(78)			
			(609)	—	03	01				4	—	10	12
			(625)	—	—	51				7	—	11	13
2-. Bad Basota			(55)							13	—	01	01
			3	—	08	85				14/1	—	07	84
			8	—	11	13				23	—	10	88
			13	—	04	55				24/1	—	—	25
23. Rasulpur	234		(6)							(91)			
			22	—	01	26				3/1	—	03	54
			23/1	—	02	53				3/2	—	05	06
			(8)							8	—	09	35
			(2)	—	08	09				9	—	—	76
			3	—	02	53				13/1	—	01	26
			8	—	—	50				13/2	—	09	36
			9	—	10	88				18	—	11	13
			12	—	11	13				22	—	—	51
			19	—	10	12				23	—	04	05
			22	—	05	31				(121)	—	02	53
			(19)							(658)	—	—	51
			2	—	09	85				(661)	—	01	01
			9	—	09	11				(662)	—	01	01
			10/1	—	01	26				(667)	—	01	01
			10/2	—	01	01							
			11/1	—	03	54		25. भाग	238	(13)			
			11/2	—	04	81				16	—	—	—
			20	—	11	13				25	—	02	53
			21	—	11	13				(14)			
			(22)							10	—	09	86
			1	—	11	13				11	—	11	13
			10	—	11	13				20	—	10	88
			11/1	—	10	88				21	—	08	60
			20/2	—	06	83				(15)			
			21/1	—	01	77				1/1	—	—	76
			(23)							1/2	—	—	51
			15	—	—	25				(16)			
			16	—	04	05				5/1	—	02	53
			25	—	03	55				5/2	—	06	07
			(33)	—	01	77				6	—	10	37
			(43)	—	01	26				15	—	07	59
			(67)	—	04	55							
			(135)	—	03	79							

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
26. पहराजबास	239	(20)								7/1	—	09	61
		7	—	07	84					7/2	—	01	52
		14/1	—	08	35					13	—	01	20
		14/2	—	02	78					14	—	09	88
		24	—	11	13					17/1	—	03	05
		(21)								17/2	—	01	01
		4	—	11	13					18/1	—	03	54
		7	—	07	08					18/2	—	03	54
		8	—	04	05					23/2	—	04	55
		13	—	11	13					23/1	—	06	58
		18	—	11	13					24/1	—	—	25
		23	—	11	13					(145)			
		(36)								3	—	11	13
		3/1	—	06	58					8	—	11	13
		3/2	—	03	04					13	—	04	56
		8	—	08	85					18	—	02	02
		9	—	02	53					23/1	—	02	02
		12	—	09	11					23/2	—	07	34
		13/1	—	01	26					(151)			
		13/2	—	—	76					2	—	10	37
		19	—	08	09					3	—	01	01
		22	—	12	39					9	—	11	13
		(37)								12	—	11	38
		2	—	11	13					19	—	11	38
		9	—	11	13					22	—	11	13
		11	—	01	77					(177)			
		12	—	09	36					1	—	05	06
		19	—	04	05					2	—	06	07
		20	—	07	08					9/2	—	—	76
		21	—	10	88					10	—	10	37
		22	—	—	25					11	—	11	38
		(45)								20	—	11	38
		1	—	01	26					21/1	—	03	04
		2	—	02	53					21/2	—	08	09
		(58)	—	01	77					(183)			
		(62)	—	01	77					5/1	—	—	51
		(101)	—	08	60					6/1	—	08	10
										15/2	—	10	62
										15/3	—	—	70
										16	—	11	38
										25	—	11	38
										(184)			
										1/1	—	06	07
										1/2	—	01	52
										10/2	—	03	04
										(204)			
										4	—	01	77
										5	—	12	39
										(244)	—	01	26
										(245)	—	02	53
										(248)	—	—	50
										(253)	—	—	25
										(874)	—	01	01
										(883)	—	03	54
										(920)	—	12	90
27. गुराबडा	245	(51)											
		18	18	—	25								
		23	—	01	77								
		(111)											
		5/2	—	04	30								
		6	—	07	58								
		7	—	03	54								
		14/1	—	07	08								
		14/2	—	02	28								
		15/1	—	01	52								
		17	—	11	38								
		24/1	—	09	11								
		24/2	—	02	02								
		(114)											
		4/1	—	04	55								
		4/2	—	05	31								

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
28. हस्ताक्षर	240	(9)					28 हस्ताक्षर (आरी)		11/2	--		01	52
		19/2	--	09	86			20	--		10	12	
		21	--	04	30			21	--		09	36	
		22	--	06	83			26	--		06	83	
		(10)						(50)					
		1/2	--	10	88			10	--		03	54	
		2	--	--	25			10/1	--		--	--	
		10	--	11	13			(51)					
		11	--	11	13			5	--		07	84	
		20/2	--	03	79			6	--		11	13	
		(11)						15	--		11	12	
		16	--	06	58			16	--		11	13	
		25/1	--	03	54			25	--		11	13	
		25/2	--	03	79			(62)					
		(22)						4	--		07	08	
		5	--	10	12			(101)	--		03	54	
		6/1	--	05	31			(110)	--		01	52	
		6/2	--	04	81			(111)	--		01	51	
		7/2	--	01	52			(112)	--		01	52	
		14	--	09	86			(264)	--		01	01	
		15	--	01	26			(270)	--		03	54	
		17	--	11	64			(271)	--		01	01	
		24	--	10	62			(290)	--		01	01	
								(291)	--		02	78	
								(294)	--		01	02	
								(297)	--		02	28	
		(25)					29. गान्धारी	(26)					
		3	--	--	25			8	--		--	25	
		4	--	08	85			12	--		08	60	
		7	--	--	76		30. कान्हीप	241	(10)				
		8	--	10	62			16	--		10	88	
		13	--	10	12			24	--		09	61	
		18	--	11	13			(14)					
		23	--	11	13			4	--		04	55	
		(36)						5/1	--		02	78	
		3	--	11	13			5/2	--		03	04	
		8	--	08	09			6/3	--		--	--	
		9	--	01	77			7/1	--		02	78	
		12	--	06	32			7/2	--		05	56	
		13	--	02	53			14	--		11	13	
		19	--	10	62			17	--		11	12	
		22	--	07	58			23	--		01	77	
		(38)						24	--		01	26	
		2	--	11	13			(28)					
		9	--	11	13			3	--		08	35	
		11	--	--	26			4	--		01	77	
		12	--	09	86			8	--		10	12	
		19	--	06	58			13	--		11	13	
		20	--	04	55			18	--		11	13	
		21/1	--	03	29			22	--		02	53	
		21/2	--	04	56			23	--		08	60	
		22	--	00	51			(30)	--				
		(48)						2	--		08	09	
		1	--	04	30			3	--		03	04	
		10	--	11	13								
		11/1	--	08	09								

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
30. कन्होरा		9 (271)	-- ---	-- ---	11 07	38 34	31. कानोरी		(126) (483) (485) (495) (498)	-- -- -- -- --	-- -- -- -- --	04 01 01 01 02	05 01 01 01 38
31. कानोरी	242	(16)					1. कन्होरा	50	(4)				
		6	--	--	02	02			12		0	1	77
		15	--	--	02	78			18		0	1	27
		16	--	--	08	60			19		0	14	16
		25	--	--	11	13			21		0	10	12
		(17)							22		0	3	54
		10	--	--	06	07			(9)				
		11	--	--	08	60			5/2		0	0	25
		20	--	--	02	53			14		0	03	04
		(20)							17		0	12	39
		5/1	--	--	02	28			18		0	05	06
		5/2	--	--	07	84			23		0	13	66
		6	--	--	11	13			(10)				
		15	--	--	10	12			1/1		0	06	07
		16	--	--	08	09			1/2		0	02	53
		17	--	--	03	04			(25)				
		24	--	--	09	61			2		0	08	95
		25	--	--	01	52			3		0	04	80
		(34)							9		0	12	14
		4	--	--	11	13			10		0	01	01
		7	--	--	10	12			11		0	13	15
		13	--	--	07	33			12/1		0	00	26
		14	--	--	03	79			20		0	07	08
		18/1	--	--	--	25			(26)				
		18/2	--	--	10	88			16/1		0	06	07
		23/1	--	--	07	33			16/2		0	00	25
		(41)							24/1		0	00	25
		2	--	--	09	11			25		0	12	39
		3/1	--	--	02	28			(29)				
		9/1	--	--	01	77			4		0	11	89
		9/2	--	--	09	36			5/1		0	01	27
		(41)							7/2		0	08	35
		12/1	--	--	08	35			8		0	05	31
		12/2	--	--	01	77			12		0	00	00
		19	--	--	11	13			13		0	13	41
		21/2	--	--	01	26			(29)				
		22	--	--	09	86			18		0	02	28
		(56)							19		0	11	38
		1/1	--	--	04	55			21		0	04	55
		1/2	--	--	03	29			22		0	09	61
		2/1	--	--	03	54			(50)				
		10	--	--	10	12			1		0	13	66
		11/2	--	--	11	13			10		0	03	29
		20/2	--	--	11	13			(51)				
		21	--	--	10	12			06		0	10	12
		(60)							14		0	01	52
		1	--	--	05	56			15		0	11	64
		(61) 5/2	--	--	06	58							
		6/1	--	--	04	81							
		6/2	--	--	04	05							
		15	--	--	12	14							
		(84/2)	--	--	96	32							



1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	7
1. खरीदा		16	0	00	25	2. टीकरी			17/1	0	08	60
		17	0	11	63				37/3	0	03	29
		23	0	06	58				18	0	00	51
		24	0	07	33				23	0	11	63
		(53)							24	0	01	52
		25	0	09	36				(34)			
		(54)							1	0	07	34
		2	0	00	25				(39)			
		3/1	0	10	12				2	0	03	04
		3/2	0	01	52				3	0	10	12
		8	0	00	51				8	0	00	00
		9/1	0	05	82				9	0	13	40
		9/2	0	04	30				11	0	07	08
		11	0	03	79				12	0	06	32
		12/1	0	07	08				20	0	13	15
		12/2	0	05	06				21/1	0	02	02
		20	0	13	66				(40)			
		21	0	04	30				16/1	0	00	25
		(27)							26/1	0	00	26
		4	0	01	26				25/2	0	08	85
		5	0	11	89				(51)			
		6	0	00	25	48			4/1	0	00	25
		7	0	04	30				4/2	0	03	54
		(81/10)	0	29	59				5	0	08	10
		(89)	0	01	77				6	0	00	26
		(92)	0	01	77				7	0	13	15
		(532)	0	00	25				13	0	05	57
		(545)	0	01	01				14	0	06	32
		(562)	0	03	54				18/1	0	04	05
2. टीकरी	48	(19)							18/2	0	08	85
		15	0	09	10				19	0	00	00
		16	0	12	14				22	0	10	37
		17	0	01	26				23	0	02	78
		24	0	12	39				(81)			
		25	0	00	51				2	0	08	85
		(20)							11	0	06	07
		10	0	09	61				(82)			
		11	0	03	54				15	0	05	57
		(22)							16/1	0	04	55
		3	0	04	55				16/2	0	07	34
		4	0	07	08				24/1	0	00	25
		8	0	13	41				24/2	0	08	85
		12	0	08	60				25/11	0	02	02
		13	0	04	81				25/1/2	0	02	02
		19	0	12	65				(73)			
		20	0	00	76				3/2	0	02	53
		21	0	11	13				4	0	11	13
		22	0	01	01				7	0	00	25
		(33)							8/1	0	12	65
		5/2	0	04	05				12	0	06	07
		6	0	13	41				13	0	06	58
		14/2	0	00	51				19/1	0	00	51
		14/3	0	07	58				19/2	0	08	60
		18/1	0	02	53				21/2	0	09	61
		15/2	0	01	01				22	0	01	77
		15/3	0	02	03							

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
2. टोकरी	(87)					4. भारण	6/2		00	01	01
1		0	05	06			15		00	12	65
(88)							16		00	13	41
6		0	10	88			17		00	05	31
7		0	01	77			23/2		00	00	25
14		0	13	15			24/1		00	10	62
15		0	00	25			24/2		00	03	29
17		0	03	79			(11)				
18/1		0	10	88			1		00	08	85
22		0	06	32			2/1		00	05	08
(88)							10		00	10	12
23		0	08	34			11		00	01	01
26		0	00	51			(15)				
(91)							3/1		00	01	51
(13)		0	04	82			3/2		00	10	87
(92)							4		00	02	28
1		0	01	26			8		00	10	37
2		0	13	90			9		00	03	04
9		0	00	51			12		00	13	41
10/1		0	06	58			13/1		00	00	00
10/2		0	06	83			19		00	05	06
11		0	05	31			20		00	08	60
(133)		0	06	58			21		00	11	89
(136)		0	18	46			(16)				
(139)		0	01	52			25		00	01	52
(144)		0	03	03			(20)				
(146)		0	01	52			5		00	12	14
(147)		0	01	77			6		00	07	33
(148)		0	01	51			7		00	06	32
(150/1)		0	01	77			13		00	00	25
(287)		0	01	51			14		00	13	15
(288)		0	01	26			17/1		00	02	02
(292)		0	04	05			18/1		00	03	04
(294)		0	02	53			18/2		00	07	33
(197/1)		0	01	52			22/2		00	04	30
(297/2)		0	02	78			23		00	09	86
							(21)				
3. नरसिंहपुरगढ़ी 8	(2)						1		00	00	25
13/2		0	07	59			(25)				
18		0	11	64			2/1		00	00	76
19		0	00	76			2/2		00	10	12
22		0	12	65			9		00	00	25
23/1		0	00	51			10		00	10	62
23/2		0	00	00			11		00	11	64
(8)							20/2		00	00	25
1/2		0	04	55			(26)				
2		0	09	61			15		00	02	02
9		0	01	77			16		00	11	64
(177)		0	01	26			(33)				
4. भारण	(4) 13	00	12	14			03		00	00	51
14		00	03	54			4		00	13	15
18		10	10	12			7		00	01	77
19		00	03	29			8/1		00	07	84
22		00	13	15			8/2		00	04	05
23/1		00	00	00			12		00	03	79
(10)											

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		13	00	09	38			10	00	00	76
		18/1	00	02	78			(14)			
		19/2	00	05	56			5	00	01	52
		21/2		09	86			6	00	13	40
		22	00	02	28			14	00	05	56
		(40)						15	00	06	57
		1/1	00	08	60			17	00	13	40
		1/2	00	00	25			18	00	00	25
		(41)						23/1	00	11	38
		5/2	00	00	00			24	00	02	02
		6	00	10	37			(22)			
		14	00	06	58			18/1	00	01	27
		15	00	07	08			25/1	00	08	85
		17	00	12	39			25/2	00	02	78
		18	00	00	25			(23)			
		23	00	11	88			2	00	04	05
		24	00	02	02			3/1	00	08	35
		26	00	05	31			3/2	00	00	25
		(45)						(23)/9	00	13	66
		16	00	01	01			11		09	10
		25	00	12	64			12	00	04	55
		(46)						20	00	13	39
		2/2/1	00	02	78			21	00	00	76
		2/2/2	00	03	04			(28)			
		3/1	00	08	60			4	00	06	32
		9/1	00	08	60			5	00	07	34
		9/2	00	01	01			7	00	12	14
		11	00	09	86			(38)	00	01	52
		12	00	04	04			(39)	00	01	77
7		(48)						(93)	00	01	26
		20	00	12	14			(52)			
		21	00	00	75	6	भबरना	3/2	00	00	76
		(58)						4	00	10	88
		04	00	04	55			7	00	01	77
		05	00	09	14			8	00	11	89
		07	00	13	40			12	00	04	05
		13	00	01	77			13/1	00	09	86
		14	00	03	79			19	00	13	76
		(151)	00	13	66			21/1	00	05	31
		(157)	00	02	53			21/2	00	04	30
		(163)	00	01	77			22	00	04	30
		(164)	00	04	30			(56)			
		(165)	00	01	52			1	00	08	09
		(167)	00	01	77			(71)	00	01	01
		(168)	00	03	52						
		(169)	00	01	52						
		(183)	00	04	55	7	पीरगपुरा	(16) 16/2	00	03	29
		(189/1)	00	00	51			25	00	13	41
		(189/2)	00	00	25			(17)			
		(510)	00	00	25			9	00	06	83
		(513)	00	02	02			11/1	00	00	00
		(524)	00	01	01			11/2	00	09	86
								12	00	03	79
8 बीरवाल	5	(13)						20/1	00	07	33
		1	00	03	04						

Name of Village	Hadbast No.	(Mustateel No.)	Area		
			Hec- tare	Are	Centi- tiare
1	2	3	4	5	6
1. Goliyaka	58	(8)6	---	03	29
		7	.	03	29
		14	---	13	91
		17	---	02	78
		18	---	10	88
		22	---	03	29
		23/1	---	01	01
		23/2	---	09	11
		(16)			
		15	---	---	76
		16	---	11	63
		24	---	04	81
		25	---	07	84
		(17)			
		2/1	---	02	0 2
		2/2	---	10	88

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		9	—	05	31			20/1	—	9	36
		10	—	08	09			21	—	11	13
		11/1	—	10	88			(65)			
		11/2	—	01	52			1	—	1	01
		20	—	01	01			(66)			
		(21)						5/1	—	4	05
		3/3	—	—	—			5/2	—	7	08
		4	—	12	39			6	—	5	56
		7	—	2	53			(250)	—	1	52
		8	—	5	56			(254)	—	1	52
		12	—	2	78			(518)	—	—	51
		13	—	10	37			(550)	—	1	26
		18	—	—	—			(553)	—	1	26
		19/1	—	09	11						
		19/2	—	04	30	3. Nagali Godha	141	(3)			
		21	—	07	84			20	—	1	26
		22	—	04	81			(4)			
		(29)						16/1	—	5	82
		5	—	—	76			16/2	—	5	56
		6	—	11	89			24	—	1	52
		14	—	4	81			25	—	10	88
		15	—	7	33			(11)			
		17	—	13	15			4/1	—	1	26
		18	—	—	—			4/2	—	11	13
		23	—	11	13			7	—	6	58
		24	—	2	53			8	—	6	58
		(30)						13	—	13	15
		1	—	13	66			18	—	3	04
		10	—	01	52			19	—	9	86
		(34)						(125)	—	1	52
		2	—	03	29						
		3	—	10	62	4. Dan Alampur	140	(6)			
		9	—	13	66			17	—	5	31
		11	—	06	09			18	—	10	12
		12	—	05	31			22	—	1	52
		20	—	09	86			23	—	11	38
		21	—	—	51			(12)			
		(49)	—	02	28			15	—	—	—
		(50)	—	01	52			(13)			
		(149)	—	—	51			2	—	12	39
		(174)	—	01	01			3	—	—	25
								9	—	8	09
2. Bharawas	145	(11)	—					10	—	5	82
		21	—	1	52			11	—	13	66
		22/1	—	4	81			20	—	—	76
		22/2	—	5	82			(49)	—	1	01
		(30)									
		1/1	—	10	88	5. Thothwarka	139	(18)			
		1/2	—	2	02			19	—	—	25
		2/1	—	—	51			21	—	6	07
		10	—	8	09			22	—	6	32
		23	—	1	52			(19)			
		(31)6	—	5	06			1	—	13	91
		15	—	10	62			10	—	6	58
		17	—	08	35			(20)			
		24	—	11	89			6	—	6	58
		26	—	2	78			14	—	—	25
		(37)						15	—	13	66
		25	—	—	76			16	—	02	02
		(38)						17	—	11	13
		3	—	13	15			23	—	01	26
		4	—	—	25			24	—	10	88
		8	—	6	58			(32)			
		9	—	4	81			25	—	02	78
		12	—	13	15			(33)			
		13	—	—	25			3	—	13	15
		19	—	4	05			8	—	07	33

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		9	---	06	32			(27)			
		11	---	---	26			1	---	09	61
		12	---	13	15			10/1	---	---	50
		19/2	---	01	77			(33)			
		(33)						2/3	---	---	---
		20	---	11	38			3	---	13	15
		21	---	10	88			8/1	---	02	02
		(35)						(33)			
		1	---	---	---			9/1	---	04	55
		(36)						9/2	---	06	83
		5	---	13	41			11	---	02	28
		6	---	5	56			12	---	10	88
		7	---	10	62			19	---	---	---
		14	---	05	06			20	---	13	15
		(46)	---	01	52			21	---	07	08
		(108)	---	---	76			(34)			
6. Daliyaki	133	(1)						25	---	06	32
		24	---	02	28			(38)			
		25	---	08	85			4	---	---	---
		(8)	4	---	13			5	---	12	40
		4	---	13	41			6	---	01	26
		7	---	8	60			7	---	10	12
		8	---	5	82			13/2	---	---	25
		12	---	---	25			13/3	---	01	27
		13	---	12	90			17/1	---	---	25
		18	---	1	77			18/1	---	04	81
		19	---	10	88			18/2	---	08	09
		22/1	---	1	52			18/3	---	---	25
		22/2	---	1	01			14	---	10	88
		(30)	---	1	26			22/1	---	01	01
								22/2	---	02	53
								23	---	07	84
7. Husainpur	134	(2)						(46)			
		19	---	3	54			2	---	13	41
		22/1	---	10	37			9	---	04	81
		22/2	---	3	04			10/1	---	08	60
		(14)						11/1	---	02	28
		15/1	---	05	06			11/2	---	10	38
		15/2	---	02	78			20/2	---	01	01
		16	---	12	65			(47)			
		24	---	10	62			15	---	---	25
		25	---	01	26			16	---	12	65
		(15)						(60)	---	18	21
		1/2	---	01	01			(70)	---	01	26
		2/3	---	03	54			(73)	---	02	28
		2	---	09	11			(155)	---	02	02
		10	---	13	41			(163)	---	01	26
		11	---	05	82			(171)	---	01	26
		(18)						(1)	---	02	28
		3	---	02	02	8. Rampura	132	C-Path	---	01	01
		4	---	11	13			(22)			
		7	---	---	25	9. Kutubpur Mola	131				
		8/1	---	5	31			11	---	---	76
		(18)						12	---	---	76
		8/2	---	07	59			19	---	06	07
		13/1	---	04	81			20	---	03	04
		19	---	02	78			22	---	11	13
		21	---	09	86			(26)			
		(26)						2/2	---	05	56
		5	---	---	51			2/2	---	01	01
		6/1	---	06	58			9/1	---	05	56
		6/2	---	08	35			9/2	---	---	25
		14/2	---	03	79			9/3	---	05	57
		15/1	---	09	36			12	---	11	13
		17	---	13	41			19	---	11	38
		23	---	08	09			22	---	06	07
		24	---	03	54						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		(26)	--	05	56			(26)			
		(42)						13/1	--	2	28
		2		02	28			13/2	-	01	26
		3		03	29			18	--	04	81
		13		11	13			26	--	08	09
		18		02	53			(40)	--	01	52
		(303/2)		02	53			(44)	--	03	03
		(478)		08	85			(46)	--	01	77
								(186)	--	01	01
								(187)	--	01	01
								(188)	--	01	02
10. Kan Majara	126	(7)				12. Bhudpur	116	(4)			
		19/1	-	01	77			21		12	65
		19/2	--	02	02			(12)			
		22/2	--	08	09			6	--	-	76
		22/3	--	04	05			15/1	--	--	50
		(9)						15/2	--	03	04
		2/2	--	11	13			16/1	--	04	05
		9/1	-	02	78			16/2	-	03	03
		9/2	-	08	35			25	--	11	13
		12	-	11	13			(13)			
		19	--	11	13			1	--	06	07
		21	--	06	07			10	--	11	13
		22	--	07	08			11	-	07	08
		(15)						20	--	04	04
		2	--	--	51			21	--	--	25
		10	--	09	61			(17)			
		11	--	11	13			5	-	10	88
		20	--	11	13			6	--	11	13
		21/1	--	03	29			15	--	06	58
		21/2	--	03	29			16	-	14	16
		21/3	--	04	55			25 1	--	08	35
		(19)						25/2	--	01	77
		1	--	11	13			(24)			
		9/1	--	--	25			4	--	01	77
		9/3	--	--	76			5	-	08	34
		10/1	--	8	35			6/2	--	09	11
		10/2	--	01	52			7	-	--	51
		10/3	--	--	50			14/1	--	04	30
		10/4	--	--	25			14/2	--	01	01
		11	--	06	83			15/1	--	06	83
		(29)	--	6	58			15/2	--	01	26
		(39)	--	01	01			16		03	54
11. Chandawas	117	(7)						17	--	07	08
		24/1	--	06	07			24	--	11	13
		24/2	--	03	04			25	--	--	25
		25	--	04	05			(28)			
		(14)4	--	11	38			4/1	-	04	30
		7	--	09	86			4/2	--	06	58
		8/1	-	01	26			7	--	11	13
		13	--	07	59			14/1	--	04	30
		14	--	04	05			14/2	--	06	83
		17	--	--	51			17/1		02	02
		18	--	11	13			17/2	--	04	55
		23	--	11	12			(42)		02	28
		(17)						(45)	-	01	52
		3	--	10	12			(208)	-	01	27
		8	-	11	13			(215)	--	01	01
		13	--	11	13			(221)	--	--	25
		18	--	10	12						
		23	-	11	13	13. Gokulgarh	119	(21)			
		(26)						24	-	04	30
		2	--	--	76			(22)			
		3	--	10	62			3	-	09	61
		8	--	01	52			4	--	--	51
		9	-	--	50			8	--	08	85
		12	-	5	56			(44)			

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		18	-	-	25			23	-	03	79
		22	-	09	61			(33)	-	01	01
		(46)						(65)	-	05	82
		2	-	11	38			(75)	-	02	02
		9	-	11	13			(81)	-	01	25
		12	-	11	13						
		19	-	11	13	16. Lasania	220	(1)			
		22	-	11	13			16	-	10	12
		(74)						25	-	11	13
		1/3	-	01	26			(8)			
		2	-	09	11			5	-	11	13
		9	-	06	07			6	-	10	88
		10	-	05	56			7	-	-	51
		11	-	08	60			14	-	06	07
		12/1	-	02	53			15	-	05	06
		20	-	10	12			17	-	11	13
		(201)	-	01	26			24	-	11	13
								(10)			
14. Ashpur	114	(220)	-	02	53			4	-	10	62
		(221)	-	12	65			7	-	11	13
		(222)	-	08	85			12	-	-	25
		(223)	-	15	18			13	-	14	67
		(224)	-	17	70			14	-	03	79
		(225)	-	17	70			18	-	02	78
		(226)	-	06	32			19	-	13	66
								20	-	01	01
15. Gindhokhar	113	(18)						21/1	-	-	51
		16	-	02	28			21/2	-	5	56
		17	-	06	83			22	-	03	54
		24	-	11	38			(21)			
		(22)						1	-	11	13
		4	-	11	38			10	-	11	38
		7	-	11	38			11	-	11	38
		13	-	03	04			20	-	7	08
		14	-	08	60			21	-	-	51
		17	-	02	02			(22)			
		18	-	09	36			16	-	04	55
		23/1	-	01	26			25	-	10	88
		23/2	-	10	12			(23)			
		(38)						5/1	-	04	05
		24	-	-	51			5/2	-	05	56
		25	-	14	42			6	-	11	38
		(39)						14	-	02	78
		3/2	-	07	33			15	-	07	08
		3/3	-	04	05			16	-	01	77
		8	-	11	38			(106)	-	01	77
		9	-	-	-			(298)	-	01	01
		12	-	08	60						
		13	-	07	34			(5)			
		19	-	03	56	17. Bikaner	221	10	-	05	56
		20	-	06	07			11	-	11	13
		21	-	04	55			20	-	11	13
		(46)						21	-	11	12
		4	-	08	60			(11)			
		5	-	03	54			5	-	03	04
		6	-	-	25			6	-	09	10
		7	-	09	61			15	-	10	12
		14	-	11	64			(12)			
		17	-	11	13			1	-	04	05
		24	-	11	13			10/1	-	02	28
		(56)						(268)	-	01	01
		4	-	11	13			(2)			
		7	-	11	13	18. Shekhpur- Shikarpur	224				
		14	-	11	13			20	-	07	84
		17	-	09	11			(12)			
		18	-	01	77			16	-	02	53



1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		25	---	09	11						
		(13)				19. Mustafapur	256	(3)			
		1	---	11	13			10	---	03	79
		10	---	11	13			11	---	---	---
		11	---	10	62			(4)			
		20	---	08	60			6	---	07	59
		21/1	---	02	53			15/1	---	03	29
		(20)						15/2	---	05	82
		5	---	11	38			16	---	11	12
		6	---	11	38			25	---	10	11
		15	---	11	13			(5)			
		16	---	11	13			5	---	11	12
		24/2	---	---	25			6	---	11	12
		24/3	---	---	51			14	---	02	53
		24/4	---	01	26			15	---	08	60
		25	---	09	11			16	---	02	53
		(26)						17	---	08	60
		4	---	07	59			24/1	---	01	01
		5	---	03	54			24/2	---	09	86
		7	---	10	88			(16)			
		14	---	11	13			4/1	---	03	54
		17/1	---	01	26			4/2	---	02	53
		17/2	---	09	86			7	---	11	13
		24	---	11	13			14	---	11	13
		(32)						17	---	08	60
		3	---	---	25			18	---	02	53
		4	---	10	12			23	---	08	09
		7/2	---	07	59			24	---	03	04
		8	---	03	54			(19)			
		13	---	07	33			3	---	11	13
		14/2	---	1	01			8	---	10	12
		18	---	11	38			13	---	11	13
		23	---	11	13			18	---	11	13
		(36)						23	---	11	13
		3	---	11	13			(34)			
		8	---	11	13			2	---	03	04
		12	---	02	78			3	---	08	09
		13/1	---	05	56			8	---	02	53
		13/2	---	01	26			9	---	08	60
		18	---	03	04			12	---	11	13
		19	---	08	09			19	---	11	13
		22/1	---	01	01			22	---	11	13
		22/2	---	08	60			(39)			
		(42) 2	---	10	12			2	---	11	13
		3/1	---	---	---			9	---	10	12
		9	---	09	87			11/1	---	02	28
		12	---	11	13			11/2	---	03	29
		19	---	09	86			12	---	05	56
		20	---	01	27			19	---	01	52
		21	---	06	58			20	---	09	61
		22	---	04	55			21	---	05	06
		(46)						(61)	---	01	78
		1/1	---	04	05			(223)	---	01	01
		1/2	---	07	08			(227)	---	01	01
		2	---	---	---						
		10/1	---	01	77						
		10/2	---	03	04						
		(62)									
		2	---	01	26						
		(37)	---	2	78						
		(60)	---	03	04						
		(62)	---	01	26						
		(244)	---	---	51						
		(253)	---	---	76						
		(254)	---	---	25						
		(351)	---	---	25						
						20. Tehannadiyalpur 255		(7)			
								18	---	---	25
								19	---	08	60
								22	---	11	13
								(21)2	---	10	62
								9	---	11	13
								12	---	11	13
								19	---	10	87
								20	---	04	53
								21	---	04	56
								22	---	06	58
								(22)			
								1	---	10	12

[illegible]

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		(19)						11		11	13
		2		09	85			20		10	88
		9		09	11			21		00	60
		10/1		01	26			(15)			
		10/2		01	01			1/1			76
		11/1		03	54			1/2			51
		11/2		04	81			(16)			
		20		11	13			5/1		02	53
		21		11	13			5/2		06	07
		(22)						6		10	37
		1		11	13			15		07	69
		10		11	13						
		11/1		10	88	26. Pahrajwas	239	(20)			
		20/2		06	83			7		07	84
		21/1		01	77			14/1		08	35
		(23)						14/2		02	78
		15			25			24		11	13
		16		04	05			(21)			
		25		03	55			4		11	13
		(33)		01	77			7		07	08
		(43)		01	26			8		04	05
		(67)		04	55			13		11	13
		(135)		03	79			18		11	13
24. Palhawas	236	(53)						23		11	13
		15		02	26			(36)			
		16/2		11	13			3/1		06	58
		25/1		11	13			3/2		03	04
		(63)						8		08	85
		4			76			9		02	53
		5						12		09	11
		6		05	56			13/1		01	26
		7		05	56			13/2			76
		14		10	62			19		08	09
		15			51			22		12	39
		17		11	13			(37)			
		24		11	13			2		11	13
		(78)						9		11	13
		4		10	12			11		01	77
		7		11	13			12		09	36
		13		01	01			19		04	05
		14/1		07	84			20		07	08
		23		10	88			21		10	88
		24/1			25			22			25
		(91)						(45)			
		3/1		03	54			1		01	26
		3/2		05	06			2		02	53
		8		09	35			(58)		01	77
		9			76			(62)		01	77
		13/1		01	26			(101)		08	60
		13/2		09	36	27. Guravada	245	(51)			
		18		11	13			18			25
		22			51			23		01	77
		23		04	05			(111)			
		(121)		02	53			5/2		04	30
		(658)			51			6		07	58
		(661)		01	01			7		03	54
		(662)		01	01			14/1		07	08
		(667)		01	01			14/2		02	28
25. Chang	238	(13)						15/1		01	52
		16						17		11	38
		25		02	53			24/1		09	11
		(14)						24/2		02	02
		10		09	86			(114)			
								4/1		04	55

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		4/2	—	05	31			20/2	—	03	79
		7/1	—	09	61			(11)			
		7/2	—	01	52			16	—	06	58
		13	—	01	26			25/1	—	03	54
		14	—	09	86			25/2	—	03	79
		17/1	—	03	05			(22)			
		17/2	—	01	01			5	—	10	12
		18/1	—	03	54			6/1	—	05	31
		18/2	—	03	54			6/2	—	04	81
		23/1	—	06	58			7/2	—	01	52
		23/2	—	04	55			14	—	09	86
		24/1	—	—	25			15	—	01	26
		(145)						17	—	11	64
		3	—	11	13			24	—	10	62
		8	—	11	13			(25)			
		13	—	04	56			3	—	—	25
		18	—	02	02			4	—	08	85
		23/1	—	02	02			7	—	—	76
		23/2	—	07	34			8	—	10	62
		(151)						13	—	10	12
		2	—	10	37			18	—	11	13
		3	—	01	01			23	—	11	13
		9	—	11	13			(36)			
		12	—	11	38			3	—	11	13
		19	—	11	38			8	—	08	09
		22	—	11	13			9	—	01	77
		(177)						12	—	06	32
		1	—	05	06			13	—	02	53
		2	—	06	07			19	—	10	62
		9/2	—	—	76			22	—	07	58
		10	—	10	37			(38)			
		11	—	11	38			2	—	11	13
		20	—	11	38			9	—	11	13
		21/1	—	03	04			11	—	—	26
		21/2	—	08	09			12	—	09	86
		(183)						19	—	06	58
		5/1	—	—	51			20	—	04	55
		6/1	—	08	10			21/1	—	03	29
		15/2	—	10	62			21/2	—	04	56
		15/3	—	—	76			22	—	00	51
		16	—	11	38			(48)			
		25	—	11	38			25	—	01	77
		(184)						(49)			
		1/1	—	06	07			1	—	04	30
		1/2	—	01	52			10	—	11	13
		10/2	—	03	04			11/1	—	08	09
		(204)						11/2	—	01	52
		4	—	01	77			20	—	10	12
		5	—	12	39			21	—	09	36
		(244)	—	01	26			26	—	06	83
		(245)	—	02	53			(50)			
		(248)	—	—	50			1	—	03	54
		(253)	—	—	25			10/1	—	—	—
		(874)	—	01	01			(51)			
		(883)	—	03	54			5	—	07	84
		(920)	—	12	90			6	—	11	13
28. Hansawas	240	(9)						15	—	11	12
		19/2	—	09	86			16	—	11	13
		21	—	04	30			25	—	11	13
		22	—	06	83			(62)			
		(10)						4	—	07	08
		1/2	—	10	88			(101)	—	03	54
		2	—	—	25			(110)	—	01	52
		10	—	11	13			(111)	—	01	51
		11	—	11	1			(112)	—	01	52

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		(264)	—	01	01			2	—	09	11
		(270)	—	03	54			3/1	—	02	28
		(271)	—	01	01			9/1	—	01	77
		(290)	—	01	01			9/2	—	09	36
		(291)	—	02	78			(41)			
		(294)	—	01	02			12/1	—	08	35
		(297)	—	02	28			12/2	—	01	77
29. Gan'ala		(26)						19	—	11	13
		8	—	—	25			21/2	—	01	26
		12	—	08	60			22	—	09	86
								(56)			
30. Kahnora	241	(10)						1/1	—	04	55
		16	—	10	88			1/2	—	03	29
		24	—	09	61			2/1	—	03	54
		(14)						10	—	10	12
		4	—	04	55			11/2	—	11	13
		5/1	—	02	78			20/2	—	11	13
		5/2	—	33	04			21	—	10	12
		6/3	—	—	—			(60)			
		7/1	—	02	78			1	—	05	56
		7/2	—	05	56			(61)			
		14	—	11	13			5/2	—	06	58
		17	—	11	13			6/1	—	04	81
		23	—	01	77			6/2	—	04	05
		24	—	01	26			15	—	12	14
		(28)						(84/2)	—	60	32
		3	—	08	35			(126)	—	04	05
		4	—	01	77			(483)	—	01	01
		8	—	10	12			(485)	—	01	01
		13	—	11	13			(495)	—	01	01
		18	—	11	13			(498)	—	02	38
		22	—	02	53						
		23	—	08	60						
		(30)									
		2	—	08	09						
		3	—	03	04						
		9	—	11	38						
		(271)	—	07	34						
31. Kanori	242	(16)									
		6	—	02	02						
		15	—	02	78						
		16	—	08	60						
		25	—	11	13						
		(17)									
		10	—	06	07						
		11	—	08	60						
		20	—	02	53						
		(20)									
		5/1	—	02	28						
		5/2	—	07	84						
		6	—	11	13						
		15	—	10	12						
		16	—	08	09						
		17	—	03	04						
		24	—	09	61						
		25	—	01	52						
		(34)									
		4	—	11	13						
		7	—	10	12						
		13	—	07	33						
		14	—	03	79						
		18/1	—	—	25						
		18/2	—	10	88						
		23/1	—	07	33						
		(41)									

## SCHEDULE

Tehsil : Bawal Distt. : Mahendragarh State : Haryana

Name of Village	No. Hadbast	(Mustatecl No.)	Area		
		Kila No.	Hec-tare	Are	Centiare
1	2	3	4	5	6
1. Khandoda	50	(4)			
		12	0	1	77
		18	0	1	27
		19	0	14	16
		21	0	10	12
		22	0	3	54
		(9)			
		5/2	0	0	25
		14	0	03	04
		17	0	12	39
		18	0	05	06
		23	0	13	66
		(10)			
		1/1	0	06	07
		1/2	0	02	53
		(25)			
		2	0	08	95
		3	0	04	80
		9	0	12	14
		10	0	01	01
		11	0	13	15
		12/1	0	00	25
		20	0	07	08
		(26)			
		16/1	0	06	07
		16/2	0	00	25

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		24/1	0	00	25			21	0	11	13
		25	0	12	39			22	0	01	01
		(29)						(33)			
		4	0	11	89			5/2	0	04	05
		5/1	0	01	27			6	0	13	41
		7/2	0	08	35			14/2	0	00	51
		8	0	05	31			14/3	0	07	58
		12	0	00	00			15/1	0	02	53
		13	0	13	41			15/2	0	01	01
		18	0	02	28			15/3	0	02	02
		19	0	11	38			17/1	0	08	60
		21	0	04	55			17/3	0	03	29
		22	0	09	61			18	0	00	51
		(50)						23	0	11	63
		1	0	13	66			24	0	01	52
		10	0	03	29			(34)			
		(51)						1	0	07	34
		06	0	10	12			(39)			
		14	0	01	52			2	0	03	04
		15	0	11	64			3	0	10	12
		16	0	00	25			8	0	00	00
		17	0	11	63			9	0	13	40
		23	0	06	58			11	0	07	08
		24	0	07	33			12	0	06	32
		(53)						20	0	13	15
		25	0	09	36			21/1	0	02	02
		(54)						(40)			
		2	0	00	25			16/1	0	00	25
		3/1	0	10	12			25/1	0	00	26
		3/2	0	01	52			25/2	0	08	85
		8	0	00	51			(51)			
		9/1	0	05	82			4/1	0	00	25
		9/2	0	04	30			4/2	0	03	54
		11	0	03	79			5	0	08	10
		12/1	0	07	08			6	0	00	26
		12/2	0	05	06			7	0	13	15
		20	0	13	66			13	0	05	57
		21	0	04	30			14	0	06	32
		(77)						18/1	0	04	05
		4	0	01	26			18/2	0	08	85
		5	0	11	89			19	0	00	00
		6	9	00	25			22	0	10	37
		7	0	04	30			23	0	02	78
		(81/10)	0	29	59			(61)			
		(89)	0	01	77			2	0	08	85
		(92)	0	01	77			11	0	06	07
		(532)	0	00	25			(62)			
		(545)	0	01	01			15	0	05	57
		(562)	0	03	54			16/1	0	04	55
2. Tikari	48	(19)						16/2	1	07	34
		15	0	09	10			24/1	0	00	25
		16	0	12	14			24/2	0	08	85
		17	0	01	26			25/1/1	0	02	02
		24	0	12	39			25/1/2	0	02	02
		25	0	00	51			(73)			
		(20)						3/2	0	02	53
		10	0	09	61			4	0	11	13
		11	0	03	54			7	0	00	25
		(22)						8/1	0	12	65
		3	0	04	55			12	0	06	07
		4	0	07	08			13	0	06	58
		8	0	13	41			19/1	0	00	51
		12	0	08	60			19/2	0	08	60
		13	0	04	81			21/2	0	09	61
		19	0	12	65			22	0	01	77
		20	0	00	76			(87)			

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		1		0	05	06		(15)			
		(88)						3/1	00	01	51
		6		0	10	88		3/2	00	10	87
		7		0	01	77		4	00	02	28
		14		0	13	15		8	00	10	37
		15		0	00	25		9	00	03	04
		17		0	03	79		12	00	13	41
		18/1		0	10	88		13/1	00	00	00
		22		0	06	32		19	00	05	06
	48	(88)						20	00	08	60
		23		0	00	34		21	00	11	89
				0	00	51		(16)			
		(91)						25	00	01	52
		15		0	04	82		(20)			
		(92)						5	00	12	14
		1		0	01	26		6	00	07	33
		2		0	13	90		7	00	06	32
		9		0	00	51		13	00	00	25
		10/1		0	06	58		14	00	13	15
		10/2		0	06	83		17/1	00	02	02
		11		0	05	31		18/1	00	03	04
		(133)		0	06	58		18/2	00	07	33
		(136)		0	18	46		22/2	00	04	30
		(139)		0	01	52		23	00	09	86
		(144)		0	03	03		(21)			
		1(46)		0	01	52		(1)	00	00	25
		(147)		0	01	77		(25)			
		(148)		0	01	51		2/1	00	00	76
		(150/1)		0	01	77		2/2	00	10	12
		(267)		0	01	51		9	00	00	25
		(268)		0	01	26		10	00	10	62
		(292)		0	04	05		11	00	11	64
		(294)		0	02	53		20/2	00	00	25
		(297/1)		0	01	52		(26)			
		(297/2)		0	02	78		15	00	02	02
3. Narsinghpur	8	(2)						16	00	11	64
Gadhi		13/2		0	07	59		(33)			
		18		0	11	64		03	00	00	51
		19		0	00	76		4	00	13	15
		22		0	12	65		7	00	01	77
		23/1		0	00	51		8/1	00	07	84
		23/2		0	00	00		8/2	00	04	05
		(6)						12	00	03	79
		1/2		0	04	55		13	00	09	36
		2		0	09	61		19/1	00	02	78
		9		0	01	77		19/2	00	05	56
		(177)		0	01	26		21/2	00	09	86
4. Dharan	7	(4)						22	00	02	28
		13		00	12	14		(40)			
		14		00	03	54		1/1	00	08	60
		18		00	10	12		1/2	00	00	25
		19		00	03	29		(41)			
		22		00	13	15		5/2	00	00	00
		23/1		00	00	00		6	00	10	37
		(10)						14	00	06	58
		6/2		00	01	01		15	00	07	08
		15		00	12	65		17	00	12	39
		16		00	13	41		18	00	00	25
		17		00	05	31		23	00	11	88
		23/2		0	00	25		24	00	02	02
		24/1		00	10	62		26	00	05	31
		24/2		00	03	29		(45)			
		(11)						16	00	01	01
		1		00	08	85		25	00	12	64
		2/1		00	05	06		(46)			78
		10		00	10	12		2/2/1	00	02	0
		11		00	01	01					

1	2	3	4	4	6	1	2	3	4	5	6
		2/2/2	00	03	04			(71)	00	01	01
		3/1	00	08	60	7. Piragpura	3	(16)			
		9/1	00	08	60			16/2	00	03	29
		9/2	00	01	01			25	00	03	41
		11	00	09	86			(17)			
		12	00	04	04			9	00	06	83
	7	(46)						11/1	00	00	00
		20	00	12	14			11/2	00	09	86
		21	00	00	75			12	00	03	79
		(58)						20/1	00	07	35
		04	00	04	55			20/2	00	03	79
		05	00	09	15			21	00	00	00
		07	00	13	40			(19)			
		13	00	01	77			4	00	09	36
		14	00	03	79			5	00	04	05
		(151)	00	13	66			7	00	12	90
		(157)	00	02	53			8	00	0	51
		(161)	00	01	77			13	00	11	64
		(164)	00	04	30			14	00	01	52
		(165)	00	01	52			18	00	10	36
		(167)	00	01	77		13	(19)			
		(168)	00	01	52			19/1	00	01	52
		(169)	00	01	52			19/2	00	00	25
		(181)	00	04	55			22	00	12	90
		(189)	00	00	51			(25)			
		(189/2)	00	00	25			15	00	08	85
		(510)	00	00	25			16	00	12	90
		(513)	00	02	02			17			
		(524)	00	01	01			24	00	09	36
5. Birwal	5	(13)						25/1	00	01	26
		1	00	03	04			25/2	00	00	76
		10	00	00	76			(26)			
		(14)						1	00	05	56
		5	00	01	52			0/1	00	07	84
		6	00	13	40			10	00	13	41
		14	00	05	56			1/1	00	03	79
		15	00	06	57			(28)			
		17	00	13	40			4	00	01	77
		18	00	00	23			(30)			
		23/1	00	11	38			(35)	00	01	27
		24	00	02	02			(134)	00	00	
		(22)						(141)	00	00	25
		16/1	00	01	27	8. Sulakha	20	(1)			
		25/1	00	08	85			25/1	00	00	00
		25/2	00	02	78			25/2	00	01	26
		(23)						(12)			
		2	00	04	05			4	00	06	58
		3/1	00	08	35			5	00	07	34
		3/2	00	00	25			7	00	12	90
		(23)						8	00	01	01
	5	9	00	13	66			13	00	13	15
		11	00	09	10			14	00	01	01
		12	00	04	55			18	00	06	32
		20	00	12	39			19	00	06	58
		21	00	00	76			21	00	01	52
		(28)						22	00	12	65
		4	00	06	32			(14)			
		5	00	07	34			6	00	09	11
		7	00	12	14			14	00	02	02
		(38)	00	01	25			15	00	11	63
		(39)	00	01	77			16	00	00	25
		(93)	00	01	26			17	00	12	39
6. Bhadrang	4	(52)						23	00	09	36
		3/2	00	00	76		20	24	00	04	30
		4	00	10	88			(15)			
		7	00	01	77			1/1	00	03	29
		8	00	11	89			1/2	00	10	62
		12	00	04	05			2	00	00	25
		13/1	00	09	86			10	00	05	06
		19	00	13	66			(28)			
		21/1	00	05	31			3	00	13	66
		21/2	00	04	30			8	00	00	00
		22	00	04	30			9	00	05	31
		(56)						(176)	00	01	52
		1	00	08	09			(470)	00	01	27

[No. O. 31015/6/88-ORI]

T. N. PARAMESWARAN, Under Secy.



नई दिल्ली, 2 मई, 1989

का.प्रा. 1271:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. प्रा. सं. 696 तारीख 5-2-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

के ऐन के फेस II की पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य :—गुजरात	जिला :—खेड़ा	तालुका :—अनन्द		
गांव	व्यक्तिगत	हेक्टेयर आरे	सेन्टी-	
1	2	3	4	5
झाकरीया	87	0	09	40
	89	0	10	40
	88	0	01	36
	91	0	10	54
	90	0	05	46
	94	0	14	90
	146/2+3	}	0	10
	146/1			
	145	0	25	60
	100/पाँ)	}	0	10
	100			
	101	0	14	30
	102/3, 102/1	}	0	23
	102/2+4			
	107/1, 107/2	0	08	50
	137/1, 137/3,	0	01	08
	137/2	}	0	28
	136/3/1,			
	136/2/2,			
	135/6,			
	136/2/1/3/2+1			
	136/4, 136/5			

1	2	3	4	5
	134/1, 134/2 } 134/3+6/1, 134/4-5/6/2 }	0	36	00
	133/1+2	0	20	73
	काटेड्रेक	0	02	00
	5/1, 5/2	0	01	71
	132/1, 132/2	0	03	27
	101	0	49	82
	11/1, 11/2	0	11	70
	13	0	25	30
	काटेड्रेक	0	01	60

[सं. प्रा. 11027/47/88-प्रो. एन. जो.डी. -III]

New Delhi, the 2nd May, 1989

S.O. 1271:—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 696 dated 5-2-1988 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

## Pipeline for KNK Phase II

State : Gujarat District : Kheda Taluka : Anand

Village	Block No.	Hectare	Acre	Centiare
1	2	3	4	5
Zankhariya	87	0	09	40
	89	0	10	40
	88	0	01	36
	91	0	10	54
	90	0	05	46
	94	0	14	90
	146/2+3 } 146/1 }	0	10	80
	145	0	25	60
	100/P } 100 }	0	10	67
	101	0	14	30
	102/3, 102/1, } 102/2+4 }	0	23	40
	107/1, 107/2	0	08	50

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
137/1, 137/3, 137/2	0	01	08		229/वि	0	17	10	
136/3/1 136/2/2, 135/6, 136/2/1/3/2+1, 136/4, 136/5	0	28	50		229/वि	0	15	90	
134/1, 134/2 134/3+6/1 134/4+56/2	0	36	0		कार्ट ट्रैक	0	01	40	
133/1+2	0	20	78		220	0	21	00	
Cart track	0	02	00		217	0	15	90	
5/1, 5/2	0	01	71		216	0	14	90	
132/1, 132/2	0	03	27		कार्ट ट्रैक	0	01	20	
101	0	49	81		213/2	0	13	98	
11/1, 11/2	0	11	70		214	0	01	12	
13	0	25	36		211	0	03	60	
Cart track	0	01	60		230/वि	0	12	06	
					कार्ट ट्रैक	0	01	40	
					209	0	23	80	
					176/2	0	17	75	
					178/वि	0	11	80	
					178/वि	0	12	90	
					182/वि	0	08	55	
					182/वि	0	07	87	
					166	0	07	40	
					कार्ट ट्रैक	0	00	90	
					150	0	00	12	
					151	0	15	10	
					154	0	16	80	
					153	0	05	55	
					158	0	12	60	
					157	0	12	80	
					124	0	05	00	
					123	0	18	60	
					120	0	17	50	

[N.O.-11027/47/88-ONG-D-III]

कां प्रा 1272:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन अधिनियम में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का आ सं 2843 तारीख 7-9-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राथम्य घोषित कर दिया था।

और यतः अक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजह से और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निश्चित होगा।

अनुसूची

सनवा जी. जी. एस III से ब्लॉक जी जी एस एम् सी. टी. एक तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य:—गुजरात

जिला:—सेहसता

तहसील:—बाणसमा

गोथ	सर्वेक्षण	हेक्टेयर	आरे	मेन्टी-
1	2	3	4	5
मोटप	256	0	17	30
	234	0	04	20
	233/3	0	06	30
	233/2	0	12	25
	231	0	11	80

[मं प्रो -11027/163/81-प्रो एन जी को -III]

S.O. 1272.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 2843 dated 7-9-1988 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline from Lanva GGS III to Balol GGS/CTE.

State: Gujarat District: Mehsana Taluka: Chanasma

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Motap	256	0	12	30
	234	0	04	20
	233/3	0	06	30
	233/2	0	12	25
	231	0	11	80
	229/P	0	17	40
	229/P	0	15	90
	Cart track	0	01	40
	220	0	21	00
	217	0	15	90
	216	0	14	90
	Cart track	0	01	20
	213/2	0	13	98
	214	0	01	12
	211	0	03	60
	210/P	0	12	96
	Cart track	0	01	40
	209	0	23	80
	176/2	0	17	75
	178/P	0	11	80
	178/P	0	12	90
	182/P	0	08	55
	182/P	0	07	87
	166	0	07	40
	Cart track	0	00	80
	150	0	00	12
	151	0	16	10
	154	0	16	80
	153	0	05	55
	158	0	12	60
	157	0	12	80
	124	0	05	00
	123	0	18	60
	120	0	17	50

[No. O-11027/165/88-ONG-D-III]

का.आ. 1273 :- यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नवाजा को अधिसूचना का.आ.सं. 2952 तारीख 1988 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः ससम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम, का धारा 6 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने को बजा: तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

लनवा जी. जी. एस. से लवना I जी. जी. एस. III तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य :- गुजरात जिला :- मेहसाना तालुका :- चाणसम

गाँव सर्वे.नं. हेक्टेयर आरे. मन्दी-यर

1	2	3	4	5
लनवा	321/6	0	20	60
	321/5	0	10	00
	321/4	0	20	00
	321/3	0	10	30
	481	0	07	25
	485	0	29	25
	449	0	05	00
	311/2	0	21	80
	309	0	13	90
	308	0	09	40
	307	0	07	70
	कार्ट ट्रैक	0	03	50
	257/1	0	11	90
	256	0	15	00
	255	0	10	00
	254	0	10	20
	253	0	08	90
	238	0	14	00
	239	0	00	35
	240	0	08	50
	241	0	08	90
	242/1	0	14	90
	कार्ट ट्रैक	0	01	60
	16/1	0	03	00
	15/1	0	07	50
	15/2	0	07	50
	14	0	01	00
	18/1	0	15	30
	32	0	14	9
	25	0	02	70
	26/1	0	07	3 0
	26/2	0	04	00
	27	0	09	40
	45/1	0	00	25
	44	0	15	50
	51/पी	0	05	00
	52	0	10	30
	827	0	07	00
	कार्ट ट्रैक	0	09	40
	594	0	07	00
	593	0	20	00
	625	0	40	00
	कार्ट ट्रैक	0	03	00

[सं. ओ.-11027/147/88-ओ.एन.जी.-डी.-III]

S.O. 1273.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 2952 dated 1-9-1988 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Lanva GGS I to Lanva GGS III

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec.	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Lanva	321/6	0	20	60
	321/5	0	10	00
	321/4	0	20	00
	321/3	0	10	30
	481	0	07	25
	485	0	29	25
	449	0	05	00
	311/2	0	21	80
	309	0	13	90
	308	0	09	40
	307	0	07	70
	Cart track	0	03	50
	257/1	0	11	90
	256	0	15	00
	255	0	10	00
	254	0	10	20
	253	0	08	90
	238	0	14	00
	239	0	00	35
	240	0	08	50
	241	0	08	90
	242/1	0	14	90
	Cart track	0	01	60
	16/1	0	03	00
	15/1	0	07	50
	15/2	0	07	50
	14	0	01	00
	18/1	0	15	30
	32	0	14	90
	25	0	02	70
	26/1	0	07	40
	26/2	0	04	00
	27	0	09	40

1	2	3	4	5
	45/1	0	00	25
	44	0	15	50
	51/P	0	05	00
	52	0	10	30
	827	0	07	00
	Cart track	0	09	40
	594	0	07	00
	593	0	20	00
	625	0	40	00
	Cart track	0	03	00

[No. O-11027/147/88-ONG-D-III]

क.शा. 1274 :—यह पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के द्वारा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नलायन की अधिसूचना का.शा.सं. 2961 तारीख 13-9-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार का पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना शायद घोषित कर दिया था।

और यह: यक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दी है।

और आगे, यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निश्चय लेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

लनवा जी.जी.एन. I से लनवा जी.जी.एन. III तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाणा तालुका : चानस्मा

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	आर.	सेटीय
1	2	3	4	5
विमोज	2779	0	35	40
	2792	0	03	75
	2791/1	0	33	60
	2791/2	0	11	80
	2790	0	14	00
काटेद्रेक		0	02	80
	2860	0	08	00
	2882	0	26	00
	2881	0	08	00
	2892	0	19	80
	2893	0	15	20
	91	0	14	00

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
धिनोज	90	0	24	90	Dhinoj	2791/2	0	11	80
	94	0	04	00		2790	0	14	00
	87	0	09	60		Cart track	0	02	80
	95	0	25	50		2860	0	08	00
काटेरूक		0	01	25		2882	0	26	00
119		0	12	00		2881	0	08	00
120		0	14	80		2892	0	19	80
116		0	08	80		2893	0	15	20
116/1		0	08	00		91	0	14	00
108		0	23	60		90	0	24	90
109		0	17	00		94	0	04	00
490/1		0	12	60		87	0	09	60
490/2		0	12	60		95	0	25	50
489/1		0	03	40		Cart track	0	01	25
489/2		0	07	00		119	0	12	00
499		0	16	90		120	0	14	80
510		0	12	80		116	0	08	80
509		0	04	00		116/1	0	08	00
513		0	16	40		108	0	23	60
514		0	02	25		109	0	17	00
512		0	10	00		490/1	0	12	60
517		0	10	60		490/2	0	12	60
						489/1	0	08	40
						489/2	0	07	00
						499	0	16	90
						510	0	12	80
						509	0	04	00
						513	0	16	40
						514	0	02	25
						512	0	10	00
						517	0	10	60

[सं.ओ. 11027/168/88-ओ.एन.जी.सी.-III]

S.O. 1274.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 1961 dated 13-9-1988 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Lanva GGS I to LANVA GGS III.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Dhinoj	2779	0	35	40
	2792	0	03	75
	2791/1	0	33	60

[No. O-11027/168/88-ONG-D-III]

का. आ. 1275:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में क्रूर नं. 29 में कूप नं. 15 से डबका जी.एस.सी. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन्डुगबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने इसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एन्डुगबद्ध घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति, उक्त भूमि के ताले गहर लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रस्ताव, मकरपुरा रोड, बडौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेंगे।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी धुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

कूप नं. 29 से कूप नं. 15 से डबका जी० सी० एम. तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

राज्य :	गुजरात	जिला :	बड़ोदा	तालुका :	पादरा
गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आरे.	सेन्टोयर	
1	2	3	4	5	
कुराल	397	0	03	30	
	396	0	13	80	
	395	0	02	25	
	394	0	06	00	
		0	02	25	

[सं. ओ.-11027/53/89-ओएनजी. ई.-III]

S.O. 1275.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 29 to W. No. 15 to Dabka G. C. S. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Well No. 29 to Well No. 15 to Dabka GCS.  
State : Gujarat District : Baroda Taluka : Padra

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Cent-naire
1	2	3	4	5
Kural	397	0	03	30
	396	0	13	80
	395	0	02	25
	394	0	06	00
	Cart track	0	02	25

[No. O-11027/53/89-ONG-D-III]

का.आ. 1276:—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं. 29 से कूप नं. 15 से डबका जी.सी.एम. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों का बिछाने के प्रयोजन के लिये एन.एन.जी.सी. अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय ए.एन.जी.सी. घोषित किया है ।

अतः कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, उक्त भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशय भवित अधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 का इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकता है ।

और ऐसा आशय करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: वह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसको सुनवाई अर्जित करने हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फत ।

## अनुसूची

कूप नं. 29 से कूप नं. 15 से डबका जी.सी.एम. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य :	गुजरात	जिला :	बड़ोदा	तालुका :	पादरा
गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आरे.	सेन्टो य	
विशवा	592	0	13	00	
	616	0	00	50	
	590	0	03	00	
	591	0	06	75	
	589	0	11	10	
	583	0	14	10	
	585	0	06	75	
	571	0	01	30	
	570	0	00	20	
	572	0	18	15	
	574	0	12	15	
	566	9	09	00	
	565	0	11	25	
	547	0	16	95	
	548	0	06	75	
		0	01	20	
	543	0	07	95	
	523	0	13	35	
	524	0	09	75	
	525	0	09	75	
		0	01	35	

[सं. ओ.-11027/51/89/ओ एन जी.-ई.-III]

S.O. 1276.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 29 to Well No. 15 to Dabka G.C.S. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Well No. 29 to Well No. 15 to Dabka GCS.

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Padra

Village	Block No.	Hec-tare	Arc	Centiare
1	2	3	4	5
Pindapa	592	0	13	00
	616	0	00	50
	590	0	03	00
	591	0	06	75
	589	0	11	10
	588	0	14	70
	585	0	06	75
	571	0	01	30
	570	0	00	20
	572	0	18	15
	574	0	12	15
	566	0	09	00
	565	0	11	25
	547	0	16	95
	548	0	06	75
	Cart track	0	01	20
	543	0	07	95
	523	0	13	35
	524	0	09	75
	525	0	09	75
	Cart track	0	01	35

[No. O-11027/51/89-O NG-D-III]

का. आ. 1277.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में टी. पोइंट ए. जी. जी. एल. से आर. एस. नं. 49/1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी जगहों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एनएचएल अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिनियम का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एनएचएल घोषित किया है:

बगलें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप, सख्त प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अतिवृत्तता की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करते बाधा हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

टी. पोइंट ए. जी. जी. एल. से आर. एस. नं. 49/1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : भरुच	तालुका : अंकलेश्वर		
गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर	एन.एस.
1	2	3	4	5
अंकलेश्वर	834	0	17	10
	146	0	18	75

1	2	3	4	5
	147	0	07	00
	157	0	22	80
	कार्ट ट्रैक	1	53	20
	156	0	02	50
	155/1	0	01	40
	155/2	0	00	10
	174	0	03	15
	162	0	00	20
	163/2/सी	0	01	95
	173	0	00	30
	173/3	0	01	40
	173/4	0	00	20
	50/सी	0	03	30

[सं. ओ-11027/49/89-ओएनजी-डी-III]

S.O. 1277.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from T. Point on ABGL to R. S. No. 49/1 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from T. Point on ABGL to R.S. No. 49/1

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Ankleshwar

Village	Survey No.	Hec-tare	Arc	Centiare
1	2	3	4	5
Ankleshwar	834	0	17	10
	146	0	18	75
	147	0	07	00
	157	0	22	80
	Cart track	1	53	20
	156	0	02	50
	155/1	0	01	40
	155/2	0	00	10
	174	0	03	15
	162	0	00	20
	163/2/P	0	01	95
	173/2	0	00	30
	173/3	0	01	40
	173/4	0	00	20
	50/B	0	03	30

[No. O-11027/49/89-O NG-D-III]

1278.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में लनवा-2 से लनवा ई.पी.एस.4 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निविष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

लनवा-2 से लनवा ई००पी०एस०-4 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए  
राज्य : गुजरात जिला : मेहसाणा तालुका : चाणसमा

गाँव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर
दानोदार्दा	332	0	06	12
	331	0	09	60
	330	0	09	36
	416	0	06	00
	423	0	03	84
	422	0	04	44
	421	0	05	28
	420	0	05	88
	428	0	04	20
	436/2	0	14	52
	440	0	09	36
	439	0	08	40
	500	0	10	56
	498	0	05	63
	497	0	04	08

[सं. ओ-11027/40/89-ओएनजी-डी-III]

S.O. 1278.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lanwa-2 to Lanwa, EPS-4 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent

Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Lanwa-2 to Lanwa EPS 4

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasma

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Danodarda	332	0	06	12
	331	0	09	60
	330	0	09	36
	416	0	06	00
	423	0	03	84
	422	0	04	44
	421	0	05	28
	420	0	05	88
	428	0	04	20
	436/2	0	14	52
	440	0	09	36
	439	0	08	40
	500	0	10	56
	498	0	05	63
	497	0	04	08

[No. O-11027/40/89-ONG-D-III]

का. भा. 1279.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मोटवान जी.सी.एस. से जी. जी. एस-2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निविष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

मोटवान (जी. सी. एस.) से जी. जी. एस-2 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य :	गुजरात	जिला : भरुच	तालुका : अंकलेश्वर		
गाँव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर	
मोटवान	120	0	42	51	
	119	0	03	64	
	123	0	08	19	

[सं. ओ-11027/52/89-ओएनजी-डी-III]



S.O. 1279.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Motwan GCS to G.A.S-2 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Motwan (GCS) To GCS-2.

State : Gujarat	District : Bharuch	Taluka : Ankleshwar			
Village	Block No.	Hec-tare	Are	Con-tiare	
1	2	3	4	5	
Motwan.	120	0	42	51	
	119	0	03	64	
	123	0	08	19	

[No. O-11027/52/89-ONG-D-III]

का. आ. 1280.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. एच. एल. से एन. के. जी. आई से एम. के. सी. टी. एफ. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाक्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी गुंवारी व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

एन. के. एच. एल. से एन. के. जी. आई से एन. के. सी. टी. एफ. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसना	तालुका : कडी			
गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	अंश.	सेन्टीयर	
मुरज	762/1	0	13	32	
	762/3	0	11	28	

[सं. प्र-11027/48/89-ओएनजी-डी-III]

S.O. 1280.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKHL to NKGI to NKCTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from NKHL to NKGI to NKCTF.

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kadi			
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Con-tiare	
1	2	3	4	5	
Suraj	762/1	0	13	32	
	762/3	0	11	28	

[No. O-11027/48/89-ONG-D-III]

का. आ. 1281.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. जी. एस. से एन. के. जी. सी. एम. III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाक्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की (1) उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुतवादी, व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

एन. के. जी. एन. से एन. के. जी. जी. एम. III तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला व तालुका :	मेहसाना			
गांव	सर्वे नं	हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर	
धनपुरा	473	0	04	44	
	474/1	0	04	44	
	474/5	0	05	15	
	475	0	08	88	
	476	0	04	44	
	477	0	03	96	
	492	0	01	68	
	486/2	0	00	60	
	491	0	03	72	

[मं. प्रो. -11027/47/89-प्रोएन जी-सी-III]

S.O. 1281.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKGS to NKGS-III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from NKGS to NK GGS III

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-are
	2	3	4	5
Dhanpura	473	0	04	44
	474/1	0	04	44
	474/5	0	05	15
	475	0	08	88
	476	0	04	44
	477	0	03	96
	492	0	01	68
	486/2	0	03	60
	491	0	03	72

[No. O-11027/47/89-ONG-D-III]

का. प्रो. 1282.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. जी.यु. से एन. के. सी. प्रो. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रसारण द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन.के.जी.यु. से एन.के.सी. प्रो. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रसारण द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

बनते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप भक्ष्य प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख 31 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह सहायता है कि उसकी गुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विशिष्ट व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

एन. के. जी.यु. से एन. के. सी. प्रो. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला व तालुका :	मेहसाना			
गांव	सर्वे नं	हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर	
धनपुरा	540	0	06	00	
	542	0	02	16	
	514	0	03	96	
	513	0	00	96	

[मं. प्रो. -11027/41/89-प्रो एन जी-सी-III]

S.O. 1282.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKGU to NKCO in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from NKGU to NKCO

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Con-tiare
1	2	3	4	5
Dhanpura	540	0	06	00
	542	0	02	16
	514	0	03	96
	513	0	00	96

[No. O-11027/41/89-ONG-D-III]

का. आ. 1283-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. बी. पी. से एन. के. जी. जी. एम. III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एनदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एनदुपाबद्ध घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड़, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

एन. के. बी. पी. से एन. के. जी. जी. एम. III तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : व तालुका : मेहसाना				
गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर	
धनपुरा	588/2	0	08	04	
	589	0	08	76	
	590	0	06	60	
	591/2	0	04	80	
	591/4	0	02	88	
	591/1	0	02	76	

[सं. आ.-11027/46/89-ओ. एन. जी. -डी-III]

S.O. 1283.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKBV to NK GGS-III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra, (390009).

And every person making such an objection shall also state specially whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from NKEV to NK GGS III

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	He- tar.	Ac- re	Con- tia
1	2	3	4	5
Dhanpura	582/2	0	08	04
	589	0	08	76
	590	0	06	60
	591/2	0	04	80
	591/4	0	02	88
	591/1	0	02	76

[No. O-11027/46/89-ONG-D-III]

का. आ. 1284-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य से कूप नं. 29 सं. कूप नं. 15 से डबका जी. सी. एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एनदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एनदुपाबद्ध घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड़, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

कूप नं. 29 सं. कूप नं. 15 से डबका जी. सी. एस. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : बड़ोदा	तालुका : पादरा			
गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर	
कांभा	1464	0	10	20	
	1471/3	0	00	50	
	1471/41पी	0	07	50	
	1471/41पी	0	07	20	
	1471/1	0	08	55	
	1519	0	03	00	
	वेस्टमंड	0	06	00	
	54	0	03	30	
	55	0	12	90	
	58/3	0	04	95	
	57	0	09	00	
	58/1	0	06	15	
	65/2	0	06	30	

1	2	3	4	5
65/1	0	08	55	
66	0	01	65	
64/3	0	10	35	
64/1	0	13	80	
63/1	0	08	70	
कन्स	0	03	30	
74	0	04	50	
75	0	12	45	
76/1/ए	0	05	70	
	0	01	50	

[सं. ओ-11027/50/89-ओ एन जी-डी-III]

S O. 1284.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. 29 to Well No. 15 to Dabka G.C.S. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Well No. 29 to Well No. 15 Dabka GCS.

State : Gujarat	District : Baroda	Taluka : Padra		
Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centiare
Mobha	1464	0	10	20
	1471/3	0	00	50
	1471/41P	0	07	50
	1471/41P	0	07	20
	1471/1	0	08	55
	1519	0	03	00
	Waste land	0	06	00
	54	0	03	30
	55	0	12	90
	58/3	0	04	95
	57	0	09	00
	58/1	0	06	15
	65/2	0	06	30
	65/1	0	08	55
	66	0	01	65
	64/3	0	10	35
	64/1	0	13	80
	63/1	0	08	70
	Kans	0	03	53
	74	0	04	30
	75	0	12	45
	76/1/A	0	05	70
	Cart track	0	01	50

[No. O-11027/50/89-ONG-D-III]

का. आ. 1285.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जाटोना-14 से जाटोना-33 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पात्र अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

मार्तमें कि उक्त भूमि में हितवांछ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नाच पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

राज्य : गुजरात	जिला मेहसाना	तालुका : मेहसाना		
गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
मोकनज	1100	0	15	96
	1094	0	03	96
	1089	0	02	28
	1094	0	03	12
	1093	0	05	28
	1091	0	11	40

[सं. ओ-11027/42/89-ओ एन जी-डी-III]

S. O. 1285.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Jotana-14 to Jotana-33 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Jotana-14 to Jotana-33

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hec- tare	Acre	Centi- tiare
1	2	3	4	5
Manknaji	1100	0	15	96
	1094	0	03	96
	1089	0	02	28
	1094	0	03	12
	1093	0	05	28
	1091	0	11	40

[No. O-11027/42/89/ONG-D-III]

का.अ. 1286—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में बी.एल. के.डी. (109) से ब्लॉक ई.पी.एस-II तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

बी.एल.के.डी. (109) से ब्लॉक ई.पी.एस.- तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	तालुका : मेहसाना		
गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
देलोली	790	0	07	68
	797	0	08	76
	798	0	09	72
	800	0	05	16
	कोर्ट ट्रैक	0	00	72
	6/1	0	14	16
	7	0	06	48
	8	0	07	44
	93/1 एंड 2	0	09	36
	94/1	0	03	36
	94/2	0	04	20
	95/1	0	06	48

[सं. ओ-11027/43/89-ओ एन जी-डी-III]

S.O. 1286.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from BLKD-(109) to Balol-EPS-II in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from BLKD (109) to Balol EPS-II

State : Gujarat Dist. : Mehsana Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Acre	Centi- tiare
Deloli	790	0	07	68
	797	0	08	76
	798	0	09	72
	800	0	05	16
	Cart track	0	00	72
	6/1	0	14	16
	7	0	06	48
	8	0	07	44
	93/1 & 2	0	09	36
	94/1	0	03	36
	94/2	0	04	20
	95/1	0	06	48

[No. O-11027/43/89-ONG-D-III]

का.अ. 1287—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस.ई. डब्ल्यू. से एम.डी.टी. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

एम. ई. डब्ल्यू. से एम. जी. टी. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात	जिला : व तालुका : मेहसाना				
गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर	
रामपुरा	209	0	06	12	
	184	0	07	56	
	185	0	08	40	
	186	0	16	80	
	189	0	00	84	
	186	0	04	20	
	194	0	05	76	
	193	0	09	96	
	192	0	16	08	

[सं. ओ-1102 / 14/89-ओ एनजी-डी-3]

S.O. 1287.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SEW to SDT in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

## Pipeline from SEW to SDT

State : Gujarat	District & Taluka : Mehsana			
Village	Block No.	He-ctare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Rampura	209	0	06	12
	184	0	07	56
	185	0	08	40
	186	0	16	80
	189	0	00	84
	186	0	04	20
	194	0	05	76
	193	0	09	96
	192	0	16	08

[No. O-11027/44/89-ONG-D-III]

का.आ. 1288.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन.के.जी.पी. से एन.के.जी.डी.एस.-3 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाक्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

## अनुसूची

एन.के.बी.डी. से एन.के.जी.डी. एस.-3 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला व तालुका : मेहसाना				
गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर	
फटोसन	644	0	06	72	
	645	0	06	96	
	647	0	07	20	

[सं. ओ-11027/45/89/ओ एन जी-डी-III]

के. विवेकानन्द, डेस्क अधिकारी

S.O. 1288.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NWBV to NK GCS-III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of their in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

## SCHEDULE

## Pipeline from NKBV to NK GCS III

State : Gujarat	District & Taluka : Mehsana			
Village	Survey No.	He-ctare	Are	Centiare
Katosan	644	0	06	72
	645	0	06	96
	647	0	07	20

[No. O-11027/45/89-ONG-D-III]

K. VIVEKANAND, Desk Officer

नई दिल्ली, 18 मई, 1989

Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

## SCHEDULE

For Anode bed and Cables in Hazira-Bijaipur-Jagdishpur State Gujarat, District- Surat Taluka Mangrol

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cent- teare
Kosamba	435	0	07	45

[No. O-14016/1/89-GP]

का. आ. 1289.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.मं. 213 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को अर्जेंट वेड और केबल्स के लिए अर्जित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अथ, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जेंट वेड और केबल्स के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लि. दर्पण बिल्डिंग, आर सी दत्त रोड, बड़ोदरा सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर	सेंटियर
कोसम्बा	425	0	07	45

[सं. ओ-14016/1/89-जी पी]

New Delhi, the 18th May, 1989

S.O. 1289.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and N.G. S.O. 213 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline, for Anode bed and Cables.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline for Anode bed and cables.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in

का.आ. 1290.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का.आ.मं. 214 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को अर्जेंट वेड और केबल्स के लिए अर्जित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अथ उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जेंट वेड और केबल्स के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लि. दर्पण बिल्डिंग, आर सी दत्त रोड, बड़ोदरा सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर	सेंटियर
शेरपुरा	61	0	06	05
	63	0	02	26
	81/1	0	02	80

[सं. ओ-14016/2/89-जी.पी.]

S.O. 1290.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 214 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline: for Anode bed and Cables.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline for Anode bad and cables.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira Bijapur - Jagdishpur

State : Gujarat, District : Panchmahal Tauka : D. Baria

Village	Survey No.	Hec- tor	Are	Cent- teare
Sherpura	61	0	06	05
	63	0	02	26
	81/1	0	02	80

[No. O-14016/2/89-GP]

का. प्रा. 1291.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. प्रा. सं. 215 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को ग्रेनोड बेड और केबल्स के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार ग्रेनोड बेड और केबल्स के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजह से अप्रतिरोधी ऑफ इंडिया लि. वर्पण बिल्डिंग, आर. सी. दत्त रोड, बडोदरा सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

ग्रेनोड बेड और केबल्स के लिए हजीरा-बिजयपुर-जगदीपुर पाईप लाईन राज्य : गुजरात जिला : बडोदरा तहसील : करजण

गांव	सर्वे नं.	हेक्टर	आर	सेंटीयर
बेमार	350	0	00	80
	355	0	06	72

[सं. ओ-14016/3/89-जी पी]

S.O. 1291.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 215 dated 28th January, 1989 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for Anode bad and cables.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline for Anode bad and cables.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira—Bijaipur—Jagdishpur

State : Gujarat, District : Baroda Taluka : Karjan

Village	Survey No.	Hec- tor	Are	Cent- teare
Vomar	350	0	00	80
	355	0	06	72

[No. O-14016/3/89-GP]

का. प्रा. 1292.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. प्रा. सं. 216 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को ग्रेनोड बेड और केबल्स के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार ग्रेनोड बेड और केबल्स के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजह से अप्रतिरोधी ऑफ इंडिया लि. वर्पण बिल्डिंग, आर. सी. दत्त रोड, बडोदरा, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन कि इस तारीख को निहित होगा।



## अनुसूची

खेनोड वेड और केबल्स के लिए हज़ीरा बीजापुर-जगदीशपुर पाइप लाइन

राज्य—गुजरात, जिला—पंचमहाल तहसील—लीमखेडा

गांव	सर्वे नंबर	हेक्टर	आर	सेन्टीयर
आशान्वरीया	150	0	14	07

[सं. ओ-14016/4/89-जी. पी.]

S.O. 1292.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 216 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline, for Anode bad and Cables.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline. For Anode bad right of user in the said lands shall instead of vesting in and Cables

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

## SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira-Bijaipur-Jagdishpur  
State : Gujarat District : Panchmahal  
Taluka : Limkheda

Village	Survey No.	Hec- tor	Are	Cent- teare
Jadkher	150	0	14	07

[No. O-14016/4/89-G.P.]

क्र.अ. 1293.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना क्र. आ. सं. 217 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को खेनोड वेड और केबल्स के लिए अर्जित करने का अगता आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

1310 GI/89—8.

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार खेनोड वेड और केबल्स के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय गैस अथोरिटी ऑफ इन्डिया लि., वर्ग विस्डिंग, आर. सी. वस्त रोड, बड़ोदरा, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

खेनोड वेड और केबल्स के लिए हज़ीरा-बीजापुर-जगदीशपुर पाइप लाइन

राज्य—गुजरात जिला :—पंचमहाल तहसील :—हालोल

गांव	सर्वे नंबर	हेक्टर	आर	सेन्टीयर
सुलतानपुरा	61	0	02	79
	62	0	06	25

[सं. ओ-14016/5/89-जी. पी.]

S.O. 1293.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 217 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline; for Anode bad and cables.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline. For Anode bad and Cables.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

## SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira-Bijaipur-Jagdishpur  
State : Gujarat District : Panchmahal  
Taluka : Halol

Village	Survey No.	Hec- tor	Are	Cent- teare
Sultanpura	61	0	02	79
	62	0	06	25

[No. O-14016/5/89-GP]

का. प्रा. 1294.—यत्. पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. प्रा. सं. 218 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को खेनोड बेड और केबल्स के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यत्. केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब; अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार खेनोड बेड और केबल्स के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय गैस अथोरिटी ऑफ इन्डिया लि. दर्पण बिल्डिंग, आर. सी. दत्त रोड, बड़ोदरा, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन के इस तारीख को निहित होगा ;

#### अनुसूची

खेनोड बेड और केबल्स के लिए हजीरा-बीजयपुर-जगदीणपुर पार्श्व लाईन  
राज्य—गुजरात, जिला—बड़ोदरा तहसील—बाघोडीया

गांव	सर्वे संवर	हेक्टर	आरे सेन्टिआरे
बाघोडीया	गाडावाट	0	03 75

[सं. ओ-14016/6/89-जी. पी.]

S.O. 1294.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 218 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for Anode bed and cables;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline. For Anode bed and cables;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

For Anode bed and Cables in Hazira—Bijaipur—Jagdishpur State : Gujarat District : Baroda Taluka : Waghodia

Village	Survey No.	Hec- tor	Are	Cent- care
Waghodia	Cart-Track	0	03	75

[No. O-14016/6/89-GP]

का. प्रा. सं. 1295.—यत्. पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. प्रा. सं. 219 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को खेनोड बेड और केबल्स के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यत्. केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब; अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार खेनोड बेड और केबल्स के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय गैस अथोरिटी ऑफ इन्डिया लि. दर्पण बिल्डिंग, आर. सी. दत्त रोड, बड़ोदरा, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन के इस तारीख को निहित होगा ;

#### अनुसूची

खेनोड बेड और केबल्स के लिए हजीरा-बीजयपुर-जगदीणपुर पार्श्व लाईन

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	आरे सेन्टिआरे
बाघपुरा	4	0	05 20
	7	0	02 50
	8	0	01 85
	9	0	04 10

[सं. ओ-14016/7/89-जी. पी.]

S.O. 1295.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 219 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for Anode bed and cables;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline for Anode bad and cables ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

For Anode bad and Cables in Hazira.—Bijaipur— Jagdishpur State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Waghadia

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centi- tare
Vaghpora	4	0	05	20
	7	0	02	50
	8	0	01	85
	9	0	94	10

[No. O-14016/7/89-G.P.]

का. आ. 1296.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पार्श्वलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 220 तारीख 28-1-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सम्बन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को अनोडबैड और केबल्स के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से सम्बन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में सम्बन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अनोडबैड और केबल्स के प्रयोजन लिए एतद्वारा अर्जित किया जाना है ;

और आगे उन धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. वर्णन बिल्डिंग, आर. सी. दत्त रोड बर्डीदरा, सभी बाधाओं से मुक्त रूप से धारणा के प्रकाशन की इस तारीख की तिथि होगी।

अनुसूची

वाघोडीया आई पी सी गैस पाईप लाईन

गांव	सर्वे नंबर	हेक्टेयर	आर	सेण्टियर
हरणा	607	0	35	41
	608/2	0	36	42

[नं. ओ-14016/8/89 जीपी]

S.O. 1296.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 220 dated 28-1-89 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline; for Anode bad and cables ;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline for Anode bad and cables ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

Vaghodia to I.P.C.L. Gas Pipe Line

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Baroda

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centi- tare
Harni	607	0	35	41
	608/2	0	36	42

[No. O-14016/8/89-G.P.]

का. आ. 1297.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में वाघोडीया से आई पी सी गैस पाईप लाईन के परिवहन के लिए पार्श्वलाईन जैसे आर्थोरीटि ऑफ इन्डिया लि. द्वारा बिछाई जाना चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों की अनोडबैड और केबल्स के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित होना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पार्श्वलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवृद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि को नौले पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी

भाफ इन्डिया लि. सर्वण बिल्डिंग, आर सी. वस्त रोड, बड़ोदरा का इस अधिसूचना की तारीख 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित्य यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सूचनाई व्यक्तिगत हो या विधि व्यवसायों को मार्फत।

#### अनुसूची

घनोद बेड और केबल्स के लिए वाघोडिया से आई पा सो. एल गेस पाईप लाईन,

राज्य -- गुजरात, जिला -- बड़ोदरा, तहसील -- बड़ोदरा				
गांव	सर्वेक्षण	हेक्टर	आर	सेन्टिआर
रणोली	गाछावा	0	02	50

[सं. ओ. 14016/9/89-जी.पी.]  
राकेश कक्कर, उप सचिव

S.O. 1297.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Vaghodia to IPCL in Gujarat State pipeline should be laid by the Gas Authority India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto for Anode and Cables.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. Darpan Building R. C. Dutt Road, Vadodara-5.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

For Anodebed and Cables in Waghodia—IPCL Pipe Line

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Baroda

Village	Survey No.	Hec tor	Arc	Cent- teare
Ranoli	Cart-track	0	02	50

[No. O-14016/9/89-G.P.]  
RAKESH KACKER, Dy. Secy.

#### कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1989

क्र. प्र. 1298—केंद्रीय सरकार, राजभाषा (संलग्न शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) अनुसरण में एतद्वारा कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग)

के निम्नलिखित कार्यालयों को जिसके कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया, अधिसूचित करता है :

1. राष्ट्रीय तिलहन और वनस्पति  
सेल विकास बॉर्ड,  
पोस्ट बॉक्स नं. 22, 975,  
सेक्टर-14  
गुडगांव-122001
2. केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म  
पोस्ट बॉक्स नं. 10 हिसार  
(हरियाणा)
3. क्षेत्रीय कार्यालय,  
नेशनल सीड्स कॉर्पोरेशन लि.,  
62 मालवीय नगर,  
भोपाल-462003
4. प्रांतीय कार्यालय, नेशनल सीड्स  
कॉर्पोरेशन लि. 165,  
सिविल लाईन्स, बरेली

[नं. 3-24/86 हि. नी.]

जगदीश प्रसाद, निदेशक (राजभाषा)

#### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 6th April, 1989

S.O. 1298.—In pursuance of sub-rule 4 of rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following officers of the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation), the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. National Oilseeds and Vegetable Oil Development.

Board,  
Post Box No. 22,  
975, Sector 14,  
Gurgaon-122001 (Haryana)

2. Central Sheep Breeding Farm,  
Post Box No. 10,  
Hissar (Haryana)

3. Regional Office,  
National Seeds Corporation,  
62 Malviya Nagar,  
Bhopal-462003.

4. Divisional Office,  
National Seeds Corporation,  
165, Civil Lines,  
Bareilly (Uttar Pradesh)

[No. 3-24/86-Hindi (Neeti)]

JAGDISH PRASAD, Director (OL)

#### धर्म मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 मई, 1989

क्र. प्र. 1299—औद्योगिक विचार अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार डिपार्टमेंटल कैप्टोन सिविल एप्लिकेशन, देहली एयरपोर्ट पावम, नई दिल्ली, के प्रवर्धन से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 28-4-89 प्राप्त हुआ था।

## MINISTRY OF LABOUR

नई दिल्ली, 19 मई, 1989

New Delhi, the 15th May, 1989

S.O. 1299.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Departmental Canteen Civil Aviation, Delhi Airport, Palam, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 28-4-89.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER  
GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I. D. No. 53/87

## IN THE MATTER OF DISPUTE BETWEEN

- (1) Amar Bahadur s/o Shri Padam Bahadur
- (2) Ramesh s/o Shri Bachi Ram
- (3) Joga Lal s/o Shri Hira Lal  
c/o Shri H. K. Pathak,  
1st Floor, Rear Entrance,  
'Caxten House', 2E, Rani Jhansi Road,  
New Delhi-110055.

Versus

The Management of Civil Aviation  
Departmental Canteen,  
Delhi Airport, Palam,  
New Delhi-110010.

## APPEARANCES :

Workmen in person.  
Shri Umesh Kumar for the Management.

## AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-11011/14/86-D.II(A) dated 21st June, 1987 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Departmental Canteen Civil Aviation in terminating the services of S/Shri Amar Bahadur, Ramesh and Joga Lal who were employed as temporary workmen w.e.f. 12-9-85 is legal and in order? If not, to what relief the workmen are entitled to?"

2. As this dispute has ended in settlement it is not considered necessary to set forth in detail the various contentions of the parties. Suffice it to say that the evidence of the parties had already been recorded and the case was at the argument stage when the parties settled the dispute. All the three workmen have been provided fresh employment. Shri Amar Bahadur has been offered the job of Chowkidar at Varanasi Airport, Shri Joga Lal has been offered the post of Chowkidar at the Civil Aviation Training Centre, Aliahabad and Shri Ramesh has been offered the post of Bearer in the National Airport Authority Staff Canteen, I.G.I.A., Palam. The workman have accepted the offer of employment and have stated that they do not want to pursue the present dispute any more. Hence no dispute award is given and this reference stands disposed of accordingly.

G. S. KALRA, Presiding Officer

21st April, 1989.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

21st April, 1989.

G. S. KALRA, Presiding Officer

[No. L-11011/14/86-D.II(B)]

श्री. आ. 1300—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार द्वारा 33-ए के तहत, श्री डी पी वैद्य द्वारा की गई एक शिकायत पर जो, सेन्ट्रल आर्डिनेन्स डिपो, जबलपुर के प्रभुत्व में सन्वद्ध, अनुबंध में नियुक्त केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचायत का प्रभावण करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 10-5-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th May, 1989

S.O. 1300.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in respect of complaint u/s. 33A of the said Act filed by Sh. D. P. Vaidya, UDC Central Ordnance Depot, Jabalpur against the management of Central Ordnance Depot, Jabalpur which was received by the Central Government on the 10-5-89.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(A)(4)/1989

Under Section 33-A of I.D. Act

## PARTIES :

Shri D. P. Vaidya S/o Shri D. C. Vaidya, U.D.C.  
Central Ordnance Depot, Jabalpur—Applicant/Complainant.

Versus

Management in relation  
to the Commandant,  
Central Ordnance Depot,  
Jabalpur (M.P.)—Non-Applicant/Management.

## APPEARANCES :

For Applicant—Shri D. P. Vaidya, Applicant.

For Non-applicant—Shri H. R. Sarote.

INDUSTRY : Ordnance Depot. DISTRICT : Jabalpur.  
(M.P.)

## AWARD

Dated April 24, 1989

This is an application/complaint under Sec. 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

2. It is a common ground that Reference No. CGIT/LC-(R)(164)/87 in respect of a workman, Shri Chandrabhan, and another Case No. 29/88 under Sec. 33-A are pending which were initiated by the Depot Kamgar Union, Central Ordnance Depot, Jabalpur Shri D. P. Vaidya one of the complainants has filed this separate application on 3-3-1989 with the prayer that his case be separated from other applicants in Case No. 2/89 (under Sec. 33-A) pending before this Tribunal. A notice was issued to the Non-applicant management why stay should not be granted but in the meantime Non-applicant relieved the workman vide order dated 3-4-1989. This Court rejected the application for stay as having become infructuous Non-applicant filed their reply on 7-4-1989 and did not produce any documents in support of their reply.

3. It is the further case of the applicant that he is the office bearer of Depot Kamgar Union, Central Ordnance Depot Jabalpur (hereinafter referred to as the Union) and has been declared a protected workman by the management of Central Ordnance Depot, Jabalpur for the year 1985-86 to 1988-90 vide Annexures A to D in accordance with Rule 61 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. That during the pendency of above referred industrial dispute he was working as I/C

Receipt in Control (A) of C.O.D. Jabalpur vide letter dated 9th May 1985 (Annexure E) which entitled him a special pay of Rs. 35 p.m. with effect from 1st April, 1985 as per D.P.C. Panel dated 23-2-1985 (Annexure F). N. A. issued a letter dated 10th May 1985 that till the finalisation of Disciplinary proceedings contemplated against the workman he is deprived of to draw the Special Pay of Rs. 35 p.m. This was done by the N.A. with the ulterior motive and with mala fide intention in violation of the provisions of Sub-section (3) of Sec. 33 of the I.D. Act by changing the service conditions of the workman who was a protected workman which amounted to unfair labour practice.

4. Further more the N.A. vide their order dated 3rd January 1989 (Annexure H) transferred the workman applicant from Control (a) to Control (O) with the mala fide intention under the garb of following the management policy which also amounts to unfair labour practice within the meaning of Part I Sl. 7 of Schedule V of the I.D. Act. It is the further case of the workman that on 3rd January 1989 when the arguments were being addressed by Shri D. P. Vaidya in case No. CGIF/LC(C)(29) 1988 the officers of the N.A. were present. Annoyed of his arguments he was transferred as above, hence this complaint for the appropriate orders and reliefs.

5. The case of the N.A. is that there is no change in the conditions of service of the applicant/complainant. He holds the post of U.D.C. which is being still held by him in the same Central Ordnance Depot. He was transferred in the exigency of service which is the prerogative of the management from one section to another. The application is, therefore, not maintainable.

6. The claim of the applicant/complainant to draw special pay of Rs. 35 p.m. was withdrawn as disciplinary proceedings were pending against him. He had filed a case under Sec. 15 of the Payment of Wages Act which was rejected by the Labour Court in Case No. 12/86 vide order dated 21-9-1987. This order has become final between the parties. Therefore he is not entitled to get special pay which is attached to the post and granted under F.R. 9 (22) which cannot be claimed as of right. It is not true that there was conspiracy between the N.As to transfer him or that it amounted to unfair labour practice. As a rule and in the exigency of service the workman is liable to be transferred to any place in India being a Central Government employee.

7. The points for determination before me are—

1. "Whether the applicant workman is a protected workman for the purpose of Sub-section (3) of Sec. 33 of the I.D. Act?
2. If so, whether the stoppage of his Special Pay and his transfer from one post to another during the pendency of the aforesaid proceedings amounts to infringement of Sub-section (3) of Section 33 and it amounts to unfair labour practice under the I.D. Act, 1947.
3. If so, to what relief if any the workman applicant is entitled?

Findings with reasons:—Points No. 1 to 3.—

8. Workman Shri D. P. Vaidya was the Treasurer of the said Union from the year 1985-86 to 1988-89 and he was so recognised by the N.A. as is apparent from Annexure A to D, in accordance with Rules made in this behalf. N.A. neither filed any documents nor adduced any evidence to rebut the case of the workman. Therefore it is proved that he was a 'protected workman'. The relevant provision on which the applicant has placed reliance is Sub-section (3) of Sec. 33 of the I.D. Act which for the sake of convenience is being reproduced below:—

"(3) Notwithstanding anything contained in sub-section (2), no employer shall during the pendency of any such proceeding in respect of an industrial dispute, take any action against any protected workman concerned in such dispute—

(a) by altering, to the prejudice of such protected workman, the conditions of service applicable to

him immediately before the commencement of such proceedings; or

(b) by discharging or punishing, whether by dismissal or otherwise, such protected workman,

save with the express permission in writing of the authority before which the proceeding is pending.

Explanation.—For the purposes of this sub-section, a "protected workman", in relation to an establishment, means a workman who, being (a member of the executive or other office bearer) of a registered trade union connected with the establishment, is recognised as such in accordance with rules made in this behalf.

Workman has relied on the case of Air India Corporation, Bombay Vs. V. A. Reballow (1972-I-LLJ p. 501) wherein it has been laid down —

"Sub-section (3) protects "protected workman" and the reason is obvious for the blanket protection of such a workman. The Legislature in his case appears to be anxious for the interest of healthy growth and development of trade union movement to ensure for him complete protection against every kind of order of discharge or punishment because of his special position as an officer of a registered trade union recognised as such in accordance with the rules made in that behalf. This explains the restricted protection in sub-ss. (1) and (2)."

9. On the other hand, the contention of the N.A. is that Case No. 2/89 (under S. 33-A) is not an industrial dispute. His special allowance was withdrawn as disciplinary proceedings were contemplated against him. In any case, transfer of the workman from one post to another in the same station is the prerogative of the management and it does not amount to change of service conditions.

10. The plea of the workman is that the Case No. 2/89 (Under Sec. 33-A) has been relied on to show the vindictive act and the victimisation by the N.A. It has also been pointed out on behalf of the applicant that Reference No. 16/86 of Shri Chandrabhan a temporary labour whose services were terminated was sponsored by the General Secretary of Depot Kamgar Union C.O.D. Jabalpur of whose the applicant workman was a Treasure. The law referred above affords blanket protection to any of the members of the executive of the Union as a matter of policy to protect the interest of the office bearers of the Union. It has been further pointed out that the applicant was authorised to draw a special pay of Rs. 35/- p.m. with effect from 1st April, 1985 vide order dated 23rd February, 1985 (Annexure F). Annexure E further goes to show that in view of the above order of the N.A. Shri D. P. Vaidya of Control (A) was reported to have been entrusted with the duties of complex nature as I/C Receipt Section with effect from 1-4-85. Letter dated 10th May, 1985 goes to show that he was disentitled to draw the special pay of Rs. 35/- p.m. till the finalisation of the disciplinary proceedings (vide order dated 10th May, 1985 Annexure G). This goes to show that the management had granted special pay from 1st April, 1985 (Annexure F & E) and it was withdrawn vide order dated 10th May 1985 (Ann. G). This amounts to changing the service condition of the protected workman.

11. On behalf of the N.A. it has been contended that this Special pay was withdrawn on account of disciplinary proceedings earlier and the claim of the workman under the P. W. Act was rejected in case No. 12/86 vide order dated 21-9-1987. In this regard I find that the management has not filed any record to show the result of Case No. 12/86 or the order dated 21-9-1987. In the absence of record this contention cannot be accepted. However, assuming for the sake of arguments that the contention of the N.A. may be true in connection with some earlier case but as already pointed out Annexure F to G go to show that this transpired between 23rd February, 1985 and 10th May 1985 at the time when the applicant was admittedly a protected workman during the period. In this regard the plea of the management

is that the special pay is attached to the post and not the person therefore its withdrawal does not amount to change of service condition. As a normal rule this may be true but in the case of a protected workman law as laid down above throws a blanket cover which means 'protection' whether it is a case of withdrawing special pay or some allowance or termination or dismissal or punishment. In this connection the relevant words of Sub-section (3) of Sec. 33 (quoted above) are material which clearly says that —

"Notwithstanding anything contained in sub-section (2), no employer shall during the pendency of any such proceeding in respect of an industrial dispute, take any action against any protected workman concerned in such dispute (underlining is done by me)."

Therefore if any action is taken against the protected workman by altering to the prejudice of such protected workman conditions of service applicable to him immediately before the commencement of such proceedings without express permission in writing of the authority before which the proceeding is pending, it contravenes the provisions of Sub-section (3) of Sec. 33 of the I. D. Act. Therefore during the pendency of Reference Case No. 164/87 if the special pay is withdrawn it contravenes the said provisions of the I. D. Act.

12. However, in the alternative assuming for the sake of arguments that the punishment awarded of withdrawing the special pay was on account of some proceedings anterior to the reference under consideration, the question still remains whether the order of transfer of applicant during the pendency of the above reference contravenes the provision of Sub-section (3) of S. 33 and amount to unfair labour practice.

13. In this regard the plea of the management is that special pay cannot be claimed as of right, it is attached to the post and not to the person. To my mind, this itself goes to show that the N. A. were aware that the allowance is attached to the post therefore transfer of the workman (resulting in withdrawal of the allowance) amounts to taking action against the protected workman by altering his service condition to his prejudice. Therefore it contravenes the provision of Sub-section (3) of Section 33 of the I.D. Act.

14. Coming to the transfer order, no doubt it is the prerogative of the management to transfer their employees but in the case of protected workman a blanket cover is thrown for his protection so that the management may not victimise the office bearer of a Union as has been laid down in the case of Air India Corporation (Supra). Clause 7 of the Fifth Schedule lays down that it amounts to unfair labour practice to "transfer a workman mala fide from one place to other under the guise of following the management policy". This is exactly what has happened in the instant case that under the guise of following the management policy of exigency of service or requirement of the management to transfer a protected workman mala fide from one place to other amounts to unfair labour practice.

15. It is the contention of the N. A. management that in any case the transfer does not amount to be mala fide one because it is on the same post and in the same station. As such the allegation of mala fides or victimisation cannot be imputed. I am of the opinion that though the transfer is on the same post and in the same station but the consequences are far reaching. It is not the case of the N.A. management that the other post also carries special allowance. Therefore this transfer will deprive the applicant of special allowance for ever which will not only amount to taking an action against a protected workman by altering to the prejudice of such protected workman the condition of service applicable to him immediately before the commencement of such proceedings but it will also amount to unfair labour practice within the meaning of Sl. 7 of Schedule V as it will also amount to mala fide transfer under the guise of following management's policy.

16. In the case of I. H. Sugar Factories & Oil Mills Ltd. Vs. State of U.P. (1961-1-LJ p. 686 to 696-Civil Misc. Writ No. 755 of 1961 dated 22nd Feb. 1961) decided by Allahabad High Court it has been held that "any systematic attempt by the employer to use his powers of management to disrupt the trade union of his employees will be condemned by the court as unfair labour practice." It has been further laid down that "what is unfair labour practice or victimisation is a question of fact to be decided by a labour tribunal upon the circumstances of each case." In the case of I. H. Sugar Factories (supra) case of Rohtas Industries Ltd. Vs. Brijnathan Pandey (1956-11-111 444) was referred wherein it was held :—

"That an industrial tribunal is not fettered by the law of contract or the terms of agreement between the employer and the employee and it may create new obligations or modify contracts in the interest of industrial peace, to protect legitimate trade union activities and to prevent unfair labour practice or victimisation."

Similarly in the case of Bharat Bank Ltd. New Delhi Vs. the Employees Union, Delhi (1950 SC 948 & 949) it has also been held that a labour tribunal can confer rights and privileges on either party which it consider reasonable and proper. It can create new rights and obligations between them.

17. As far the contention that there is a pending enquiry against the workman it will suffice to cite the case of V. Jageswar Rao Vs. Post Master General Andhra Circle (1978 Sl 201) wherein it has been held that "in any event pendency of the disciplinary proceedings cannot be a ground for overlooking the petitioner when he has been otherwise found suitable for promotion even by the Departmental Promotion Committee." In the instant case also the D.P.C. had found the workman fit to be granted special pay, yet it has been withdrawn even before conclusion of the enquiry.

18. For the reasons discussed above I find that it is proved that the act of the management amounts to infringement of Sub-section (3) of Section 33 and Sl. 7 of Schedule V of I. D. Act. Therefore it is liable to be set aside with a direction to the N.A. management to restore the protected workman Shri D. P. Vaidya, to Control (A) of Central Ordnance Depot and grant him special pay of Rs. 35/- which has been disallowed vide letter No. 27584/UDC/SP/Adm.(Civ) dated 10th May, 1985.

19. Consequently, the applicant workman is entitled to an award under Sec 33-A of the I. D. Act. I accordingly give my award as under :—

1. That the applicant workman Shri D. P. Vaidya, be restored to Control (A) of Central Ordnance Depot, Jabalpur.
2. That the workman, Shri D. P. Vaidya, be allowed to draw special pay of Rs. 35/- from the date it has been disallowed i.e. from May, 1985.
3. No order is made as to costs.
4. The arrears be paid within one month from the date of publication of this award.

V. S. YADAV, Presiding Officer

[No. Z-13011/2/89-IR (DU)]

को.आ. 1301—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार माउथ सेन्ट्रल रेलवे हवेली के प्रबन्धन में सम्बद्ध निरीक्षकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, बैंगलोर के पंचाट को प्रस्तुत करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 10-5-89 की प्राप्ति हुआ था ।

S.O. 1301.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Central Railway, Hubli and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-5-89.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT BANGALORE

Dated 27th Day of April, 1989

Central Reference No. 157/87

#### I PARTY

Shri Honnappa Venkappa  
Khalasi (Sweeper)  
Indranagar,  
Hubli-20

Vs.

#### II PARTY

Divisional Railway Manager  
South Central Railway,  
Hubli.

#### APPEARANCES :

For the I Party Shri Anant P. Sacedi, Advocate.

For the II Party Shri P. P. Hiremath, Advocate.

#### AWARD

By exercising its powers under Section 10(1) (d) of the I. D. Act, the Government of India, Ministry of Labour made the present reference on the following point of dispute by its order No. L-41012/8/86-D. II(B) dated 21st September, 1987.

#### POINT OF REFERENCE

"Whether the action of the management of South Central Railway, Hubli in terminating Mr. Honnappa Venkanna C & W. Khalasi Sweeper from service is legal and justified? If not, whether he is entitled to reinstatement and of any other relief?"

2. The I party workman has filed his claim statement and his statements, in brief, are as follows.

The I party workman was employed in the II party Railways and he has put in service of 28 years. By letter dated 1-12-1977, the Divisional Mechanical Engineer dismissed him from service with effect from 25-12-1977. It was alleged that he was guilty of remaining unauthorisedly absent on several occasions without taking prior permission from the competent authority. He was suffering from Asthma and he used to take treatment in the Railway Hospital. Proper Chargesheet was not issued to him. Principles of natural justice were not observed. The Divisional Mechanical Engineer was not competent to pass the order of dismissal. He never remained absent unauthorisedly. He did not commit any misconduct. Hence, it is prayed that the order dated 25-12-1977 may be held as null and void. It may be held that the order of dismissal dated 25-12-1977 is illegal and that he may be reinstated with back wages and costs.

3. The II party has filed its counter statement and its contentions, in brief, are as follows :

There is a separate forum such as administrative Tribunal for the present dispute; and the jurisdiction of this Tribunal is barred under the provisions of the Administrative Tribunal Act 1985. He has raised the dispute after 11 years and since there is delay and laches, he cannot claim relief.

Divisional Mechanical Engineer the competent authority and he has been dismissed from service by due presence of law. It is not true and correct that he was suffering from Asthma and that he was taking any treatment in any hospital. It is not true that he had never remained absent unauthorisedly or that he did not commit any act of misconduct. He remained unauthorisedly absent between March 1976 and December 1976 and he was removed from service from 25-12-77. He had preferred an appeal dated 26-12-77. He was given full opportunity in the domestic enquiry. He had accepted the charges. He pleaded that his absence was due to his illness. The Appellate authority considered his case carefully and taking a sympathetic view, he was re-appointed as a fresh entrant on the scale of Rs. 196-232 by order No. H/P. 90/460 dated 21-11-1978. He accepted the same and commenced working from 9-12-1978 but again remained absent unauthorisedly from 14-1-1980 and even on 31-10-1980. As per rule 732 if an employee remains absent after exhausting all kinds of leave, it is deemed that he has relinquished his service. It was deemed that he had resigned from his job with effect from 16-9-1980 as per the order dated 1-1-81. He is not entitled to any relief.

4. One preliminary issue was framed in view of the said pleadings as follows :

"Whether this Tribunal has no jurisdiction to entertain the matter, as contended by the II party".

5. The parties were heard on the same.

6. An order is passed on the same on 5-7-88, stating that the said point of law has been already decided by this Tribunal in C. R. 155/87 and for the same reasons, it has been held that this Tribunal has the jurisdiction.

7. On the merits of the case, the II party has examined one witness and has got marked Exs. M-1 to M-12.

8. The I party has not adduced any evidence.

9. My finding on the point of reference is as follows :

It is not a case of termination of service of Mr. Honnappa Venkanna C & W. Khalasi, Sweeper, but it is a case of deemed resignation. However, it is found that under Section 11-A of the I.D. Act, he should be given relief as shown below.

#### REASONS

10. The evidence of MW-1 Dorayavar shows that the I party workman was working as a Khalasi and that he remained unauthorisedly absent from March 1976 to December 1976 and therefore he was removed from service. In that connection, he has produced the records at Exs. M-1 to M-12. The attendance record at Exs. M-1 and M-2 support the evidence of MW-1 that the I party used to remain absent often and unauthorisedly. The evidence of MW-1 then shows that the I party had filed an appeal as per Ex. M-3 and in view of the contentions raised by him, he was sent to the doctors for medical check-up. Ex. M-4 is the letter showing that he had been sent for medical check-up. Exs. M-5, M-6 and M-7 show that there were reminders in that connection and he was asked to pay Rs. 8/- as the medical examination fee. The evidence of MW-1 then shows that he did not go and appear before the Medical Officer in the first instance and therefore a reminder was sent as per Ex. M-5 and since no reply was sent as per Ex. M-6. His evidence further shows that when a subsequent notice was sent as per Ex. M-8, he paid the amount and got himself checked-up. It is an admitted fact that then he was reinstated and that he worked from 24-11-78 but again abandoned his duties from July 1980. Exs. M-9 and M-10 are the documents showing his absence in 1980. Ex. M-8 dated 21-11-1978 is the order passed in the appeal filed by the workman as per Ex. M-3. The order passed in Ex. M-8 reads as follows :

"purely on mercy consideration, he may be given a chance as a fresh entrant. It may be decided that he may be considered for appointment as a fresh entrant as a C & W Khalasi on pay of Rs. 107/-



in the grade of Rs. 196-232. If he accepts the above, please report to CTxR[UBL].

The evidence of MW-1 implies that the workman had accepted the said order and had reported to duty on 24-11-1978. MW-1 has further sworn that on 1-1-1981 he was demoted from service and a notice as per Ex. M-11 had been sent to him in the cover Ex. M-11 (a), but that it was returned to the sender for want of complete address.

11. Ex. M-12 dated 24-2-1986 is an application submitted by the I party, seeking for voluntary retirement with full benefits. He has prayed for mercy and has stated that he was absent due to long illness from 1976 and has requested to accept his case as a case for voluntary retirement.

12. The workman has not been examined before me. The order of reference is on the point whether the management has terminated his service and whether it is legal and justified. In the claim statement, the workman has contended that his service has been terminated with effect from 25-12-1977. It is reiterated that as per Ex. M-8 dated 21-11-78, he had been re-appointed and that he accepted such appointment and in fact worked for several months on the strength of that appointment. The challenge made by him against the order dt. 25-12-77 is not at all the subject matter of reference. The I party is aggrieved by the order dated 1-1-81 at Ex. M-11 (a) and there is inherent defect in the case of the I party in as much as he has challenged the order dt. 25-12-77 only. The order at Ex. M-11 (a) is self-evident on the point that it has been passed under Note 2 below Exception 2 of Rule 732-R. On going through the evidence, I find that the order passed by the II party is justifiable, since there is no explanation at all for his continued absence after he was re-appointed, as per Ex. M-8. Subject for the Relief shown as follows.

13. The provisions of Section 11-A of the I.D. Act would indicate that in cases wherever it is deemed expedient, the Tribunal can alter the final order passed by the management. One cannot lose sight of the fact that he has put in several years of service and that he was nearing retirement. The alleged misconduct on the previous occasion was also of absenteeism only. The management had been indulgent enough to provide him an opportunity but it is not known as to why he did not present himself. However, he has pleaded that he was suffering from Asthma and he was under medical treatment. Taking into account all these circumstances, I am of the view that the prayer made by him in Ex. M-12 deserves to be accepted.

14. The learned counsel for the I party strongly contended that there was no chargesheet issued to the workman, no notice was issued and no retrenchment compensation was paid before his service was terminated and that the action of the management is illegal. The management has contended that it has been deemed that he has resigned his appointment as per Note 2 to Exception 2 to Rule 732 and for treating the workman to have deemed to have resigned, there was no necessity to issue any chargesheet or to hold any enquiry. The learned counsel for the I party submitted that the authorities of Tulasiram, Robert D'Souza and S. K. Varma show that the I party is entitled for reinstatement and back wages. He was requested to make available at least the back copies of the authorities. They have not been made available. It is difficult to appreciate the contentions raised by him.

15. From the pleadings and evidence produced by the management it is manifest that the I party workman himself abandoned his work and that the II party Railways was amply justified in treating him same as deemed resignation as per Note 2 to exception (ii) to Rule 732, except for the relief granted herein below.

16. In the result, an award is passed to the effect that it is no a case of termination of service of Mr. Honappa Venkanna, C&W Khalasi Sweeper by the management of South Central Railway, Hubli but that it is a case of deemed resignation for continued unauthorised absence.

However, under Section 11-A of the I.D. Act relief is awarded to the effect that the management shall treat that his service has come an end on 25-12-1977 and as a result of his own voluntary resignation as per Ex. M-12, and secondly he shall be paid all the terminal and other benefits.

(Dictated to the Stenographer, taken down by her, got typed and corrected by me.)

B. N. LALGE, Presiding Officer

[No. L-41012/8/85-D.II (R)]

का. भा. 1302—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार जनरल मैनेजर बैंक नोट प्रेस, देवास के प्रबन्धकों में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-5-89 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1302.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of General Maager, Bank Note Press, Dewas Government on the 10-5-89

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M. P.).

Case No. CGIT/IC(R)(9)/1987

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank Note Press, Dewas and their workman Shri Arjun Dayal Nagar C/o. Shri B. K. Nagar, 5, Usha Phatak, Indore (M.P.).

#### APPEARANCES :

For Workman.—Shri M. L. Sabbarwal.

For Management—Shri B. G. Nama, Advocate.  
INDUSTRY : Bank Note Press DISTRICT : Dewas (M.P.).

#### AWARD

Dated : 24-4-1989.

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, made by the Central Government referring the following dispute for adjudication vide Notification No. L-16012/2/85-D.II(B), dated the 20th January, 1987 :—

#### SCHEDULE

“Whether the action of the management of General Manager, Bank Note Press, Dewas in removing Shri Arjun Dayal from employment vide their order dated 13-11-1983 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?”

2. On receipt of the order of reference, parties filed their respective pleadings and documents and written arguments. It is common ground that the workman Shri Arjun Dayal was appointed in Bank Note Press, Dewas w.e.f. 20-9-1973 as a Sweeper. He was earlier charge-sheeted for his unauthorised long absence from 4-4-76 to 22-6-77 and he was issued a show cause notice dated 4-12-77 for removal from service. However, at that time there was problem arising out of implementation of Group Incentive Scheme. When the Union agreed to accept the said scheme, as a gesture of goodwill, the management agreed to withdraw

all the pending cases against the employees, as such the notice dt. 4-12-77 against the workman was also withdrawn.

3. He was again suspended for drunken and riotous behaviour during duty and charge-sheeted on 10-4-79. He was issued a show cause notice for removal from service. However, the workman submitted a mercy appeal, therefore he was only awarded the punishment of reduction of his pay to the minimum of the scale of Rs. 196—232 with cumulative effect.

4. The case of the management further is that the applicant did not show any improvement in his attendance of behaviour. He again absented himself from March, 1982 and did not resume his duty in spite of notices dated 29-3-82 and 22-5-82. He was, therefore, charge-sheeted vide memo dated 1-8-82 for long and unauthorised absence from duty.

5. This charge-sheet was sent to him on his known residential address and also on his permanent address but it was received back undelivered. Therefore, a formal enquiry was ordered and Shri Ashok Saxena was appointed as Enquiry Officer.

6. Enquiry Officer issued a memo for appearance and workman appeared and accepted the charges. Enquiry Officer submitted his report on the basis of which Disciplinary Authority imposed a penalty of removal from service. His appeal and review petition were also rejected by the General Manager on perusal of record of enquiry.

7. The management has further alleged that during his absence he was arrested by the police for offence of robbery U/s. 392 of I.P.C. and done Shri M.C.K. Chourasia had also complained that the workman had threatened him under drunken state and had broken glasspanes of his shop on 4-9-83, but the management took no steps because he was already facing an enquiry for major misconduct.

8. The management has taken a preliminary objection that Bank Note Press is performing sovereign function of printing currency bank notes therefore it is not an industry and this Court as such has no jurisdiction.

9. The case of the workman is that his previous and subsequent conduct is irrelevant for the purpose of this case. His case further is that he had some urgent work, therefore, he proceeded on leave w.e.f. 28-2-82 and as per the prevalent practice he submitted his leave application to Head Sweeper Shri Inderlal who failed to inform him that his leave application has been rejected. After sometime he fell seriously ill and his family resorted to treatment by Folkism system by traditional methods. On recovery was not allowed to join his duties instead he was subjected to departmental enquiry. He has not been paid his salary and allowances though he was removed from service w.e.f. 13-11-83.

10. Bank Note Press is an industry and this Tribunal has jurisdiction to entertain this dispute.

11. The workman has challenged the enquiry on various grounds and in the interest of avoiding repetitions I will take them at their appropriate stage.

12. I framed the following issues which with my reasons and findings are given below :—

### ISSUES

1. Whether the enquiry held was fair and just and if not, what is the effect ?
- 2(a) Whether the removal from service was justified on facts of the case ?
- 2(b). If not, to what relief the workman is entitled ?

Reasons for my findings :

Before I take up the issues I will like to cite a decision of our own High Court of M. P. that Security Paper Mill is an industry for the purpose of Sec. 21 of the I.D. Act. This case settled the objection of the management in the case of G. M., Security Paper Mill Vs. Hari Shankar reported in 1979 J.L.J. 559.

13. I will next take up issue No. 1 and 2(a) and (b). At the outset the so called domestic enquiry has been challenged on the ground that it was only a preliminary enquiry commonly known as fact finding enquiry, therefore, it could not have been converted and treated as regular domestic enquiry in order to inflict major punishment of removal from service. I have gone through the original enquiry papers and I find that the contention cannot be said to be baseless. The Enquiry Officer Shri Ashok Saxena not only in his enquiry report but also on his proceedings dt. 15-10-82 has mentioned :

“श्री प्रज्ञादयाल स्वीपर (मकई बाग) को दिनांक 5-10-82 को जापन देकर 15-10-82 को प्रारम्भिक ऑन हेतु, महाहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में प्राप्त 10 बजे बुलाया था”

Same thing is repeated in proceedings dated 15-10-82 and 10-2-83. This shows that he treated this as a preliminary fact finding enquiry. This also find support from the way learned Enquiry Officer conducted the proceedings. Instead of reading out the charges and asking him whether he admits his guilt or claims to be tried, he straight away started questioning the workman. In fact he cross-examined him and based his findings on his reply. Thus it is apparent that the enquiry was not conducted in accordance with well established procedure as per the C.C.S.(C.C.A.) Rules.

14. Next it has been pointed out that no charge-sheet was received by the workman. During the enquiry, as has been admitted by the management in para No. 4 of their rejoinder dated 1-7-87, wherein management has stated that the charge-sheet was sent under registered cover to his home addressed which was received back unserved with the remark “Not available at given address.” Such a case came up for consideration before Hon'ble Supreme Court in the case of Beta Shoe Co. Ltd. Vs. D. N. Ganguly reported in AIR 1961 SC 1158 1961 SCL Page 3322) :

“Where charge-sheets sent to workman returned unserved, the proper course for the company is to publish notices in some newspapers in the regional language, in the absence of a provision in the Standing Orders for their display in the notice board of the company. When that course is not adopted it must be held that the workman had no notice charges against them and the date by which they had to submit their explanation and the date of enquiry. In this case the dismissal order cannot be upheld.

15. In the instant case C.C.S. (C.C.A.) Rules No. 14 provide that a chargesheet should be issued and the Enquiry Officer shall ask him whether he admits the same or deny it. The Enquiry Officer even at the stage of enquiry did not draw the attention of the workman towards the charge-sheet which was returned undelivered.

16. Thus the enquiry has neither been conducted in accordance with principles of natural justice nor in accordance with Rule 14 of the C.C.S. (C.C.A.) Rules. The enquiry is, therefore, liable to be vitiated on the two grounds mentioned above alone. However, I will point out certain other irregularities committed during the enquiry by the Enquiry Officer as well as by the disciplinary authority.

17. Firstly the proceedings dated 1st December, 1982 goes to show that the workman had demanded the help of defence assistant and the workman has named Shri S. P. Verma, L.D.C. but a condition was put that he should produce not only his consent but also the consent of his Head of Department. It appears that he could not do so, therefore, ultimately on 10th February, 1983 he was compelled as it appears, to defend himself without the help of defence assistant. The result was that instead of Management proving his case

first the workman had to defend himself by facing cross-examination.

18. The proceedings dated 10th February, 1983 go to show that the workman had not specifically admitted the guilt but in fact he had tried to justify his absence on account of illness, inability to inform as per procedure on account of illiteracy and knowledge of procedure. This, therefore, should not have been taken as acceptance of his guilt.

19. Even the Enquiry Officer in his report has stated :

“प्राथी ने अपने को कर्तव्य से बिना सूचना दिये जाने से इंकार किया एवं सूचना उसने आपने हेड स्वीपर श्री इंदरलाल को दी थी। उसके बाद श्री अर्जुन बंधान बीमार हो गये”

The Enquiry Officer further goes on to say in the last para:

“प्राथी के कम परीक्षित होने से एवं निन्दनों को अनुमति मिलने की वजह से इस प्रकार की गलती हुई और प्राथी 28-2-83 से अनुपस्थित रहा, जिसे उसने स्वीकार किया मगर प्रविध्य में इसे न करने का आश्वासन दिया”

To my mind this qualified statement justifying his absence could not have been taken as his admission by the Enquiry Officer.

20. The Disciplinary Authority in his order-sheet dated 24th February, 1983 has realised this position and returned the file to the Enquiry Officer with the remark that he should give clear findings whether the charges are proved or not. Without doing any thing further the Enquiry Officer wrote back on 10th April, 1983 that the charges are proved on his admission. The Disciplinary Authority accepted this and passed the impugned order of dismissal.

21. From the above it is crystal clear that the workman was not only denied reasonable opportunity to defend himself but all canons of natural justice, fairplay and procedure were flouted and thrown to the wind. In fact, it appears that he was meted with this severe penalty for his past and subsequent conduct which was neither the subject matter of enquiry nor any material was placed for the workman to give his explanation in that regard.

22. The workman was not also granted any opportunity to prove his defence by examining the Head Sweeper. Thus the principles of natural justice has also been violated in this case.

In view of above I need not decide Issue No. 2(a).

23. Looking to the facts of the case it is rather unfortunate that in their pleadings throughout Management nowhere pleaded that if the enquiry is held to be vitiated on any ground, the Management be given an opportunity to prove misconduct before this Tribunal. Therefore, by simply taking this stand in the written arguments does not entitled the management to prove misconduct before this Tribunal as has been held in the case of Shambhu Nath Vs. Bank of Baroda (AIR 1984 S.C. 289).

24. As such, as a normal course workman is entitled to be reinstated as the domestic enquiry stands vitiated but looking to the fact that the workman himself is partly responsible for removal and further looking to the fact that he has already suffered by way of removal of service w.e.f. 13th November, 1983, it will meet the end of justice if the workman is disallowed his back wages including the wages for his absence without sanction of his leave from 28th February, 1982.

25. Consequently I answer the reference as under :

The action of the management of General Manager, Bank Note Press, Dewas in removing Shri Arjun Dayal from employment vide their order dated 13th November, 1983 is unjustified. The workman is, therefore, entitled to be reinstated w.e.f. 13th November, 1983 but without back wages. However he will be entitled to wages on reinstatement which he was getting prior to the date of termination.

No order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer

[No. L-16012/2/85-D. II(B)]

का. प्र. 1303--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रिय सरकार की आर एम वेस्टर्न रेलवे, राजकोट के प्रबंधन से सम्बद्ध विवादों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट को प्राप्ति करता है, जो केन्द्रिय सरकार का 5-5-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1303.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of D.R.M., Western Railway, Rajkot and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May 1989.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI G. S. BAROT B.Com., LL.B., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT AHMEDABAD.

Reference (ITC) No. 1 of 1986

ADJUDICATION : BETWEEN

Management of Divisional Railway Manager, Western Railway, Rajkot FIRST PARTY

AND

Their workmen SECOND PARTY

In the matter of terminating the service of Sh. Suresh Kantilal, etc. and transfer allowance to Shri Bhikha Chhagan.

## APPEARANCES :

Shri Satram das, A.P.O., W. Rly, Rajkot for the first party; and

Sarvashri S. B. Nigam and B. K. Sharma for the second party.

## AWARD

The industrial dispute between Management of Divisional Railway Manager, Western Railway, Rajkot and their workmen has been referred for adjudication to me u/s. 10(1)(d) read with Section 10(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947, by Government of India, Ministry of Labour, New Delhi. Order No. L-41011/5/85-D.II(B) dt. 16-1-86, in respect of the following two demands.

- “1. Whether the action of the management of Divisional Railway Manager, Western Railway, Rajkot in terminating the service of Sh. Suresh Kantilal with effect from 25-9-82 and further in not paying him wages for the intervening period after his re-employment is justified? If not, to what relief the workman is entitled and with what effect?
2. Whether the action of the management of Divisional Railway Manager, Western Railway, Rajkot in not paying transfer Allowance to Shri Bhikha Chhagan, Temporary Khallasi of the office of IOW, Mehsana on his transfer from Mehsana to Patan and then from Patan to Mehsana is justified? If not, to what relief he is entitled?”
2. The sponsoring union Panchim Railway Karmachari Parishad, hereinafter referred to as ‘the union’ has filed its statement of claim at ex. 2 wherein it has stated inter alia that so far as demand no. 1 is concerned Shri Suresh Kantilal is working as a temporary khallasi since 2-12-79 under Inspector of Works, Kailol; that he was terminated with effect from 21-9-82 in violation of the provisions contained in S. 25F, 25G of the Industrial Disputes Act, hereinafter referred to as ‘the Act’ and Rule 78 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, hereinafter referred to as ‘the Rules’; that at the time of termination of Shri Suresh, his junior Shri Galaji Ashaji was continued; that on the representation being made by Shri Suresh he was again re-employed on 3-11-83. The grievance of Shri Suresh is that the order of terminating being illegal, he should be paid wages for the period he remained unemployed i.e. from 26-9-82 to 2-11-83 with all the consequential benefits treating him to be in continuous service all through out.
3. So far as demand no. 2 is concerned, the say of the union is that Shri Bhikha Chhagan is working as temporary casual labour in the office of Inspector of Works, Mehsana; that he was transferred from Mehsana to Patan and retransferred from Patan to Mehsana; that he has not been given transfer allowance on both the occasions which is illegal, unjust and against the rules and principles of natural justice. The grievance of Shri Bhikha is that the action of the Railway in not granting him transfer allowance being illegal and unjust, the same should be granted to him.
4. The Railway has filed its written statement at ex.4 wherein it has been stated inter alia so far as demand no. 1 is concerned that Shri Suresh was served with termination notice due to non-availability of work. It has admitted that retrenchment compensation etc. has not been paid to him. It has further submitted that as soon as the work was available on 13-6-83 a notification was published on notice board for their engagement and when Shri Suresh turned up for work on 4-11-83 he was taken on duty. The Railway is prepared to grant him leave from 25-9-82 to 13-6-83, if leave is due to him and if he so desires. So far as demand

no. 2 is concerned, the Railway has stated in its written statement that on account of posting of a regular candidate under IOW-Patan there was no provision to continue Shri Bhikha and therefore instead of terminating him, the Railway offered employment under other subordinate office, viz., IOW-Mehsana and further contended that there is no provision under the Rules to grant him transfer allowance. However, as a special case, Shri Bhikha has been granted transfer allowance for his transfer from IOW-Patan to IOW-Mehsana.

5. None of the parties have led any other oral as well as written evidence.

6. One Shri Satram Das A.P.O., W. Rly, Rajkot has appeared on behalf of the Railway and Sarvashri S. B. Nigam and B. K. Sarma have appeared on behalf of the union for the workmen concerned.

7. At the bar Shri Sharma so far as demand no. 1 is concerned has stated that Shri Suresh has put in more than 10 years of service. Shri Suresh has not been paid retrenchment compensation at the time of his termination as required u/s. 25F of the Act. Again, the Railway has not followed provisions contained in S. 25G of the Act in as much as his junior Shri Galaji was continued in service while Shri Suresh though senior to Shri Galaji was retrenched. Thus principle of last come first go has not been followed. Again, when the Railway recruited certain persons on 6-6-83 they failed to intimate the employee concerned for recruitment as required under Rule 78 of the Rules. So far as the concession extended by the Railway that leave due will be granted to Shri Suresh, the union has stated that when the Railway has contravened the provisions of law, it should grant full payment instead of leave due and some compensation also should be paid in cash. So far as demand no. 2 is concerned the union has contended that the Railway has paid travel allowance for the retransfer of Shri Bhikha from Mehsana to Patan and hence it is not pressed.

8. Shri Satram Das, A.P.O. W. Rly. has contested the claim of the union on the 1st demand. He has stated that these are casual labourers and they have no right whatsoever. Notice u/s. 25F is given. He has further admitted that no Registered Notice is given at any time.

9. I have gone through the papers and heard the arguments of both the sides. After careful consideration of both the demands, I am of the opinion that the case of the union in both the demands is quite genuine and in accordance with the law. The Railway has admitted in its written statement that Shri Suresh has not been paid retrenchment compensation and Shri Satram Das has also admitted at the bar that no Registered Notice as required under Rule 78 of the Rules has been given to Shri Suresh at the time of recruitment. The Railway has not challenged the say of the union that Shri Galaji who is junior to Shri Suresh was not retrenched while Shri Suresh was retrenched. From the admissions made I am convinced that the Railway has contravened the provisions contained in S. 25F and S. 25G of the Act and Rule 78 of the Rules, so far as Shri Suresh is concerned. I, therefore, direct that the termination of Shri Suresh is declared to be null and void and the Railway to pay him full wages for the period from 26-9-82 to 2-11-83 along with bonus, if due, and leave encashment if otherwise due and all other consequential benefits as if Shri Suresh was on continuous duty including the period from 26-9-82 to 2-11-83. The amount becoming due on account of the directions given in this award shall be paid to Shri Suresh within 3 months from the date this award becomes effective. So far as demand no. 2 is concerned as the Railway has paid the amount, the same is not pressed and it is dismissed. The Railway to pay costs of Rs. 150 (Rs. One hundred fifty only) to the union.

Ahmedabad :

Dt. 26-4-1989.

G. S. BAROT, Presiding Officer.

[N. L-41011/5/85-D.II(B)]

HARI SINGH, Desk Officer.

नई दिल्ली, 16 मई, 1989

का. प्रा. 1304—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार व वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. को गारुती कोलियरी के प्रबंधन के संबंध निर्यातकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचवट को प्रेषित करने है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-5-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 16th May, 1989

S.O. 1304.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sasti Colliery of M/s. Western Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-5-89.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(203)/1987

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Sasti Colliery of Western Coalfields Limited and their workman Shri Sakinala Annaya, Daftry represented through the Organising Secretary Rashtriya Koyala Khadan Mazdoor Sangh (INTUC) C/o G.M.'s Office of WCL, P.O. and District Chandrapur (M.S.).

## APPEARANCES :

For Workman—Shri G. C. R. Sharma, Organising Secretary, R.K.K.M.S. (INTUC).

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal      DISTRICT : Chandrapur (M.S.)  
AWARD

Dated, the 25th April, 1989

By Notification on No. L-21012/61/87-D.III (B), dated the 18th September, 1987, the Central Government in the Ministry of Labour referred the following industrial dispute for adjudication to this Tribunal under Section 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

## SCHEDULE

“Whether the management of Sasti Colliery of Western Coalfields Limited is justified in not promoting Shri Sakinala Annaya as a Daftry w.e.f. 1-1-1981 in Gr. ‘F’ of National Coalmines Wage Agreement-II ? If not, what relief the workman concerned is entitled to ?”

2. On receipt of reference order parties filed their respective statements of claim and the case was fixed for filing rejoinder, documents by parties and framing issues but on several dates no one appeared on behalf of the workman and ultimately the case proceeded ex-parte against the Union. Then the case was fixed for evidence at Nagpur on 9-3-89 but the tour programme was cancelled and the case was kept undated.

3. In the meantime good sense prevailed in the parties and they settled the matter mutually and filed and verified memorandum of settlement on 4-4-1989, terms of which are as under :—

## TERMS OF SETTLEMENT

(i) That Shri Sakinala Annaya, Peon presently posted in Sasti sub-area office will be regularised/up-graded in Grade ‘F’ under NCWA-III notionally w.e.f. 1st January, 1981. His basic pay will be fixed in Grade ‘F’ notionally accordingly i.e. as if he was Daftry on and from 1st January, 1981. However, he will be paid the wages/salary of Daftry with effect from 1-10-1988.

(ii) That the upgradation as agreed in para (i) will be implemented within 30 days from the receipt of consent Award from the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in terms of this settlement.

(iii) This will be the full and final settlement of this dispute and Shri Sakinala Annaya will have no claim whatsoever for the earlier period on this account.

iv. Both the parties agreed to the (ii) memorandum of settlement before the Hon'ble CGIT, Jabalpur and request for an Award in terms of this settlement.

4. I have considered the terms of settlement and am of the opinion that they are reasonable, fair, just and in the interest of the workman concerned Shri Sakinala Annaya. I, therefore, give my award in terms of the settlement and make no order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer

[No. L-21012/61/87-D.III (B)/1R(C-II)]

R. K. GUPTA, Desk Officer

नई दिल्ली, 18 मई, 1989

का. प्रा. 1305—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार राष्ट्रीय स्टेट बेड, पटना के प्रबंधन के संबंध निर्यातकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, मुंबई-1, धनबाद को पंचवट को प्रेषित करने है, जो केन्द्रीय सरकार को 9 मई, 1989 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 18th May, 1989

S.O. 1305.—In pursuance of section 7 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. I, Dhanbad, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Hand of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1989.

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD**

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the  
Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 61 of 1983

**PARTIES :**

Employer in relation to the management of State Bank  
of India, Patna.

**AND**

Their Workman.

**APPEARANCES :**

For the Employers : Sri A. S. Prasad, Asstt. Labour  
Officer and Sri S. N. P. Nandkulkar.

For the Workman : Sri G. K. Verma, General Secretary.

**STATE :** Bihar.

**INDUSTRY :** Bank.

Dated, the 27th April, 1989

**AWARD**

By Order No. L-12012/109/82-D.II(A), dated the 25th August, 1983, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of State Bank of India, Patna in relation to their Main Branch, Patna in not confirming Shri Surendra Mishra, Watchman in service with effect from 3rd February, 1970 i.e. After completion of 9 months' service is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

2. The case of the management of State Bank of India, Patna as disclosed in the written statement submitted, details apart is as follows :

3. The concerned workman, Sri Surendra Mishra was appointed as a temporary Godown Watchman at Patna Main Branch on 3-5-69 and was posted at the godown of M/s. Paper Board Industries situated at Industrial Estate, Patna. On several occasions it was observed by the Inspecting Officials of the Branch that he did not remain on duty and was found absent without permission and when asked verbally, he failed to give any valid reason for his unauthorised absence on 20-1-71. He was called upon to explain about his reported absence; he was also directed to see that stocks were not removed without prior payment by the Borrower namely M/s. Paper Board Industries. Despite the warning it was found on 25-8-71 by the Field Officer of Patna Main Branch that the pledged goods worth a considerable amount were removed from the godown of the borrower. He was asked to explain about the unauthorised removal of pledged goods by the borrower, that is, M/s. Paper Board Industries. His reply was evasive and not convincing. Since he was considered highly irresponsible in the matter of discharge of duties as a workman, his services were terminated w.e.f. 11-10-71. He was a temporary Godown Watchman and continued to be so when his services were terminated. Being aggrieved by the order of termination he raised an industrial dispute and the appropriate government referred the dispute for adjudication by Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad. The reference was registered as Reference Case No. 3 of 1972 in the said Tribunal. It was held by the said Industrial Tribunal that the termination of services of Sri Mishra w.e.f. 11-10-71 was not proper and that the action of the Bank in doing so was not justified. It was also held by the Tribunal that since Bank could not prove that he was guilty of moral turpitude, he was entitled to get reinstatement in service with back wages. In terms of the Award the Bank reinstated him as a temporary Watchman after giving full back wages and since then he has been working as a temporary Godown Watchman at Patna Main Branch of the Bank. According to the established procedure followed in the Bank the temporary

employees eligible for absorption in permanent service are required to appear for interview before proper authorities with a view to assessing their eligibility/suitability of being absorbed in permanent cadre. Circular No. 144 of 1977 dated 9-12-77 of the Bank is a pointer in this matter. Sri Mishra was asked to appear in the interview on 4-3-78 for assessing of his eligibility/suitability for absorption in permanent cadre, but for reasons best known to him, he did not appear in the interview. He relied upon certain observations made in the award of the Presiding Officer of Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad and asserted that in terms of the award, he for all intents and purposes was a permanent employee and that he should be confirmed in his appointment with retrospective effect. The assertion of Sri Mishra is misconceived and without any basis as the award rendered could not have given such a finding in view of the terms of Reference. He submitted a representation on 2-3-78 for making him permanent w.e.f. 3-2-70. He did not appear at the interview held on 4-3-78 and as such his representation was turned down. He filed a Writ Petition in Hon'ble Patna High Court for directing the Bank to treat him as a permanent employee and for a further direction to the Bank not to insist on appearing at any interview for his permanent absorption. The Writ Petition was registered as C.W.J.C. No. 3497 of 1979, but as the same was going to be dismissed by the Hon'ble Court, he had withdrawn it. He is still continuing as a temporary employee and cannot be made permanent unless the established procedure of the Bank is followed by him for his permanent absorption.

4. The case of the concerned workman, as appearing from the written statement submitted, by the General Secretary of the sponsoring union, that is, State Bank of India Employees' Union (Bihar State), Patna, shorn of details, is as follows :

5. The State Bank of India, Patna Main Branch appointed Sri Surendra Mishra as temporary Watchman though the post was of permanent nature on 13-5-69. In view of the Salary Award which still governs the service condition of the Bank Employees of India, the concerned workman cannot be treated as temporary; his status is that of a probationer. He does not fit in even under the definition of temporary employee as given in the Desai Award. Bank's Circular No. 247 of 1966 lays down the guidelines with regard to absorption of temporary subordinate employees in permanent employment of the Bank. Temporary Subordinate Cadre Employees who had continued in temporary employment for periods aggregating to nine months or more were to be offered permanent appointment straightway. In pursuance of this policy the Bank in 1969 and 1970 and thereafter also confirmed the aforesaid class of employees straightway in permanent service without subjecting them to any written test/viva-voce. The Bank however did not follow the same procedure in the case of the concerned workman. The Bank kept him temporary although the post and the nature of duties attached with the post of Watchman was of permanent nature. He continued his service uninterruptedly till 11-10-71 when all of a sudden his services were terminated illegally. Upon a Reference by the Central Government, the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad rendered an award directing the Bank to reinstate him in service with back wages and continuity of service. The Bank reinstated him on 5-8-77 with back wages and continuity of service, but implemented the award in part as they treated him again as a temporary hand. The Tribunal held in the award that the concerned workman should have been made permanent after nine months of service from the date of his initial appointment and that he was a permanent employee of the Bank for all intents and purposes though the Bank authorities kept him in temporary roll arbitrarily and unjustifiedly. The award of the Tribunal bears out this position. The concerned workman requested the Bank to absorb him in a permanent capacity with retrospective effect after his reinstatement in service. The Bank did not however give reply to his letter. On 28-1-78 the Bank by its letter marked CM/B No. 92 dated 14-1-78 informed him that an exclusive interview for Subordinate Temporary Staff would be held and the question of continuing his temporary service or eventual absorption in permanent service would depend upon his being found suitable in the said interview. He replied to the Bank on 2-3-78 stating that his case stood on a different footing and that he was to be absorbed in permanent cadre retrospectively and not prospectively. The Bank did not give any reply to his letter.

Thereafter he wrote a spate of letters to the Bank dated 4-11-77, 2/3-78, 5-4-78, 15-2-79, 9-3-80 and 8-6-81 requesting them to advise him the precise reasons for which it was considered essential by the Bank to take his interview and judge his suitability or otherwise for his eventual absorption in permanent service or for continuing his temporary service. The Bank did not, however, give any reply to all these letters. Sri R. K. Prasad, an officer who represented the Bank before Tribunal No. 3 informed the Chief Regional Manager, Patna by his letter dated 12-3-81 that in conformity with the judgement of Central Government Industrial Tribunal No. 3 and in all fairness Sri Mishra be confirmed in his present appointment with retrospective effect. The Bank ignored his recommendation. It is alleged that the Bank by its illegal action have been depriving the concerned workman of his Provident Fund, seniority in service, promotion to clerical cadre etc. Since all the letters of the concerned workman and the demand of the union were of no avail, the union raised an Industrial Dispute before the A.L.C. (C), Patna. The Chief Regional Manager, Patna adopted a needlessly rigid posture and has been dragging the poor workman from Court to Court. It was contended by the Chief Regional Manager that the view of Tribunal No. 3 with regard to the permanent status of the concerned workman and that he should have been absorbed in permanent cadre were only observation. The conciliation proceeding ended in a failure because of the inflexible stand of the Bank and the appropriate government was pleased to refer the present dispute for adjudication by this Tribunal.

In the context of these facts and circumstances the sponsoring union has prayed that Sri Surendra Mishra, Watchman be confirmed in permanent service w.e.f. 3-2-70 and that he is entitled to get all benefits of Provident Fund, seniority of service and promotion to clerical cadre.

6. In rejoinder to the written statement of the sponsoring union the management of State Bank of India, Patna has contended that the implications of Circular No. 247 of 1966 have been misconceived by the union. The management has also asserted that the nature of duties attached to the post of Watchman is not of permanent nature. It has been urged that the Award rendered by the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad has not been properly appreciated by the union. Hence the concerned workman, by not appearing in interview, has denied himself the benefits of Provident Fund, seniority of service and promotion to clerical cadre. It was not considered necessary for the Bank to make any communication with the workman over the interpretation of the award of Tribunal No. 3.

7. In rejoinder to the written statement of the management of the State Bank of India the sponsoring union has asserted that the management of the Bank made false allegations against the concerned workman regarding removal of stocks to cover up the fault of Bank Officials. Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad has held that if there had been any unauthorised removal of stocks by the owner of the factory, it cannot be said that it was done at the instance or connivance of the concerned workman. The Tribunal has further held that the concerned workman was not guilty of the charge complained of and set aside the order of termination of his service. The sponsoring union has stuck to the view that the award rendered by Tribunal No. 3 has been properly interpreted by it and that the concerned workman was never intimated that his representations have been turned down by the management.

8. The management, in order to prove its case, has examined 2 witnesses viz. MW-1 Sri Mahendra Narain Chowdhury and MW-2 Sri P. K. Sarkar and laid in evidence a mass of documents which have been marked as Exts. M-1 to M-10. The sponsoring union has examined as many as 8 witnesses, viz. WW-1 Ram Ekbal Shaw, WW-2 Shyambihari Singh, WW-3 Jamuna Prasad Yadav, WW-4 Krishna Kumar Rajak, WW-5 T. P. Singh, WW-6 Balraj Sharma, WW-7 Saligram Sharma and WW-8 Surendra Mishra, the concerned workman and laid in evidence plethora of documents which have been marked Exts. W-1 to W-24.

9. The case of the sponsoring union is that Sri Surendra Mishra, the concerned workman, was appointed as Temporary Watchman on 13-5-69 by the State Bank of India, Patna Main Branch. The management of the State Bank of India,

in its written statement, has stated that he was appointed as a temporary Godown Watchman at Patna Main Branch on 3-5-69. The letter of his appointment Ext. M-1 discloses that he was appointed as a temporary Watchman by the State Bank of India, Patna Main Branch on 13-5-69. This being so, the statement of the management that he was appointed on 3-5-69 is fraught with inaccuracy. Hence it is concluded that he was appointed as temporary Watchman by the State Bank of India, Patna Main Branch on 13-5-69.

10. The letter of appointment Ext. M-1 further discloses that he was appointed for a period of one month from 13-5-69. There is no dispute that the period of his employment was extended by the Bank. Admittedly his services were terminated by the Bank w.e.f. 11-10-71 (Ext. M-4). The management has taken plea that the concerned workman committed dereliction of duty by his failure to explain satisfactorily unauthorised removal of pledged goods by the borrower viz. M/s. Paper Board Industries and he having behaved in a highly irresponsible manner in the discharge of his duties as a Watchman, his services were terminated w.e.f. 11-10-71. This plea of the management has been hotly disputed and denied by the sponsoring union.

It appears that over this termination of service an industrial dispute was raised by the sponsoring union and that was heard and adjudicated upon by the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad. The learned Tribunal considered at length the propriety of the order of termination of services of the concerned workman and came to a finding of fact that the management could not prove the fact of dereliction of duties by him and of his having behaved in a highly irresponsible manner in respect of the pledged goods of the borrower. The learned Tribunal also, upon consideration of materials on record, held that the termination of the services of the concerned workman w.e.f. 11-10-71 was not at all proper and the action of the Bank in doing so was not justified. The learned Tribunal directed his reinstatement in service with full back wages (Ext. M-5 = Ext. W-1). Admittedly the management of Bank has reinstated the concerned workman in service as per Award of the Tribunal. Since the award of the Tribunal has not been assailed by the management in and other higher forum, the findings of fact of the Tribunal shall be considered to be conclusive in the matter of alleged dereliction of duties and irresponsible behaviour of the concerned workman. Accordingly the plea of the management that the concerned workman committed dereliction of duty and behaved in a highly irresponsible manner is not sustainable and must perforce founder on the ground as it is hit by the principles of resjudicata.

11. The case of the sponsoring union is that the concerned workman was appointed as temporary Watchman though the post was of permanent nature. This has been disputed by the management.

Sri G. K. Verma, General Secretary of the sponsoring union has submitted before me that the provisions of Sastry Award and Desai Award and the evidence on record will amply bears out the position that the concerned workman was appointed as a temporary Watchman against the post which was of permanent nature.

12. Sri Anil Kumar, authorised representative of the management has contended that the plea of the sponsoring union that the concerned workman was appointed as a temporary Watchman against post of permanent nature is hit by the principles of constructive resjudicata as this plea could have been taken in the earlier industrial dispute between the sponsoring union and the management, that is in Reference Case No. 3 of 1972 which was heard and adjudicated upon by the Central Government Industrial Tribunal No. 3 at Dhanbad.

13. Paragraph 508(C) of Sastry Award runs as follows:

Temporary employee means an employee who has been appointed for a limited period for work which is of essentially temporary nature or who is employed temporarily as an additional employee in connection with a temporary increase in work of a permanent nature.

Paragraph 21.20 of Industrial Award 1966 as follows:

Temporary employee will mean an employee who has been appointed for a limited period for work which is of essentially temporary nature or who is employed temporarily as an additional employee in connection with temporary increase in work of a permanent nature and includes an employee other than a permanent employee who is appointed in a temporary vacancy of permanent workman.

13. It appears from evidence that upon termination of services of the concerned workman, Sri Krishna Rajak was appointed in his place and he was confirmed in service w.e.f. 9-8-74 (Ext. W-21). The concerned workman has also stated in his evidence that he was appointed against a permanent post.

It is necessary to consider the letter of appointment of the concerned workman once again in order to decide the issue in controversy. The letter of appointment of the concerned workman discloses that he was appointed as a temporary Watchman for a period of one month from 13-5-69. There is nothing in this letter of appointment that he was appointed against a post of permanent nature. The definition of temporary employee as given in the Saxtry Award and Desai Award does not appear to lend sustenance to the plea that the concerned workman was appointed against a permanent post because temporary employee may be appointed for a limited period for work which is of essentially temporary nature. The fact of Sri Rajak being appointed in place of the concerned workman after the latter's termination of service and of Rajak's subsequent confirmation are not considered to be a pointer to hold that the concerned workman was appointed against a permanent post, for Rajak might have been confirmed in service in due course according to rules although his appointment was as a temporary Watchman.

14. The question whether the concerned workman was appointed against a permanent post or not fell for consideration by the learned Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad. The Tribunal held as follows:

"It is not disputed that Sri Mishra was a temporary hand and was appointed temporarily. There is nothing on record to show that he was appointed against a permanent vacancy and was working in temporary capacity."

15. This finding of fact has remained undisturbed and this being the position, I hold that there is substantial force in the contention of Sri Anil Kumar that the plea of the sponsoring union that the concerned workman was appointed against a permanent post is hit by the principles of res judicata. Thus the position is reached that the concerned was appointed as a temporary Watchman by the State Bank of India, Patna Main Branch on 13-5-1969.

16. It appears from evidence that he got two annual increments before his services were terminated by the management on 11-10-71. It is also in evidence that he has been getting normal annual increments after his reinstatement in service by the order of the Tribunal.

17. The present controversy centres round the confirmation of the concerned workman in service. It is the case of the sponsoring union that as per Bank's Circular No. 247 of 1966 which lays down the guidelines with regard to absorption of temporary subordinate employees in permanent employment of the Bank, the concerned workman is entitled to be confirmed in service w.e.f. 3-2-70 that is after a period of nine months from the date of his appointment. It is the contention of the management that according to the established procedure followed in the Bank temporary employees eligible for absorption in permanent service are to appear in interview before proper authorities for assessing his eligibility/suitability and that Bank's Circular No. 144 of 1977 dated 9-12-77 is a guideline in this direction. It is the further case of the Bank that Sri Mishra was directed to appear in the interview on 4-3-78 for assessing of his eligibility/suitability, but he having not appeared, the case of his

confirmation does not arise. It has been contended by the sponsoring union that the concerned workman is not required to appear in any interview for his confirmation in service as per rules.

18. The management has taken the plea that as per established procedure temporary employees are required to appear in interview for confirmation in service. Not a whit of paper, except the circular in question, has been filed by the management to bolster up this position. MW-2 Sri P. K. Sarkar now holding the post of Regional Manager-IV, Regional Office, Patna has stated that to the best of his knowledge the Bank has got established procedure to take interview of workmen in temporary subordinate cadre for absorbing them in permanent subordinate cadre. No recorded procedure supportive of this position has been placed before me save and except the circular the import of which I will presently discuss. On the other hand, the witnesses of the sponsoring union, most of whom are workmen of the Bank, have stated that they are not aware of any such established procedure.

19. It appears that Circular No. 144 of 1977 dated 9-12-77 is one of the sheet anchors of the management's case that the temporary employees of subordinate cadre are required to appear in interview for confirmation in service on subordinate cadre. This Circular refers to Circular No. 27 of 1977 which has not been produced or placed before me by the management. Any way, an excerpt from the Circular is gleaned herein below:

With reference to our Circular Per No. 27 of 1977 with a view to considering permanent absorption of temporary subordinate employees who have put in a minimum of 240 days' service in 12 calendar month is in the Bank (not in one calendar year) and are protected under the Industrial Disputes Act, it has been decided to hold their interviews in near future. Please, therefore, obtain necessary applications (as per the Annexure A) from all temporary eligible employees (working against permanent as well as leave vacancy) in the subordinate cadre (i.e. guards, watchmen, messengers, water boys, cash collies, faresh, etc.) employed at your Branch or Sub-Office(s), if any, under your control, and forward the same, duly verified by you to the Personnel Department at this Office so as to reach them latest by the 16th January 1978. For this purpose, only such protected temporary employees who are still in service or whose services were terminated on or after 1-1-1975 will be considered for absorption in the permanent cadre. Accordingly, applications from employees whose services were terminated before 1-1-1975 need not be obtained.

Thus it is evident from this Circular that it is applicable to those temporary subordinate employees who have put in a minimum of 240 days' service in 12 calendar months in the Bank (not in one calendar year) and are protected under the Industrial Disputes Act, Rule 61 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 envisages that every registered trade union connected with an industrial establishment to which the Act applies, shall communicate to the employer before the 30th of April every year the names and addresses of such officers of the union who are employed in the establishment and who, in the opinion of the union should be recognised as 'protected workman'. There is no evidence on record that the concerned workman is a protected workman within the meaning of Rule 61 of Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. That being so, this circular has got no manner of application in so far as Sri Mishra is concerned.

20. The management has relied on another Circular No. 527 of 1969 dated 8-11-69 (Ext. M-10) styled Staff—Miscellaneous, Temporary Godown-keepers and Godown Watchmen. Paragraph-1(b) relates to temporary Godown-keeper, and it envisages that temporary Godown-keeper, who had completed less than one year's service as on 1-4-69 will be given opportunity to appear at written tests and interviews along with outside candidates, at the time of filling permanent vacancies of Godown-keepers after the panel mentioned in paragraph (1)(a) above is exhausted. Where, however, a temporary Godown-keeper has appointed through written tests and interview, he will not be required to appear at a further test.



Paragraph (ii) under the heading 'Godown Watchman' envisages that in so far as the employees in this category are concerned, the same procedure would apply as for temporary godownkeepers except that a written test would not be necessary.

21. The concerned workman has stated in his testimony that in May 1969 he was appointed as temporary Godown Watchman in the Main Branch of the State Bank of India, Patna, after interview and that interview was held in the month of April '69 and that Sri Subodh Thakur interviewed him along with Yamuna Yadav, Chunilal and others for the post of temporary Godown Watchman. WW-3 Yamuna Prasad Yadav has given firm support in his testimony to the Statement of the concerned workman. He has stated that he was appointed in the temporary subordinate cadre of the Bank on 1-5-69 after interview and that Sri Subodh Thakur, the then Acting Agent of the Bank, since the regular Agent of the Bank was on leave, interviewed him and that Sri Surendra Mishra and Chunilal were the other two candidates who appeared in the interview along with him. The testimony of the concerned workman and his co-worker Sri Yamuna Prasad Yadav has not been wittled down in cross-examination even a whit. This being so, I come to the conclusion that the concerned workman along with Sri Yamuna Prasad Yadav and Chunilal were interviewed by Sri Subodh Thakur, Acting Agent of the Bank before they were appointed in the post of temporary employee on subordinate cadre.

22. It transpires from evidence that the Godown Watchman works under Godownkeeper. The concerned workman has stated that Godownkeeper was his immediate supervisor. Bank's Circulars No. 527 of 1969 (Ext. M-10) envisages the claim for absorption of temporary Godownkeepers in permanent cadre and lays down that in case of Godown Watchman the same procedure would apply as for temporary Godownkeepers except that written test would not be necessary. This Circular was published in respect of category of Godownkeepers and Godown Watchmen who had completed one year's service on 1-4-69. The circular envisaged mutatis-mutandis that where a temporary Godown Watchman was appointed through interview, he would not be required to appear at a further interview for absorption in permanent cadre. The concerned workman was appointed as temporary Watchman. The evidence on record discloses that at the time of his appointment he was interviewed by the acting Branch Manager of the Bank. That being so, even in consideration of this Circular Ext. M-10, he is not required to appear in any further interview.

23. The sponsoring union has relied upon a Circular issued by the Bank bearing No. 247 of 1966 dated 22-8-66. (Ext. W-13). The first part of the circular envisages that temporary subordinate employees who have put in more than nine months aggregate service in the Bank and who are considered suitable, should be offered permanent appointment in the Bank. As and when vacancies arise in different Branches the candidates in the list submitted by the Agent will be offered appointment straightway. That this Circular does not envisage confirmation in service of temporary employee on subordinate cadre by interview. Presumably, in order to dilute the effect of the circular, MW-2 Sri P. K. Singh stated that as far as he remembers the concept of employing Godown-Watchman came into existence during the year 1967-68. The falsity of his statement is borne out from the evidence on record. Ext. W-19 is the letter of appointment of Sri Syambihari Singh as temporary Godown Chowkidar. This letter is dated 18-1-64. Sri Syambihari Singh, flourishing as WW-2 has stated that he was appointed as temporary Godown Watchman of State Bank of India on 18-1-64 and that Nathuni Saheb who was then Branch Manager interviewed him and thereafter he was appointed as temporary Godown Watchman. WW-5 Sri T. P. Singh is now working as Officiating Head Clerk at Judge's Court Branch of State Bank of India, Patna, he has stated that he was appointed as temporary Godown Watchman of the State Bank of India at Industrial Estate Pay Office under Patna Main Branch of State Bank of India on 11-8-64 and that in April, 1965 he was confirmed in the post of Godown Watchman w.e.f. April, 1965. He has further stated that no interview was held while he was confirmed in the post and that at the time of his appointment as Temporary Godown

Watchman the management formally interviewed him. Thus it is obvious from evidence that the concept of employing Godown Watchman was very much in the field during the year 1967-68.

24. From the Circulars of the Bank discussed herein above, it is evident that no further interview is necessary for temporary Godown Watchman at the time of confirmation in service provided interview was held at the time of their appointment. The evidence of the witnesses for the sponsoring union also buttresses this position. WW-1 Sri Ram Ekbal Shaw has stated that he was appointed as temporary Godown Watchman at Industrial Estate Office of the main branch of the State Bank of India after interview and that he was confirmed in his service as permanent Watchman and he was not required to appear before being permanent. WW-2 Sri Shyambihari Singh, WW-3 Sri Yamuna Prasad Yadav, WW-4 Sri Krishna Kumar Rajak and WW-5 Sri T.P. Singh, all employees of the State Bank of India, Patna have stated emphatically that they were appointed as temporary Godown Watchmen on subordinate cadre after interview and that at the time of their confirmation in service no interview was held or required. The concerned workman has figured as WW-8; he has stated that he was appointed as temporary Godown Watchman of the Bank after interview and that Sri Subodh Thakur (acting Manager of the Branch) interviewed him. Hence, I come to the inescapable conclusion that no interview is required for confirmation of the concerned workman in service on subordinate cadre.

25. It appears that the concerned workman made consistent demand for his confirmation in service by a series of letters dated 4-11-77 (Ext. W-2) and 11-3-78 (Ext. W-3). But the Bank informed him to appear in interview by letter dated 14-1-78 (Ext. W-15). The concerned workman replied to the Bank stating that the question of interview did not arise in his case (Ext. W-4, W-5 and W-6). The union also pressed the case of the concerned workman with the management Exts. W-9 and W-10. But the management did not yield and consequently the present industrial dispute has arisen.

26. From my discussion above it is evident that the concerned workman is entitled to be confirmed in service on subordinate cadre. The learned Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad has also held that "for (to) all intents and purposes the concerned workman was a permanent employee".

As per Bank's Circular No. 247 of 1966 dated 22-8-1966 (Ext. W-3) the concerned workman is entitled to be confirmed in service on subordinate cadre after completion of nine months service. He was appointed as a temporary Godown Watchman on subordinate cadre on 13-5-69. He completed nine months service on 12-2-70. This being so, he is entitled to be confirmed in service on subordinate cadre w.e.f. 13-2-70 and not from 3-2-70. He is also entitled to get the other consequential benefits resulting from his confirmation in service w.e.f. 13-2-70.

The evidence on record also discloses that the Bank has given retrospective effect of confirmation in service (Exts. W-10, W-20 and W-21). There is no reason why the Bank would make a departure from that position in the present case.

27. Accordingly the following award is rendered—The action of the management of State Bank of India, Patna in relation to their Main Branch Patna in not confirming Sri Surendra Mishra, Watchman in service is not justified. The concerned workman is entitled to be confirmed in service w.e.f. 13-2-70 and not from 3-2-70 after completion of nine months' service. He is also entitled to other benefits resulting from his confirmation in service with effect from 13-2-70.

In the circumstances of the case I award no costs.

S K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-12012/109/82-D.II(A)]

P V. SREEDHARAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 19 मई, 1989

का. आ. 1306.—अधिनियम विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार सैम्स भारत कोकिंग कोल लि., भोवरा एरिया नं. 11 के प्रबंधक के विरुद्ध श्री बी.के. सिंह, ड्रिल ऑपरेटर द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 33क के अन्तर्गत दायर की गई शिकायत के संबंध में दत्त नए केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम (सं. 1) धनवाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो कि केन्द्रीय सरकार को 9-5-1989 प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th May, 1989

S.O. 1306.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure in respect of complaint u/s 33-A of the said Act filed by Shri B. K. Singh, Drill Operator against the management of Bhowra Area No. XI of M/s. Bharat Cocking Coal Limited which was received by the Central Government on the 9-5-1989.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

(Complaint Under Section 33-A of the Industrial Disputes Act)

#### COMPLAINT NO. 1 OF 1988

#### PARTIES :

B. K. Singh, Drill Operator, Parsiabad O.C.P. Bhowra (North), P.O. Bhowra, Dist. Dhanbad Complaint  
Vs.

(1) The General Manager, Bhowra Area No. XI of M/s. B.C.C. Ltd., P.O. Bhowra, Dist. Dhanbad,

(2) The Agent, Bhowra (North) O.C.P. P.O. Bhowra, Dist. Dhanbad. Opp. Parties

#### APPEARANCES :

For the Applicant—Shri B. B. Pandey, Advocate.

For the Opp. Parties—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 28th April, 1989

#### AWARD

This petition of complaint, preferred by B K. Singh is directed against the Opp. Parties, namely (1) General Manager, Bhowra Area No. XI of M/s. B.C.C. Ltd, PO Bhowra, Dist. Dhanbad and (2) Agent, Bhowra (North) O.C.P., P.O. Bhowra Dist. Dhanbad, for contravention of provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act.

2. The case of the petitioner—complaint is that he had been working as Asst. Foreman prior to 22-8-84. He has been working as Asst. Foreman at Parsiabad O.C.P. under Bhowra (North) O.C.P. of M/s. B.C.C. Ltd., since 22-8-84. He raised an industrial dispute through his union for being regularised as Asst. Foreman and placed in supervisory Grade 'C' on the basis of his working continuously for more than three years in the said post and to the entire satisfaction of the management. The said industrial dispute being Reference No. 44 of 1988 has been pending in Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad. The management has altered matter connected with the dispute to the prejudice of the petitioner—complainant and the condition of his service has been disbursed. He has been working as Asst. Foreman for about the last four years continuously, but the Opp. Parties by their letter dated 22-4-88 made Annexure-I has asked to work as Drill Operator instead of his continuance as Asst. Foreman. This order of the Opp. Parties has direct impact on the terms of reference as stated in the schedule to the order of reference which has been made Annexure-II. The Opp. Parties have been compelling him to obey the said unlawful and unjustified order and on his refusal to oblige them, they stopped him

from work as Asst. Foreman from 1-5-88. During the course of conciliation proceeding as well, the said Opp. Parties directed him to work as Drill Operator instead of as Asst. Foreman, but at the intervention of the Asstt. Labour Commissioner (C) they maintained status quo. It has been submitted that the action of the Opp. Parties is a contravention of provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this petition of complaint.

3. The Opp. Parties have contested the matter. They contended that the petition is not legally maintainable. The complainant holds substantive post of Drill Operator in Excavation Group 'C' and has been getting the wages of Group 'C' which is higher than the wages of Supervisory Grade 'C'. There has been no change in substantive post or salary and hence there can be no violation of condition of service by directing him to carry out his normal job in substantive post. He was given authorisation to work as Asst. Foreman (Mechanical) which post carries the emoluments of supervisory Grade 'C'. He was not appointed as probationer to fill up permanent vacancy by the competent authority and so he has not been regularised in the substantive post of Asst. Foreman (Mechanical). He has no right to refuse to carry on work in substantive post of Drill Operator. The Opp. Parties were compelled to allow him temporarily to work as Asst. Foreman in view of the pressure from the union, the status quo order of A.L.C. (C) and the present proceeding against the norms fixed by the management. He cannot demand for his regularisation in an irregular and illegal manner.

4. In rejoinder the Opp. Parties have denied that the complainant has been continuously working as Asst. Foreman for the last three years. They have also denied that by directing the complainant to carry on his substantive job and to stop him from continuing his temporary post tantamount to change in condition of service.

5. In rejoinder to the written statement of the Opp. Parties the complainant has stated that the Opp. Parties had made misleading and evasive statement in its written statement. The authorisation was issued by the Opp. Parties to carry on job of Asst. Foreman against permanent vacancy. The authorisation was never issued temporarily nor has the same been cancelled or superseded. It has been denied that the union has put any pressure on the Opp. Parties; it has been asserted that the A.L.C. (C) has acted rightly in directing the Opp. Parties to maintain status quo.

6. The complainant has examined himself and relied on the Annexure submitted along with the petition of complaint to prove his case. The Opp. Parties have not examined any witness nor have they filed any document in support of their case.

7. Sri B. Joshi, learned Advocate for the management has contended that the petition of complaint is not legally maintainable since the complainant is not a 'workman' within the meaning of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act and so his petition under Section 33-A of the Industrial Disputes Act should be dismissed. He has further contended that the service condition of the complainant has not been changed and so the provisions of Section 33-A is not attracted in the present case.

8. Sri B. B. Pandey, learned Advocate for the complainant has contended that the complainant is a 'workman' and so the present petition is maintainable. According to him the Opp. Parties tried to change the service condition of the complainant by directing him to revert to the post of Drill Operator during the pendency of the industrial dispute before Central Government Industrial Tribunal No. 1 and this being the position the Opp. Parties are answerable under section 33-A of the Industrial Disputes Act.

9. The complainant has stated in his testimony that his remuneration is Rs. 2200 per month. He has further stated that he has been working as Asst. Foreman and that the Asst. Foreman belongs to the category of Supervisory Grade 'C' and that he has been performing supervisory duties.

'Workman' as defined in Section 2(s) of the Industrial Disputes Act does not include any person who, being employed in supervisory capacity, draws wages exceeding Rs. 1600 per mensem. That being so, the complainant is not a 'workman' within the meaning of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. Complaint can be made by any employee under Section 33-A of the Industrial Disputes Act for contravention of provisions of Section 33 of the said Act during the pendency of proceeding before Conciliation Officer, Board, Arbitrator, a Labour Court, Tribunal or National Tribunal. Section 33 of

the Industrial Disputes Act puts an embargo on the employer during the pendency of any conciliation proceeding before Conciliation Officer or Board or of any proceeding before Arbitrator or a Labour Court or a Tribunal or National Tribunal in respect of an industrial dispute, not to alter, to the prejudice of the workman concerned in such dispute, condition of service applicable to them immediately before the commencement of the such proceeding in regard to any matter connected with the dispute. Thus it is seen that only a workman as contemplated under Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, can make a complaint under Section 33-A of the Industrial Disputes Act.

10. From the evidence discussed above it is obvious that the complaint is not a 'workman' within the meaning of Sec. 2(s) of the Industrial Disputes Act since he has been working in a supervisory capacity and drawing wages more than Rs. 1600 per month. This being the position, the present position filed by him is not maintainable.

11. It appears that although the Opp. Parties directed him to revert to his original substantive post of Drill Operator, they have not compelled him to join the post. As a matter of fact, the complainant has himself admitted that he was allowed to join his post of Asst. Foreman by the management on 13-8-88. It also transpires from the evidence of complainant that he did not join the post of Drill Operator and remained idle from 1-5-88 to 12-8-88. It has remained in explicable as to why he remained idle for the period in question. Since the Opp. Parties did not insist on his joining the post of Drill Operator he is now claiming remuneration for the period from 1-5-88 to 12-8-88. This claim cannot be allowed in this forum.

12. Accordingly, the following award is rendered—the claim of the petitioner—complainant Sri B. K. Singh that the Opp. Parties have contravened the provision of Section 33 of the Industrial Disputes Act during the pendency of Reference No. 44 of 1988 pending before this Tribunal is not sustainable.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer  
[No. L-20025/7/89-IR (Coal-I)]

सं. सं. 1307:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार, मेसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की कुस्तोर कोलियरी के प्रबन्धकों से सम्बन्धित विवादों और उनके कर्मचारियों के बीच, अन्वय में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद के केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, (सं. 2) धारा 2 के संघर्ष को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-5-1989 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1307.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Kustore Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 9-5-89.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 62 of 1988

In the matter of an industrial dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Kustore Colliery and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. P. Singh, General Secretary, Khan Mazdoor Congress.

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 2nd May, 1989

#### AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under section 10(1)(d) of the I.D.

Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(210)/87-D. III(A), dated the Nil.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kustore Colliery of Kustore Area VIII of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Kustore, Dt. Dhanbad in reverting back S/Shri Bhujawan Harijan and Kanhai Singh to the post of Tyndal after the Award in the Reference 99/85 is justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled to?"

The case of the workmen is that the concerned workmen Bhujawan Harijan was previously working as Prop Mistry in Cat. IV. He met with an accident in the mine and one medical ground he was allotted duty of Fan Operator Cat. II in the year 1978. The other concerned workmen Shri Kanhai Singh was previously working as Tyndal in Cat. IV. The management transferred him due to the exigency of work in August, 1978 as Fan Operator Cat. II. Both of them were working in Kustore colliery of M/s. B.C.C.L. After sometime the management reduced their wages and were paid wages of Cat. II. Both the concerned workmen filed a claim case under Section 33C(2) of the I.D. Act before the Central Government Labour Court No. 3, Dhanbad and the said case was numbered as LC. 54/79. It was held by the Labour Court that the reduction of wages was illegal and the claim of the two concerned workmen were allowed. Thereafter the union of the concerned workmen raised an industrial dispute for their regularisation in Cat. IV. On failure of the conciliation held before the ALC (C), the Government referred the dispute for adjudication to Central Govt. Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad and the same was registered as Ref. No. 99/85. The said reference was decided in favour of the concerned workmen. The management being aggrieved with the order of the Labour Court and the Award passed by Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad decided and by way of punishment issued a notice under Section 9(A) of the I.D. Act against the concerned workmen and transferred them back to work in their previous job of Tyndal. Both the concerned workmen submitted their replies to the notice under Section 9(A) of the I.D. Act protesting that their transfer to the previous job was illegal and with a view to victimise them. On the pretext of section 9A of the I.D. Act the management stopped the concerned workmen from their work of Fan Operator with effect from 2-12-86. The action of the management stopping the concerned workmen from the work of Fan Operator was illegal and motivated. The provision of section 9A of the I.D. Act has been wrongly interpreted with a motive to deprive them of the benefits of the Award passed in Ref. No. 99 of 1985 by CGIT No. 2, Dhanbad. On the above facts it has been prayed that it may be held that the stoppage of the concerned workmen from the job of Fan Operator from 2-12-86 is illegal and amounts to illegal termination of service and as such the concerned workmen are fit to be reinstated on the job of Fan Operator, with full back wages for the idle period.

The case of the management is that the concerned workman Shri Kanhai Singh was working as Tyndal and was in Cat. IV whereas the other concerned workman Shri Bhujawan Harijan was working as Timber Mistry and was in Cat. IV. Both the concerned workmen had requested the management to provide them light duty expressing their inability to perform their cat. IV job. The management accepted their request and put them on the light duty of Fan Operator in Cat. II in good faith and no notice under section 9(A) of the I.D. Act was issued to them for changing them from Cat. IV to Cat. II. as the management never anticipated on the bad faith on the part of the concerned workmen. The concerned workman at the instigation of the interested person raised an industrial dispute for their placement in Cat. IV which was their original category. The said industrial dispute was adjudicated by Central Govt. Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in Reference No. 99/85 and an Award was passed in favour of the concerned workmen. The management implemented the Award. In the said reference the Tribunal had accepted the plea of the workman that the concerned workman had never applied for light duty and the management on its own had transferred them from the job of Cat. IV to the job of Cat. II. The Tribunal also held as no notice under section 9(A) of the I.D. Act was served on the concerned workmen for changing their categories from Cat. IV

to Cat. II adversely affecting their wages without their consent or option, the demand of the concerned workmen was held to be justified and the concerned workmen were given Cat. IV from the date of the transfer to the job of Cat. II. The management paid difference of wages to the concerned workmen in implementation of the Award passed in Reference No. 99 of 1985. The management issued notice dated 2-9-86 under section 9(A) of the I.D. Act and reverted the concerned workmen on their previous job of Cat. IV. After the said notice under section 9(A) of the I.D. Act the concerned workmen started absenting from their duty without permission or authorised leave and hence they were charge-sheet for commission of misconduct of absence without permission. The management has every right to ask the workman to carry on the duties attached to the category to which he belongs and if a workman is incapable of performing his duties and does not carry on duties he cannot claim wages for the period he has not worked. Whenever any workman is incapable of performing higher category duties due to accident, permanent ill health or on medical ground and applies to the management for the job of lighter category, he is provided with light job subject to availability of vacancies and is given the category fixed for that particular job. The concerned workmen alleged that they had not approached any officer for light job of Cat. II and were not willing to accept Cat. II wages and therefore the management has right to put them on their original job of category IV. The management cannot show favour to the concerned workmen and give them cat. IV wages for performing category II jobs whereas workman performing the same job in different shift and different mine under similar circumstances are getting Cat. II wages. The Tribunals have accepted in principle that whenever any workman of higher category wants his regularisation on lower category job, he cannot claim the higher category. If the management transfers any workman of higher category to lower category job without his consent or application the management has to pay higher category wages. The management cannot be forced not to take higher category work from higher category workman. The concerned workmen were asked to carry on their higher category job for which they were paid category IV wages and as such they are not entitled to any relief.

The points for consideration are (1) whether the action of the management in reverting back the two concerned workmen to the post of Tyndal after the Award passed in Ref. No. 99 of 1985 is justified and (2) whether the concerned workmen are entitled to continue as Fan Operator in Cat. IV.

The management and the workmen each examined one witness in support of their respective case. The documents of the workmen are marked Ext. W-1 to W-9. No document has been exhibited before the Tribunal on behalf of the management.

It is the admitted case of the parties that the concerned workmen Kanhai Singh was formerly working as Tyndal and as placed in Cat. IV and that the other concerned workmen Shri Bhujawan Harijan was working as Timber Mistry and was placed in Cat. IV. It is also admitted that both of them were transferred as Fan Operator in Cat. II and that on an industrial dispute raised by the concerned workmen Award was passed in Reference No. 99 of 1985 in which it was held that the action of the management of Kustore Colliery in denying regularisation of the two concerned workmen as Fan Operator in Cat. IV was not justified and the management was directed to regularise them as Fan Operator in Cat. IV and the management was further directed to pay them the difference of wages of Cat. II and Cat. IV of the period for which they had not been paid the wages of Cat. IV. The Award passed in Reference No. 99/85 is Ext. W-2 in the case. Prior to the said reference two concerned workmen had filed application under section 33C(2) of the I.D. Act before the Central Govt. Labour Court No. 3, Dhanbad and it was numbered as LC. 54/79. The order passed in LC. 54/79 dated 25-5-81 is Ext. W-1 in the case. The Labour Court had allowed the difference of wages of Cat. II and Cat. IV to the concerned workmen. It is also admitted that the management had paid the difference of wages to the concerned workmen in accordance with the order passed in LC. 54 of 1979 and the order passed in the Award in Ref. No. 99 of 1985.

The present dispute was raised after passing of the Award in Ref. No. 99 of 1985 dated 18-2-86. Notices under Section 9A of the I.D. Act were issued to the concerned workmen vide Ext. W-3, W-4 dated 2-9-86. Ext. W-3 and W-4 show that the management issued notice to the two concerned workmen under section 9(A) of the I.D. Act with an intention to effect the change with regard to the nature of their jobs from 2-9-86. It has further stated that in view of the cadre scheme declared by the CIL for the Coal Industry there is no post of Fan Operator in Cat. IV and hence the two concerned workmen of Kustore colliery are reverted back from the post of Fan Operator to work as Tyndal on their original jobs. Exts. W-5 and W-6 dated 29-10-86 are the reply of the two concerned workmen to the notice under section 9(A) of the I.D. Act dated 21-10-86. The reply of the two concerned workmen are in similar language. They stated that in accordance with the order passed in Ref. No. 99 of 1985 the concerned workmen were regularised as Fan Operator in Cat. IV and that by the said notice under Section 9(A) of the I.D. Act the workmen have been deprived of the advantages given to them by the Award. They also stated that the notice under Section 9(A) of the I.D. Act was illegal and motivated and that the concerned workmen are not bound to accept the reversion under Section 9(A) of the I.D. Act. Ext. W-7 dated 25/27-11-86 is a copy of the letter sent to the concerned workmen by the Agent/Dy. C.M.E. Kustore colliery by which the concerned workmen were advised to report for their duty as Tyndal Mazdoor to the Attendance Clerk of 4 Pit Kustore South section Kustore colliery failing which suitable action was to be taken against them as per Standing Order applicable for the workmen of Kustore Colliery. Ext. W-8 and W-9 are applications sent by the concerned workmen Kanhai Singh, Bhujawan Harijan to the Agent, Kustore Colliery under Regd. cover stating that they received the letter dated 25/27-11-86 on 2-12-86 when they were working in the second shift. They have stated that from that day their attendance was not marked and that the management's order that they should report for their duty as Tyndal Mazdoor is illegal. The reason of reverting the concerned workmen to their original job of Cat. IV as stated in the notice under Section 9(A) of the I.D. Act is that there is no post of Fan Operator in Cat. IV in the Coal Industry and as such the concerned workmen were being reverted back to their old jobs of Cat. IV. WW-1 Kanhai Singh has stated that the management had issued letter after the Award passed in Reference Case No. 99 of 1985 for giving them Cat. IV and thereafter the management gave them letter to go back as Tyndal. He has further stated that he protested the action of the management in posting the concerned workmen as Tyndal and that when they did not join as Tyndal the management stopped their work with effect from 2-12-86. There is absolutely no order passed by the management stopping the concerned workmen with effect from 2-12-86 or from any other date. On the contrary it appears that the concerned workmen did not join as Tyndal in Cat. IV as advised by the management to revert back and join in their previous job of Cat. IV. In cross-examination WW-1 has stated that originally he was appointed as Tyndal and was made permanent as Tyndal. He has stated that the management had posted him as Fan Operator against his wish and after the passing of the Award the management has again posted him as Tyndal which was his original job. MW-1 Shri Binod Kumar Singh is working as Dy. Personnel Manager in Kustore Colliery. He has stated that originally Kanhai Singh was working as Tyndal and Bhujawan Harijan was working as Timber Mistry in Cat. IV and they were provided on their request light duty of Fan Operator which is a Category II job. He has stated that the management issued notice to both the concerned workmen under section 9(A) of the I.D. Act after the Award passed in Ref. No. 99 of 1985 and then they were given their original job of Cat. IV. He has asserted that the action of the management in giving original job to the concerned workman is justified. Under Section 9(A) of the I.D. Act an employer who proposes to effect any change in the condition of service applicable to any workman in respect of any matter specified in the 4th schedule can effect the change after giving to the workmen likely to be affected by such change a notice in the prescribed manner of the nature of the change proposed to be effected. It is the admitted case of the parties that notice under Section 9(A) of the I.D. Act was given to the concerned workmen on 2-9-86 and vide Ext. W-7 dated 25/27-11-86 the concerned workmen were advised to report for duty as Tyndal at Kustore Colliery. It appears therefore that the provision of Section 9(A) of the I.D. Act had been complied with by the management prior to their reversion to their original job of Cat. IV.

It cannot be argued that the management has no right to transfer its workmen specially when the concerned workmen who were originally in the job of Cat. IV were again placed to the same job after some period when they were working as Fan Operator and were being paid the wages of Cat. IV although the Fan Operators are not entitled to wages of Cat. IV. The management has given reason for the transfer in the notice under Section 9(A) of the I.D. Act that as there is no post of Fan Operator of Cat. IV the management was reverting them back to their original job of Cat. IV. The grouping, designation/nomenclature job description of time rated workers shows that Fan Khalasi operating Fan of 75 H.P. and above are placed in Cat. III and that there is no Fan Operator in Cat. IV. Thus the reason for transferring the concerned workmen to their original job of Cat. IV appears to be in accordance with the job description and category as provided in NCWA-I.

In the Industrial Dispute raised in Ref. No. 99/85 the question was whether the action of the management of Kustore colliery in denying regularisation as Fan Operator in Cat. IV to the concerned workman was justified. The Tribunal after discussing the evidence adduced before it decided that the concerned workmen were transferred by the management from the job of Cat. IV to Fan Operator due to the exigency of the work of the management and as such the concerned workmen were entitled to the wages of Cat. IV even when they were working as Fan Operator which fetches wages of lower category. The management complied with the order passed in the Award and paid the difference of wages to the concerned workmen and thereafter issued notice under Section 9(A) of the I.D. Act, proposing to revert the concerned workmen to their original job of Cat. IV as there was no job of Cat. IV for the Fan Operators. In view of the above I am of the opinion that the management was quite justified in transferring in the concerned workmen to their original job of Cat. IV and the concerned workmen cannot ask the management to take work of Fan Operator fetching wages of lower category and paying them the wages of higher category IV. The concerned workmen were themselves stating that they had been transferred as Fan Operator at the instance of the management and that they had not given their consent for the said job and as such the action of the management in sending back the concerned workmen to their original job of Cat. IV does not at all appear to be illegal or unjustified. In the above view of the matter I hold that the action of the management in reverting back the two concerned workmen to the post of Tyndal after the Award passed in Ref. No. 99 of 1985 is justified.

#### Point No. 2

In view of my above discussion and finding made in respect of point No. 1, I further hold that the concerned workmen are not entitled to continue as Fan Operator in Cat. IV.

In the result, I hold that the action of the management of Kustore Colliery of Kustore Area No. VIII of M/s. BCCL in reverting back the concerned workmen S/Shri Bhuaiwan Harijan and Kanhai Singh to the post of Tyndal after the Award in Ref. No. 99 of 1935 is justified and accordingly the concerned workmen are entitled to no relief.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-20012/210/87-D.III(A)]

नई दिल्ली, 22 मई, 1989

का. अ. 1308:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, सैमर्स भारत कॉरपोरेशन लिमिटेड की गोल्कुडीह कोलियरी के प्रबंधन से सम्बन्धित निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुसंधान में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2) घनवाद के पंचाट को प्रस्तावित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-5-1989 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 22nd May, 1989

S.O. 1308.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Management of Golukdih Colliery of M/s.

Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 5-5-1989.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 7 of 1988

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Golukdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—None.

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 28th April, 1989

#### AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to the then Central Govt. Industrial Tribunal No. 3 Dhanbad vide Ministry's Order No. L-20012/246/83-D.III(A) dated, the 6th January, 1984. Subsequently vide Ministry's Order No. S-11025/7/87-D.IV(B) dated 31-12-87 the said reference was transferred to this Tribunal for adjudication.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the General Manager, Bastacola Area of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad, in ordering dismissal of Sarvasri Kishore Bhuia, Bundelwa Bhuia and Janki Bhuia, all Miners of Golukdih Colliery vide his Order No. BCCL/IX/6A/83/L-4/372 dated the 15th April, 1983, is justified in the light of enquiry proceedings held against these workers? If not, to what relief are they entitled?"

The case of the management is that the 3 concerned workmen S/Shri Kishore Bhuia, Bundelwa Bhuia and Janki Bhuia were all miners of Golukdih colliery of M/s. B.C.C.L. They were individually issued with chargesheet dated 5/8-10-81 containing allegations of then threatening and assaulting superiors and inciting to violence. It was alleged that they had organised a mob of about 100 persons armed with lathi and stones and they surrounded Shri N. Ahmed, Asstt. Colliery Manager of Golukdih Open Cast Project, manhandled him and threatened him with dire consequences. The date of occurrence was 1-10-81 at about 5.30 P.M. at No. 10 seam Quarry. On the alleged misconduct they were charged under sub-clause (r) and (t) of Clause 18 of the Certified standing Orders applicable to Golukdih colliery. The concerned workman submitted joint reply to the chargesheet stating that they were present in the mob and protested to the Asstt. Colliery Manager for carrying on blasting in the quarry near the vicinity of their quarters on the surface. After blasting there were flight of stones damaging roof tops and other properties and also injuring the residents. The mob brought to the notice of the Asstt. Colliery Manager that he was doing illegal act which would lead to serious consequences. The concerned workmen denied the allegation that they had threatened and manhandled the Asstt. Colliery Manager and were inciting to violence. A departmental enquiry was conducted by Shri Samir Sinha, Personnel Manager in presence of the chargesheeted concerned workmen and their representative. The management's witnesses gave their statement in presence of the chargesheeted workmen who were given full opportunity to cross-examine the management witnesses and to produce their own defence witness. The enquiry was conducted in accordance with the principles of natural justice. The enquiry officer drew up the enquiry report after considering all the materials on record and held the 3 concerned workmen guilty of the alleged misconduct. The chargesheet the enquiry proceedings, enquiry report and all other relevant papers were considered at different levels of the management and there-

after the concerned workmen were dismissed from their service by letter dated 15-4-83. The misconduct committed by the concerned workmen was of grave nature as the place of occurrence was the mine and the officer on duty was Asstt. Manager of the mine holding position of supervision control and management and direction of the mine. The said Asstt. Colliery Manager was manhandled and threatened with dire consequences thereby undermining the very authority of the management. The action of the management in dismissing the concerned workman was legal bonafide, and in accordance with provision of the Certified Standing Orders and the concerned workmen are not entitled to any relief.

The case of the workmen is that all the three concerned workmen were permanent employees of BCCL and were posted as Miners at Golukdih colliery. On 1-10-81 the management made illegal blasting in Golukdih open cast project causing damage to the labour quarters for which affected workers went to complain before the Asstt. Colliery Manager of the Project who was incharge of blasting job. The management with a view to divert the attention of the workers issued chargesheet to the three concerned workmen on some got up stores and made a show of enquiry with re-determined attitude and illegally dismissed from their services. The union of the workmen made several representation before the management to reconsider their action and allow duty to the concerned workmen but without any effect. Thereafter an industrial dispute was raised before the ALC (C) Dhanbad who took up the matter in conciliation. The conciliation ended in failure and thereafter the present reference was made. The action of the management in dismissing the concerned workman is illegal. On the above plea it is prayed that the Award be passed in favour of the workmen.

The management had prayed at the very outset that the fairness or otherwise of the domestic enquiry may be decided first as a preliminary issue in the case so that if it is held that the enquiry was not fair or proper the management may get a chance to adduce evidence afresh before this Tribunal to establish the charge against the concerned workman. Their prayer was accepted and the fairness and propriety of the domestic enquiry was heard first as a preliminary issue. By the Order dated 4-12-84 Shri J. N. Singh, Presiding Officer, Central Govt. Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad held that the enquiry was fair and proper and that there was no illegality in the enquiry proceeding and the case was to be heard on merit on the materials which were already on the record of the enquiry proceeding.

The case was thereafter transferred to this Tribunal for hearing.

Now the points for decision are :

- (1) Whether there was sufficient material in the enquiry proceeding to hold the 3 concerned workmen guilty of the charge of misconduct levelled against them.
- (2) Whether the order of dismissal of the concerned workmen was too harsh and disproportionate to the allegations established against them.

The management had examined S/Shri N. Ahmed, Asstt. Colliery Manager of Gopalichak Colliery, Shri B. B. Singh, Electrical Supervisor, Chinmoy Mukherjee, Senior Overman and Shri S. Kumar, Asstt. Colliery Manager before the enquiry officer. The concerned workmen examined S/Shri Kishore Bhunia, Ramdas Bhunia and Kapildev Singh in their defence before the enquiry officer. The three delinquent employees also presented themselves for their cross-examination by the management. The management has placed the entire records of the enquiry proceeding and they are marked Ext. M-1 to M-8.

#### Point No 1

It is the admitted case of the parties that on 1-10-81 at about 5.30 p.m. there was heavy blasting in 10 Seam of Gopalichak Open Cast Project and that soon after the blasting the workers numbering about 100 including the three

concerned workmen came out of their nearby residence and surrounded Shri N. Ahmed, Asstt. Colliery Manager protesting for carrying on blasting in the quarry near the vicinity of their quarter on the surface. The difference in the case of the employer and the employee is that according to the employees they had just come to protest on the act of heavy blasting due to which there was flight of stones on their residence causing injury to some of the inmates of the quarter whereas according to the management the mob was led by the concerned workmen who surrounded Shri N. Ahmed and manhandled him and threatened him with dire consequences.

Shri N. Ahmed, Asstt. Colliery Manager of Gopalichak Open Cast Project has stated that at about 5.00 P.M. on 1-10-81 a siren was given so that the persons near 10 seam quarry may move away. When he was assured that all the persons had moved away to the safe place from the danger zone, he asked the incharge of the shot firer for the shot firing. After the blasting Shri N. Ahmed was moving to the place of blasting for inspection and at that time a mob of 100 persons came having lathi and brick bats in their hand and they were raising alarm of "Moro" "Maro". He has stated that some persons surrounded him and started assaulting him with hand and out of them he could identify three concerned workmen who were ahead of all in assaulting him. He has stated that when police was seen coming, the mob fled away. In cross-examination he was not able to say as to why the mob had assembled and after surrounding assaulted him. He has further stated that it may be that some piece of stones had flighted and on seeing it the mob had surrounded him. He has stated that he had kept guard in a circumference of about 500 metres from the place of blasting. On being questioned he stated that there was some residential houses within the circumference of 300 metres from the place of blasting. It will appear from his evidence that prior to the blasting the persons residing on these houses were removed from the danger zone but he had not himself seen to the fact that the persons from the residential houses falling in the danger zone left for safe place prior to blasting. According to him there was no fixed place of safety where the residence of those houses could move but for sometime residents used to move to the house lying at a distance from danger zone. It will thus appear from the evidence of Shri N. Ahmed that he had not himself got satisfied whether the residents from the quarters lying in the danger zone had moved to the place of safety. He had no such injuries which were apparent or serious in nature as stated by him.

The other management witness Shri Chinmoy Mukherjee, Senior Overman has stated that on the day of blasting the nearby dhowra people are informed at about 12 noon regarding the blasting. He has stated that some of the employees had been sent in the neighbourhood to warn people regarding blasting. He had heard hullah of the people from the dhowra and saw about 100 persons including females shouting "Moro" "Maro" running towards the blasting zone after the blasting. He has stated that the mob surrounded Shri N. Ahmed and assaulted him with slaps but he did not identify any of the persons who had assaulted Shri N. Ahmed. Thus this witness had seen Shri N. Ahmed being assaulted by some persons from the mob but did not identify assailants. In cross-examination he has stated that the quarters of some of the labourers are at a distance of about 150 metres from the place of blasting. He was unable to say the reason as to why the labourers had come shouting "Maro, Maro". He has stated that in deep whole blasting stone pieces are flighted for a distance of about 300 feet from the place of blasting. Thus his evidence clearly shows that some of the quarters lying at a distance of 150 metres from the place of blasting receive flight of stone pieces after blasting but as the persons had come from the dhowra lying within the danger zone, it appears that safety measures for moving all the residents from the Dhowra were not taken and there appears to be some negligence on the part of the management in not taking proper safety measures prior to the blasting. Shri S. Kumar has stated that the mob of persons went near Shri N. Ahmed and assaulted him with hand. He has also stated that the residence of some of the labourers was within the danger zone of 300 metres. He himself had not seen whether the residents of the Dhowra had moved away to safe



place before blasting and he stated that he was doing the Mining Sirdar's job. To another question he has stated that the flight of stone pieces after blasting could be 300 metres or even more. He had not seen for what distance the blasted stone piece had flighted after the blasting.

It will appear from the evidence of the management witnesses that none of them can say the reason as to why the mob had come shouting after blasting and had surrounded and assaulted Shri N. Ahmed. The persons of the mob had no enmity with Shri N. Ahmed from before. The evidence which has been gathered from the different management's witnesses does show that the Dhowra of some of the labourers was within the danger zone from the place of blasting and that the stone pieces could flight and fall down on the dhowra. It is the definite case of the workmen that the labourers in the Dhowra had not moved to the place of safety. The evidence of the management witnesses do not show that sufficient step had been taken to remove the residents of the dhowra to the place of safety before blasting. The workmen have come with a definite case and the said case is stated in the written statement of the management itself that the mob was protesting regarding the flight of the stone pieces after blasting which could cause danger to life and property. Considering the evidence as a whole it appears that after blasting stone pieces had flighted to the dhowra causing injuries to some of the labourers and that appears to be very probable cause as to why the mob of about 100 persons came running from Dhowra, shouting for assault and surrounded Shri N. Ahmed, Asst. Colliery Manager who was in charge of the blasting of the mine. Taking the entire picture into consideration it appears that there was a background and cause as to why the mob had run and surrounded the Asst. Colliery Manager after blasting. The act of blasting was dangerous enough which could cause damage to the dhowra and injury to the persons residing in the dhowra and as enough precaution was not taken before blasting to remove the persons of the dhowra to a place of safety. I think the persons of the management involved in the blasting operation were negligent. It is no wonder therefore that the residents of dhowra after blasting ran shouting for assault and surrounded the Asst. Colliery Manager. Taking all the facts into consideration it appears that the mob including the concerned workmen who were admitted in the mob had surrounded the Asst. Colliery Manager. The Asst. Colliery Manager did identify the three concerned workmen as his assailants and his evidence finds support from the other management witnesses who had been Shri N. Ahmed being assaulted and pushed by the persons in the mob. Shri N. Ahmed had no cause to implicate the concerned workmen in a false case and as such I hold that his evidence that the concerned workmen assaulted him is true. However the assault on his person was superficial.

In view of the evidence discussed above I hold that there was sufficient material in the enquiry proceeding to hold the three concerned workmen guilty of the charge of misconduct levelled against them under sub-clause (c) and (1) of Clause 18 of the Certified Standing Orders.

#### Point No. 2

I have already discussed above to show that the labourers including the concerned workmen had cause of annoyance as sufficient care was not taken by the management to remove the residents of the Dhowra lying within the danger zone to the place of safety prior to blasting and that stone pieces had flighted and fallen on the Dhowra after blasting thereby enraging the residents of the Dhowra and dunning in a mob to the Asst. Colliery Manager Shri N. Ahmed. This being the background leading to the assault of Shri N. Ahmed who was in charge of the blasting of the mine, I hold that the assault on Shri N. Ahmed was not a pre-determined one and that he was superficially assaulted by the three concerned workmen who had a feeling that the management was not taking measures for their safety prior to blasting. The said background therefore has very much eluded the gravity of the situation in as much as the management also was not taking proper measures for the safety of the labourers residing in the Dhowra falling within the danger zone. The concerned workmen are idle since 15-4-83 and thus out of job for the last 6 years. The

order of dismissal of the concerned workmen under the circumstances discussed above appears to be too harsh and as such in my opinion the concerned workmen should not have been dismissed from service. In the ends of justice I think the non-payment of wages to the concerned workmen for the period of their idleness, since the date of the dismissal will be more than sufficient punishment for the simple assault with slab etc. to Shri N. Ahmed.

In the result, I hold that the charge against the concerned workmen have been established but the action of the management in ordering dismissal of the three concerned workmen with effect from 15-4-83 is not justified. The concerned workmen are therefore reinstated with effect from 15-4-1983 but by way of punishment for the proved offence against them the concerned workmen are not entitled to any wages for the period of their idleness with effect from 15-4-83 till the date of their joining. The management is directed to reinstate the concerned workmen within one month from the date of the publication of the Award in the Gazette of India. The concerned workmen will, however, get the continuity of their service. This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 19 मई, 1989

का.घा. 1309:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबन्धकों के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, प्रबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, नं. 1, बम्बई के प्रावधान लागू करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-5-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th May, 1989

S.O. 1309.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on the 8-5-1989

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY.

Reference No. CGIT-21 of 1988

#### PARTIES :

Employer in relation to the management of Bank of Maharashtra ;

AND

their workmen.

#### APPEARANCES :

For the Management—Mr. R. N. Nizampurkar, Officer.

For the Workmen—Mr. Prakash Shukla, General Secretary of the Bank of Maharashtra Employees Union, Pune.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra.

Bombay, dated the 2nd day of May, 1989.

#### AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Bank of Maharashtra in denying 1/3 scale wages to Shri Raju Ingulkar for the period 1-7-77 to 1-2-81 during which he performed six hours and 25 minutes part-time sweeper's duties per week is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. At the hearing of the reference the parties filed joint compromise proposals stating the background of the dispute and the national for amicably settling the dispute and mentioning the terms and conditions on which the matter is settled.

3. The terms and conditions on which the dispute is settled amicably are as follows :—

1. The duties involved at P.M.C. Extn. Counter of the Bajirao Road Branch of the Bank do require less than 6 hours in a week.
2. Settlement of claim for 1/3 scale wages by Shri A. Y. Yadav for the above mentioned duties gave rise to an anomalous position in as much as when both Shri Ingrulkar and Shri Yadav have carried out same duties at same place, Shri Ingrulkar was made to suffer in getting the position at lower ladder as compared to his junior counterpart Shri Yadav on the absorption of both of them as full time Substaff.
3. This anomaly, it is agreed to be removed by granting 1/3rd scale wages and consequential benefits viz. leave, P.F. etc. to Shri Raju Ingrulkar for the period

during which he worked as part-time substaff at P.M.C. Counter of Bajirao Road Branch.

4. The Union agrees that this cannot however be quoted as a precedent nor it can be led to say that all those who have worked and are working at P.M.C. Extn. Counter of Bajirao Rd. Branch as part-time Sub-staff be considered for similar such benefits.
5. At the same time both maintain that the floor space area of P.M.C. Extn. Counter and the duties of part-time Substaff for branches|Extn. Counters of such area do require payment of consolidated wages as prescribed under Bipartite Settlement and the total working hours in a week in that situation never exceed 6 hours in a week."
4. The compromise is quite fair. I accept the same and pass an award as per the above mentioned terms of settlement as prayed by the parties.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer.

[No. L-12012/368/87-D-II(A)]

N. K. VERMA, Desk Officer.